

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0:

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 5 अंकः 43 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 23 नवम्बर 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

26/11 जैसे हमले की धमकी से हैदराबाद में हाई अलर्ट

समाज जागरण संवाददाता

हैदराबाद। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के नाम से भेजे गए एक धमकी भरे ईमेल के बाद हैदराबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। ईमेल में काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन और उसके पास स्थित होटल टूरिस्ट प्लाजा को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। साथ ही 26/11 मुंबई हमले जैसी वारदात को अंजाम देने की चेतावनी भी दी गई है। धमकी देने वाले ने ईमेल में कथित तौर पर 300 लोगों को मारने की बात कही है। उसने इस धमकी को कश्मीर के कुलगाम में मारे गए आतंकी लतीफ भट की मौत का बदला बताया है। हालांकि, ईमेल में किए गए दावों और धमकी की वास्तविकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य, सीआईआई ने सुझाए 15 बड़े वित्तीय सुधार

वित्तीय परिसंपत्तियों का आधार 7 से बढ़ाकर 106 ट्रिलियन डॉलर करने की जरूरत, बैंकिंग, बीमा और पूंजी बाजार में बदलाव की सिफारिश

समाज जागरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत को वर्ष 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए वित्तीय क्षेत्र में व्यापक सुधारों की जरूरत होगी। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने केंद्रीय बजट 2027-28 से पहले सरकार को 15 प्रमुख वित्तीय सुधारों का सुझाव दिया है। इनमें बैंकिंग, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों, पूंजी बाजार, बीमा और वित्तीय प्रौद्योगिकी से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।



सीआईआई के अनुसार, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश का वित्तीय परिसंपत्ति आधार मौजूदा लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर से बढ़ाकर 106 ट्रिलियन डॉलर करना होगा। संगठन ने एमएसएमई क्षेत्र के 25-30 लाख करोड़ रुपये के ऋण अंतर को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की ऋण सीमा 35 करोड़ से बढ़ाकर 80-100 करोड़ रुपये करने और कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को मजबूत बनाने की सिफारिश की है।

इसके अलावा निजी बैंकों में मतदान अधिकार की सीमा 26 से बढ़ाकर 49 प्रतिशत तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विदेशी निवेश की सीमा 20 से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने का प्रस्ताव दिया गया है। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए राष्ट्रीय जलवायु जोखिम बीमा पूल बनाने और स्वास्थ्य व जीवन बीमा की कर व्यवस्था में बदलाव की मांग भी की गई है।

सीआईआई का मानना है कि भारत की भावी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय व्यवस्था को अधिक सक्षम और मजबूत बनाना जरूरी है। संगठन के 15 सुधार प्रस्तावों का **विस्तृत विवरण पृष्ठ संख्या 3 पर।**

लद्दाख में लोकतंत्र के प्रति दिखा उत्साह, पंचायत चुनाव में 70.03 प्रतिशत मतदान

"सांकू जिले में सबसे अधिक 80.87 प्रतिशत वोटिंग, 4 दिसंबर को होने वाले एलएएचडीसी चुनाव में भी अधिक भागीदारी की अपील"



समाज जागरण संवाददाता

लेह। लद्दाख में पंचायत और नगर निकाय चुनावों के दौरान मतदाताओं ने लोकतंत्र के प्रति अपना उत्साह दिखाया है। पंचायत चुनावों में 70.03 प्रतिशत और नगर निकाय चुनावों में 52.4 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदाताओं की इस भागीदारी पर लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने जनता को बधाई देते हुए इसे जमीनी स्तर पर लोकतंत्र और शासन व्यवस्था को मजबूत करने वाला सकारात्मक संकेत बताया है।

मुख्य सचिव ने कहा कि चुनावों में युवाओं, पहली बार मतदान करने वालों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और भिक्षुओं सहित समाज के सभी वर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विशेष रूप से युवा मतदाताओं की भागीदारी लोकतंत्र के प्रति उनकी जागरूकता और क्षेत्र के भविष्य के प्रति उनकी जिम्मेदारी को दशार्ती है।

पंचायत चुनावों में नए बने सांकू जिले में सर्वाधिक 80.87 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि लेह में 60.24 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 192 पंचायतों में से 55 पंचायतों में सरपंच निर्विरोध चुने गए। वहीं नगर निकाय चुनावों में कारगिल में 74.75 प्रतिशत और लेह में 45.25 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

मुख्य सचिव ने बताया कि वर्ष 2018 के पंचायत चुनावों में 67.8 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो इस बार बढ़कर 70.03 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन, निर्वाचन अधिकारियों और राज्य निर्वाचन आयोग के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने लोगों से आगामी 4 दिसंबर 2026 को लद्दाख के सभी आठ जिलों में होने वाले लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) चुनावों में भी बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। नामांकन वापसी के बाद कुल 266 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। इनमें कांग्रेस और भाजपा के 79-79, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के 14 तथा 94 निर्दलीय प्रत्याशी शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने बताया कि चुनाव ड्यूटी में तैनात मतदानकर्मियों और पुलिसकर्मियों को भी निर्वाचन ड्यूटी प्रमाणपत्र के माध्यम से मतदान की सुविधा दी जाएगी। मतगणना की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। चुनाव के बाद जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी चुनावों में भी जनता लोकतांत्रिक भागीदारी की इसी भावना को बनाए रखेगी।

एनवीडिया चिप विवाद में नया नाम, ली मिंग पर चीन तक आपूर्ति का आरोप

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद एआई चिप पहुंचाने के लिए कंपनियों का जाल खड़ा करने का दावा, सिंगापुर में धोखाधड़ी का मुकदमा

समाज जागरण संवाददाता

नई दिल्ली। एनवीडिया के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिप की चीन तक कथित अवैध आपूर्ति के मामले में 52 वर्षीय चीनी नागरिक ली मिंग का नाम सामने आया है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ली मिंग इस कथित नेटवर्क का प्रमुख संचालक था और एलिस हुआंग तथा उनके पति कांग वेई के साथ काम कर रहा था। सिंगापुर के अभियोजकों का आरोप है कि ली मिंग ने अपनी कंपनी के नाम पर एनवीडिया चिप वाले सर्वर खरीदे और उनके इस्तेमाल का स्थान सिंगापुर बताया, जबकि उन्हें पहले मलेशिया भेजा गया। इसके बाद सर्वर किसी तीसरे अज्ञात ठिकाने पर पहुंचाए जाने का आरोप है।

फरवरी 2025 में ली मिंग के खिलाफ सिंगापुर में धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे। फिलहाल वह जमानत पर है। आरोप है कि इस नेटवर्क के माध्यम से अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद चीन तक उन्नत एआई चिप पहुंचाए गए। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोप अभी अदालत में साबित होना बाकी हैं।

चक्रवात 'अकवान' का असर खत्म, बंगाल में अब बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग ने दी राहत, मंगलवार से न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट के आसार

समाज जागरण संवाददाता

कोलकाता। चक्रवात 'अकवान' का प्रभाव कमजोर पड़ने के बाद पश्चिम बंगाल में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, चक्रवात के अवशेष अब सक्रिय नहीं हैं और राज्य के मौसम पर इसका आगे कोई विशेष प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। इसके चलते आने वाले दिनों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा और तापमान में गिरावट के साथ ठंड का असर बढ़ेगा।

मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार और सोमवार तक दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद आसमान साफ होने और उत्तरी हवाओं के प्रभाव से तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने की संभावना है। मंगलवार से न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक कमी आ सकती है।



मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि चक्रवात शनिवार को कमजोर होकर सामान्य निम्न दबाव के क्षेत्र में बदल गया था। यह उत्तरी छत्तीसगढ़ और आसपास के इलाकों में समुद्र तल से लगभग 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित था। अब इसका प्रभाव धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है। बंगाल की खाड़ी में मछुआरों के लिए फिलहाल कोई नई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

उत्तरी बंगाल में भी मौसम को लेकर कोई विशेष चेतावनी नहीं दी गई है। हालांकि, सोमवार तक राज्य के सभी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम अधिकारियों के अनुसार, निम्न दबाव का प्रभाव कम होने से उत्तरी हवाओं के प्रवाह में अब बाधा नहीं रहेगी। इससे रात के तापमान में गिरावट आएगी और लोगों को ठंड का अधिक अहसास होगा।

कोलकाता में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.4 डिग्री अधिक था। वहीं शनिवार को अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4.8 डिग्री कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन मंगलवार से ठंड का असर स्पष्ट रूप से बढ़ सकता है।

उत्तर प्रदेश चुनाव से पहले सपा-कांग्रेस में सीटों को लेकर बढ़ेगी खींचतान? अखिलेश ने बनाई चार सदस्यीय समिति, प्रियंका संभालेंगी कांग्रेस की कमान

भाजपा को चुनौती देने के लिए दोनों दलों ने तेज की तैयारी, चुनावी तालमेल और सीटों के बंटवारे पर होगी अहम बातचीत

समाज जागरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन को मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस से बातचीत के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। वहीं कांग्रेस ने भी पांच सदस्यीय समिति बनाई है, जिसकी अगुवाई प्रियंका गांधी वाड्रा करेंगी।

समाजवादी पार्टी की ओर से गठित समिति में राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल तथा सांसद राजीव राय और इकरा हसन को शामिल किया गया है। यह समिति कांग्रेस नेताओं के साथ बातचीत कर चुनावी तालमेल और सीटों के बंटवारे का प्रारूप तैयार करने में भूमिका निभाएगी।

दूसरी ओर कांग्रेस ने भी बातचीत के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की है। इसमें प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना और प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद शामिल हैं।

सीटों का बंटवारा बनेगा सबसे बड़ी चुनौती

दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सीटों की संख्या और उम्मीदवारों के चयन पर सहमति बनाने की होगी। किस क्षेत्र में किस दल का प्रभाव अधिक है, कहां किस पार्टी का प्रत्याशी मजबूत स्थिति में है और किन सीटों पर किसे अवसर दिया जाए, इन सवालों पर बातचीत के दौरान निर्णय लेना होगा।



इसके साथ ही दोनों दलों को अपने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना होगा। सीटों के बंटवारे में किसी भी प्रकार की असहमति गठबंधन की चुनावी रणनीति को प्रभावित कर सकती है।

एकजुटता की होगी असली परीक्षा

वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा के मुकाबले विपक्षी दलों की एकजुटता और साझा रणनीति चुनावी परिणामों को प्रभावित कर सकती है। सपा और कांग्रेस ने बातचीत के लिए अपने प्रतिनिधि तय कर दिए हैं, लेकिन असली परीक्षा सीटों के बंटवारे पर सहमति बनाने की होगी।

गोरखपुर में 2,000 करोड़ की सरकारी जमीन कब्जामुक्त, 169 स्थानों से हटाया गया अतिक्रमण

नगर निगम ने शहर और आसपास के 165 गांवों में चलाया अभियान, करीब 150 एकड़ जमीन अब विकास कार्यों के लिए होगी उपलब्ध

समाज जागरण संवाददाता

गोरखपुर। सरकारी जमीनों पर वर्षों से जमे अवैध कब्जों के खिलाफ नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 150 एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। शहर और उससे जुड़े 165 गांवों में चलाए गए विशेष अभियान के तहत 169 स्थानों से सरकारी जमीन खाली कराई गई। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 2,000 करोड़ रुपये बताया गया है।

नगर निगम के अनुसार, कब्जामुक्त कराई गई जमीन का कुल क्षेत्रफल 60.69 हेक्टेयर यानी लगभग 149.89 एकड़ है। यह संपत्ति 297 गाटा नंबरों में दर्ज है। लंबे समय से इन जमीनों पर कहीं अवैध दुकानें संचालित हो रही थीं तो कहीं पक्के और अस्थायी निर्माण करके कब्जा किया गया था। कई महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थित बेशकीमती सरकारी जमीन भी अतिक्रमण की चपेट में थी।



नगर निगम की टीम ने विशेष अतिक्रमण रोधी अभियान चलाकर इन संपत्तियों को अपने कब्जे में लिया। कार्रवाई के बाद निगम प्रशासन ने जमीनों के संरक्षण और उनके बेहतर उपयोग के लिए कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नगर निगम का उद्देश्य इन जमीनों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण से बचाना और शहर की बढ़ती आबादी की जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों में उपयोग करना है। करीब 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी संपत्ति मुक्त होने से निगम के भूमि भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अब इन जमीनों के माध्यम से गोरखपुर में विकास की नई योजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है।



वैश्विक वार्ताएं और वैश्विक युद्ध तथा हिंसा। मानवता पर संकट।



मविश्व स्तर पर अमेरिका,चीन और रूस के बीच बीजिंग में मीटिंग में बड़ी-बड़ी बातें हुई और बड़े-बड़े वायदे किए गए पर कुल मिलाकर शांति की स्थापना का कोई मार्ग नहीं निकल पाया, अमेरिका- इजरायल-ईरान युद्ध और रूस- यूक्रेन युद्ध लगातार जारी है। रूस तथा यूक्रेन एक दूसरे पर निरंतर आक्रमण किया जा रहे हैं जान और माल का नुकसान भी समय की नियति बन चुका है ।ऐसे में वैश्विक स्तर पर शांति की स्थापना की आशाएं धूमिल होती नजर आ रही है, किसी देश को किसी अन्य देश की बातों पर जरा सा भी विश्वास नहीं रह गया है इन सब के फल स्वरुप आम आदमी की मौत सस्ती हो गई और मानवता तथा संवेदना मृतप्राय हो गई है। विश्व राजनीति आज एक गहरे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है। एक ओर दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्रों के बीच उच्च-स्तरीय शिखर सम्मेलन, शांति वाताएँ और रणनीतिक संवाद लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर युद्ध, सैन्य संघर्ष और हिंसा की आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के जानकारों और कूटनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बड़े मंचों पर किए जाने वाले शांति के दावे और जमीनी स्तर पर चल रहे सैन्य अभियानों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिका, चीन और रूस जैसी महाशक्तियों के बीच विभिन्न स्तरों पर संवाद की प्रक्रिया जारी है। विदेश मंत्रियों से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तक की बैठकों में वैश्विक स्थिरता, परमाणु अप्रसार और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है। हालांकि, कूटनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, ये वार्ताएं अक्सर औपचारिकता और रणनीतिक लाभ लेने के प्रयासों तक ही सीमित रह जाती हैं।

अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, तकनीक और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा चरम पर है। संवाद के चैनल खुले रखने की सहमति के बावजूद, दोनों देशों के बीच बुनियादी अविश्वास बरकरार है। दूसरी ओर, रूस और पश्चिमी देशों के बीच संवाद लगभग ठप सा है, और जो भी सीमित संपर्क हो रहे हैं, वे किसी ठोस शांति समझौते के बजाय केवल संकट प्रबंधन तक सीमित हैं। विश्लेषकों का तर्क है कि जब तक महाशक्तियां अपने संकीर्ण भू-राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर साझा वैश्विक सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देंगी, तब तक ये बैठकें केवल सुर्खियां बटोरने का माध्यम बनी रहेंगी।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित 'क्वाड' (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) की बैठकों पर पूरी दुनिया की नजर रहती है। इन सम्मेलनों में समुद्री सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, महत्वपूर्ण तकनीकों और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने जैसे विषयों पर व्यापक विमर्श होता है।

परंतु, कई रणनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि क्वाड की बैठकों के बाद जारी होने वाले संयुक्त वक्तव्य अक्सर कूटनीतिक चश्मे में लिपटे होते हैं, जिनमें तत्काल और निर्णायक कार्रवाई का अभाव दिखता है। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए जिस ठोस सैन्य या आर्थिक प्रतिरोध की अपेक्षा की जाती है, वह सदस्य देशों के अलग-अलग राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं के कारण पूरी तरह आकार नहीं ले पाती। इससे यह सवाल उठता है कि क्या ये बहुपक्षीय मंच केवल प्रतीकात्मक एकजुटता दिखाने तक सीमित हैं या वे वास्तविक संकटों को टालने की क्षमता भी रखते हैं।

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष वैश्विक शांति के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बना हुआ है। इजरायल और क्षेत्रीय प्रतिरोधी समूहों के बीच शुरू हुआ तनाव अब व्यापक क्षेत्रीय अस्थिरता का रूप ले चुका है, जिसमें ईरान और अमेरिका की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिका ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार, इस संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट को जन्म दिया है, जिसमें हजारों निर्दोष नागरिकों की जान गई है और बुनियादी ढांचा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। युद्धविराम के लिए कई देशों और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों द्वारा किए गए प्रयास अब तक स्थायी समाधान निकालने में विफल रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि इस क्षेत्र में सुरक्षा और संप्रभुता को लेकर सभी पक्षों के अपने-अपने तर्क और ऐतिहासिक शिकायतें हैं, जिसके कारण कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं है। परिणामस्वरूप, कूटनीति की मेज पर होने वाली हर पहल मिसाइलों और ड्रोन हमलों की गूंज में दब जाती है।

यूरोप की धरती पर चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध अपने सबसे भयानक और विनाशकारी दौर से गुजर रहा है। वर्षों से जारी इस संघर्ष ने न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं और पीढ़ियों को गहरा आघात पहुंचाया है, बल्कि वैश्विक खाद्य और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को भी बुरी तरह प्रभावित किया है।

सैन्य विश्लेषकों के अनुसार, यह युद्ध अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है जहां दोनों पक्षों को भारी जान-माल का नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन निर्णायक जीत किसी के हाथ लगती नहीं दिख रही है। पश्चिमी देशों द्वारा यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता और रूस की आक्रामक रणनीति ने इस संघर्ष को और लंबा खींच दिया है। शांति प्रस्तावों पर चर्चा तो होती है, लेकिन संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा गारंटी जैसे बुनियादी मुद्दों पर दोनों पक्षों के रुख में कोई लचीलापन नहीं दिखता।

इन तमाम संघर्षों के बीच सबसे बड़ी चिंता संयुक्त राष्ट्र (UN) जैसी वैश्विक संस्थाओं की प्रभावशीलता को लेकर है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिस उद्देश्य से इन संस्थाओं का निर्माण किया गया था, वह आज कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। सुरक्षा परिषद में वीटो शक्ति के दुरुपयोग और महाशक्तियों के बीच ध्रुवीकरण के कारण अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रस्तावों का पालन करवाना लगभग असंभव हो गया है।

विदेश नीति के जानकारों का मानना है कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था एक संक्रमण काल से गुजर रही है। पुरानी व्यवस्था की संस्थाएं नई भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के अनुरूप खुद को ढालने में विफल रही हैं, जबकि कोई नई सर्वमान्य व्यवस्था अभी तक अस्तित्व में नहीं आ पाई है।

बड़ी बैठकों और शांति के बड़े-बड़े वायदों की सार्थकता तभी सिद्ध हो सकती है जब उनके पीछे वास्तविक राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। इतिहास गवाह है कि किसी भी युद्ध का अंतिम समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि संवाद की मेज पर ही निकलता है। इसके लिए आवश्यक है कि वैश्विक नेता केवल अपने तात्कालिक रणनीतिक लाभ या घरेलू राजनीति को ध्यान में न रखकर, मानवता के व्यापक हितों को प्राथमिकता दें।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एक ऐसी नई और समावेशी कूटनीतिक रूपरेखा तैयार करने की आवश्यकता है, जो न केवल बड़े देशों के हितों की रक्षा करे, बल्कि छोटे और विकासशील देशों की सुरक्षा और संप्रभुता को भी सुनिश्चित करे। जब तक कथनी और करनी का यह अंतर समाप्त नहीं होगा, तब तक शांति के सम्मेलन केवल कागजी दस्तावेज बनकर रह जाएंगे और दुनिया युद्ध की विभीषिका झेलने को मजबूर रहेगी।

संजीव ठाकुर

क्या मशीनों को मनुष्य की हत्या का अधिकार होगा ?



विज्ञान ने मनुष्य को ऐसी शक्तियां प्रदान की हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक केवल विज्ञान कथाओं में ही की जा सकती थी। आकाश की ऊंचाइयों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक, चिकित्सा से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक, जीवन का शायद ही कोई क्षेत्र हो जहां तकनीक ने अपनी उपस्थिति दर्ज न कराई हो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस परिवर्तन को एक नई गति दी है। अब मशीनें केवल मनुष्य के आदेशों का पालन नहीं करतीं, बल्कि सूचनाओं का विश्लेषण करती हैं, परिस्थितियों को समझने का प्रयास करती हैं और अनेक मामलों में स्वयं निर्णय लेने में भी सक्षम हो रही हैं। लेकिन जब यही क्षमता युद्ध के मैदान में प्रवेश करती है और किसी मनुष्य के जीवन तथा मृत्यु का निर्णय लेने लगती है, तब विज्ञान की उपलब्धि एक गंभीर मानवीय संकट में बदल जाती है।

दुनिया आज ऐसे हथियारों के विकास की ओर बढ़ रही है, जिन्हें लक्ष्य पहचानने, उसका पीछा करने और उस पर हमला करने के लिए हर बार मनुष्य के सीधे आदेश की आवश्यकता नहीं होती। इन्हें घातक स्वायत्त हथियार कहा जाता है। इन हथियारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संवेदक, कैमरे और उन्नत संगणकीय प्रणालियों का उपयोग किया जाता है। इनके माध्यम से कोई हथियार अपने आसपास की परिस्थितियों का आकलन करके संभावित लक्ष्य का चयन कर सकता है। सैन्य दृष्टि से इसे आधुनिक युद्ध की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि इससे सैनिकों का जोखिम कम करने और सैन्य कार्रवाई की गति बढ़ाने में सहायता मिल सकती है। लेकिन इस उपलब्धि के पीछे एक ऐसा प्रश्न छिपा है, जिसका उत्तर केवल विज्ञान के पास नहीं है। क्या किसी मशीन को यह अधिकार दिया जा सकता है कि वह स्वयं तय करे कि किस व्यक्ति को जीवित रहना चाहिए और किसका जीवन समाप्त कर देना चाहिए?

इसी प्रश्न को लेकर नवंबर 2026 में जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय वार्ता हुई। इस बैठक में विभिन्न देशों ने स्वायत्त घातक हथियारों के विकास, नियंत्रण और उपयोग से संबंधित संभावित नियमों पर विचार किया। उद्देश्य ऐसा अंतरराष्ट्रीय समझौता तैयार करना है, जो इन हथियारों के अनियंत्रित उपयोग पर रोक लगा सके और युद्ध के दौरान मानवीय मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित करे। हालांकि तत्काल किसी बाध्यकारी समझौते पर सहमति नहीं बन सकी, लेकिन आगामी दो वर्षों तक इस विषय पर चर्चा और नियमों के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता खुला है। यह घटनाक्रम बताता है कि दुनिया इस खतरे को समझ रही है, लेकिन इससे निपटने के लिए देशों के बीच अभी पर्याप्त राजनीतिक सहमति नहीं बन पाई है।

युद्ध का मैदान सामान्य जीवन से बिल्कुल अलग होता है। वहां परिस्थितियां हर क्षण बदलती रहती हैं। धुआं, विस्फोट, भगदड़, घायल सैनिक, भयभीत नागरिक और टूटते हुए मकानों के बीच किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान करना आसान नहीं होता। कई बार हाथ में हथियार लिए व्यक्ति सैनिक नहीं, बल्कि अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा कोई सामान्य नागरिक भी हो सकता है। कोई घायल व्यक्ति जमीन पर पड़ा हो सकता है, कोई बच्चा अपने परिजनों को खोज रहा हो सकता है और कोई बुजुर्ग भय के कारण किसी सुरक्षित स्थान की ओर भाग रहा हो सकता है। मनुष्य इन परिस्थितियों में अपनी समझ, अनुभव और संवेदना के आधार पर निर्णय लेने का प्रयास कर सकता है, लेकिन मशीन के लिए ऐसी जटिल मानवीय परिस्थितियों को समझना अत्यंत कठिन है। वह उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर निर्णय लेती है। आंकड़ों में थोड़ी सी त्रुटि भी किसी निर्दोष व्यक्ति के जीवन पर भारी पड़ सकती है।

यही कारण है कि घातक स्वायत्त हथियार केवल सैन्य तकनीक का विषय नहीं हैं। वे मानवाधिकार, नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून से भी सीधे जुड़े हुए हैं। युद्ध के दौरान भी कुछ नियमों और मयार्दाओं का पालन आवश्यक माना गया है। निर्दोष नागरिकों की सुरक्षा, घायल सैनिकों के प्रति मानवीय व्यवहार और आत्मसमर्पण करने वालों के जीवन की रक्षा अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं। यदि किसी हथियार को बिना मानवीय हस्तक्षेप के हमला करने की छूट मिल जाती है, तो इन सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है। मशीन यह तो पहचान सकती है कि सामने कोई गतिविधि हो रही है, लेकिन क्या वह उस गतिविधि के पीछे छिपे भय, विवशता और मानवीय परिस्थितियों को समझ सकती है?

इससे भी बड़ा प्रश्न उत्तरदायित्व का है। कल्पना कीजिए कि किसी स्वचालित हथियार ने गलत पहचान के कारण किसी निर्दोष नागरिक की जान ले ली। ऐसी स्थिति में दोषी किसे माना जाएगा? हथियार बनाने वाली कंपनी को, उसे विकसित करने वाले वैज्ञानिक को, सैन्य अधिकारी को या उस सरकार को जिसने उसके उपयोग की अनुमति दी? मशीन न तो अपनी गलती स्वीकार कर सकती है और न ही किसी न्यायालय में अपने निर्णय का स्पष्टीकरण दे सकती है। उसके भीतर अपराधबोध, पश्चाताप और नैतिक चेतना जैसी मानवीय भावनाएं नहीं होतीं। इसलिए यह आवश्यक है कि किसी भी स्वायत्त हथियार के निर्माण से लेकर उसके उपयोग तक मनुष्य की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित हो। जीवन और मृत्यु से जुड़े निर्णयों को पूरी तरह मशीनों के भरोसे छोड़ना मानव सभ्यता के लिए गंभीर भूल साबित हो सकती है।

दुनिया में हथियारों की प्रतिस्पर्धा पहले से ही अनेक संकट पैदा कर चुकी है। परमाणु हथियारों के विकास ने मानवता को विनाश के कगार पर पहुंचने की आशंका से परिचित कराया है। अब यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित हथियारों की होड़ शुरू होती है, तो युद्ध और भी अप्रत्याशित हो सकते हैं। कोई देश अपनी सुरक्षा के नाम पर ऐसे हथियार विकसित करेगा, तो दूसरा देश भी पीछे नहीं रहना चाहेगा। धीरे-धीरे सैन्य शक्ति का मूल्यांकन केवल हथियारों की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी निर्णय लेने और हमला करने की गति से होने लगेगा। ऐसी स्थिति में युद्ध शुरू होने के बाद उसे रोकने का अवसर भी सीमित हो सकता है। कुछ क्षणों में लिए गए गलत निर्णय व्यापक विनाश का कारण बन सकते हैं।

भारत जैसे देश के सामने भी इस विषय को लेकर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की चुनौती है। हमारी सुरक्षा परिस्थितियां ऐसी हैं, जिनमें आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक अनुसंधान का महत्व लगातार बढ़ रहा है। सीमा की निगरानी, रक्षा उपकरणों के विकास और सैन्य सूचनाओं के विश्लेषण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपयोगी सिद्ध हो सकती है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर मानवीय मूल्यों की उपेक्षा नहीं की जा सकती। भारत को ऐसी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए, जिसमें रक्षा अनुसंधान और तकनीकी विकास को प्रोत्साहन मिले, लेकिन किसी व्यक्ति के जीवन का अंतिम निर्णय अनियंत्रित मशीन के हाथों में न चला जाए।

वास्तव में तकनीक का मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि वह मानव जीवन को कितना सुरक्षित और बेहतर बनाती है। जिस विज्ञान से असाध्य रोगों के उपचार की उम्मीद पैदा होती है, उसी विज्ञान का उपयोग यदि निर्दोष लोगों की जान लेने के लिए किया जाने लगे, तो उसके उद्देश्य पर पुनर्विचार करना आवश्यक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक आपदाओं से बचाव में किया जाए, तो यह मानवता के लिए वरदान बन सकती है। लेकिन युद्ध के मैदान में इसका अनियंत्रित उपयोग एक ऐसे भविष्य की आशंका पैदा करता है, जहां मनुष्य अपने ही बनाए हथियारों के सामने असहाय हो सकता है।

जिनेवा की वार्ता ने दुनिया को सोचने का एक अवसर दिया है। आगामी दो वर्ष इस बात के लिए महत्वपूर्ण होंगे कि देश केवल चर्चा तक सीमित रहते हैं या वास्तव में ऐसे नियम बनाते हैं, जो मानव जीवन की रक्षा कर सकें। जरूरत इस बात की है कि स्वायत्त घातक हथियारों के उपयोग पर स्पष्ट सीमाएं तय हों, मानवीय नियंत्रण अनिवार्य बनाया जाए और किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए जिम्मेदारी संबंधित मनुष्यों तथा सरकारों की ही रहे।

अंततः सवाल मशीन की बुद्धिमत्ता का नहीं, मनुष्य की विवेकशीलता का है। मशीन कितनी भी तेज हो सकती है, लेकिन उसमें जीवन के प्रति संवेदना नहीं होती। वह किसी मां की आंखों में अपने बच्चे को खोने का दर्द नहीं पढ़ सकती, किसी पिता की विवशता नहीं समझ सकती और किसी बच्चे के भविष्य का अर्थ नहीं जान सकती। युद्ध में विजय प्राप्त करने की इच्छा यदि मनुष्य को अपनी ही बनाई मशीनों के हाथों जीवन और मृत्यु का अधिकार सौंपने तक ले जाती है, तो यह विज्ञान की नहीं, हमारी सभ्यता की पराजय होगी। हमें यह तय करना होगा कि भविष्य की दुनिया में तकनीक मनुष्य की सहायक बनेगी या मनुष्य ही अपनी तकनीक का बंदी बन जाएगा। क्योंकि हथियारों को अधिक बुद्धिमान बनाने से पहले यह आवश्यक है कि मनुष्य अपनी बुद्धि और संवेदना को जीवित रखे।



महेन्द्र तिवारी

"मास्टर जी"

विद्यालयीन जीवन की स्मृतियां भी बड़ी अजीब होती हैं। समय बीत जाता है, हम स्कूल की चौखट से निकलकर कॉलेज, नौकरी और जीवन की दूसरी व्यस्तताओं में चले जाते हैं, लेकिन बचपन और किशोरावस्था की कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जो स्मृतियों की किताब में हमेशा ताजा बनी रहती हैं। वर्षों बाद भी जब उन पन्नों को पलटता हूं तो लगता है जैसे कल की ही बात हो।

मेरे स्कूल जीवन की ऐसी ही एक अविस्मरणीय स्मृति है -मास्टर जी बनने की। उस समय हम कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थी थे। हमारे लिए यह वर्ष इसलिए भी विशेष था क्योंकि इसके बाद हम स्कूल की सीमा से निकलकर कॉलेज की दुनिया में प्रवेश करने वाले थे। स्वाभाविक रूप से मन में उत्साह भी था और आने वाले जीवन को लेकर एक अनजानी-सी उत्सुकता भी।

इन्हीं दिनों स्कूल के वार्षिकोत्सव की घोषणा हुई। जैसे ही कक्षा में हमारे क्लास टीचर सचदेव सर ने बताया कि लगभग एक महीने बाद वार्षिक समारोह होने वाला है और सभी विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना है, पूरी कक्षा में जैसे उत्साह की लहर दौड़ गई। कोई कविता में भाग लेना चाहता था, कोई गीत में, कोई नृत्य में तो कोई नाटक में। हमारी कक्षा के छात्र पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी खूब रुचि लेते थे। मैं भी अपने मित्रों किशोर राय, जनक यादव, संतोष तंबोली और अन्य साथियों के साथ इस आयोजन की तैयारियों में जुट गया। हम सभी लाल बहादुर शास्त्री स्कूल, बिलासपुर के विद्यार्थी थे। स्कूल शहर के मध्य गोल बाजार से लगे प्रमुख विद्यालयों में गिना जाता था। उन दिनों शहर में नया-नया बना पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभा भवन भी सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बन चुका था। इतने बड़े और प्रतिष्ठित सभागार में हमें प्रस्तुति देने का अवसर मिलेगा, यह कल्पना ही हमारे लिए रोमांच से भर देने वाली थी। एक दिन सचदेव सर ने कक्षा में कहा अब वार्षिकोत्सव में ज्यादा समय नहीं रह गया है। जो विद्यार्थी किसी भी विधा में भाग लेना चाहते हैं, वे अपना नाम और अपनी विधा लिखकर दे दें।

मैंने सबसे पहले जाकर अपना नाम लिखवाया और कहा सर, मैं नाटक में भाग लेना चाहता हूं। मेरे साथ संतोष तंबोली और कुछ अन्य मित्रों ने भी नाटक के लिए अपना नाम दिया। तभी सचदेव सर ने हमें एक और ऐसी सूचना दी, जिसने हमारी खुशी को कई गुना बढ़ा दिया। उन्होंने बताया कि इस बार वार्षिकोत्सव में हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता ए. के. हंगल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने वाले हैं।

हम सब खुशी से उछल पड़े। ए. के. हंगल साहब को हमने फिल्मों में देखा था और विशेषकर शोले में उनका वह चर्चित संवाद ह्इतना सन्नाटा क्यों है भाई ?ह्न हम दोस्तों के बीच अक्सर मजाक में दोहराया करते थे। अब उन्हीं हंगल साहब के सामने हमें अपनी प्रस्तुति देनी थी। हमारे लिए इससे बड़ा आकर्षण और क्या हो सकता था!

सर ने यह भी बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता शहर के तत्कालीन महापौर बलराम सिंह ठाकुर करेंगे। अब तो हमारी तैयारी में एक अलग ही जोश आ गया। कुछ दिनों बाद सचदेव सर हमें लगभग पच्चीस विद्यार्थियों के साथ प्राचार्य कक्ष में ले गए। इनमें करीब पंद्रह विद्यार्थी नाटक के लिए तैयार थे। हम सभी उत्सुकता से इधर-उधर देख रहे थे।प्राचार्य कक्ष में एक भद्र पुरुष बैठे थे। थोड़ी देर बाद पता चला कि वे शहर के जाने-माने रंगकर्मी स्वर्गीय सुनील मुखर्जी हैं। वही हमारे नाटक के कलाकारों का चयन करने वाले थे और अगले पंद्रह दिनों तक हमें अभिनय का प्रशिक्षण भी देने वाले थे।

हमारे लिए यह किसी सौभाग्य से कम नहीं था। प्राचार्य महोदय ने हम सभी विद्यार्थियों को एक कतार में खड़ा कर दिया और मुखर्जी जी से कहा आप इन्हीं विद्यार्थियों में से नाटक के पात्रों का चयन कर लीजिए। हम सभी चुपचाप एक कतार में खड़े हो गए। मुखर्जी जी एक-एक विद्यार्थी को बड़े ध्यान से देख रहे थे। उनके चेहरे पर गंभीरता थी और आंखें जैसे प्रत्येक विद्यार्थी के भीतर छिपे कलाकार को तलाश रही थीं।

कुछ मिनट तक सभी को देखने के बाद अचानक उनकी नजर मुझ पर ठहर गई। उन्होंने उंगली के इशारे से मुझे कतार से अलग होकर एक तरफ खड़े होने को कहा। मैं थोड़ा घबरा गया। मन में कई तरह के सवाल उठने लगे मुझे अलग क्यों किया गया? क्या मैं नाटक के योग्य नहीं हूं? क्या मेरे व्यक्तित्व में कोई कमी दिखाई दे रही है? मैं चुपचाप एक किनारे खड़ा हो गया।

इसके बाद उन्होंने कुछ और विद्यार्थियों को भी अलग किया और उन्हें मेरे पास खड़े होने का संकेत दिया। बाकी विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि वे अपनी-अपनी कक्षाओं में लौट जाएं। फिर उन्होंने प्राचार्य महोदय से कहा मैंने नाटक के पात्रों का चयन कर लिया है। अब इन्हीं विद्यार्थियों को पंद्रह दिनों तक रिहर्सल कराऊंगा। मेरी उत्सुकता अब चरम पर थी। आखिर मुझे अलग क्यों किया गया था? तभी प्राचार्य महोदय ने मुझे बुलाकर बताया सुनील मुखर्जी जी ने तुम्हें अपने नाटक मास्टर जी के मुख्य पात्र मास्टर जी के लिए चुना है।

मैं कुछ क्षण के लिए जैसे स्तब्ध रह गया। अभी तक जो डर और उधेड़बुन मन में चल रही थी, वह एक ही क्षण में खुशी और आत्मविश्वास में बदल गई। मैंने मन ही मन सोचा- मैं तो साधारण-सा, दुबला-पतला और लंबा विद्यार्थी हूं। आखिर मुखर्जी जी ने मुझमें ऐसा क्या देख लिया कि मुझे मुख्य भूमिका के लिए चुन लिया? उस प्रश्न का उत्तर मुझे कभी पूरी तरह नहीं मिला, लेकिन शायद एक कलाकार को पहचानने वाली नजर वही होती है, जो व्यक्ति के बाहरी व्यक्तित्व से आगे उसके भीतर छिपे पात्र को देख लेती है।

अगले दिन से हमारी अभिनय प्रशिक्षण की शु रूआत हो गई। लगातार पंद्रह दिनों तक सुनील मुखर्जी जी हमें अभिनय की बारीकियां सिखाते रहे। संवाद कैसे बोलना है, आवाज में उतार-चढ़ाव कैसे लाना है, मंच पर किस तरह खड़ा होना है, चेहरे के भाव कैसे बदलने हैं, संवाद के साथ शरीर की भाषा कैसी होनी चाहिए, इन सबका हमें गहन अभ्यास कराया गया।

उन पंद्रह दिनों में हमने अभिनय के साथ-साथ अनुशासन भी सीखा। मुखर्जी जी केवल संवाद रटवाने वाले निर्देशक नहीं थे। वे हमें यह समझाते थे कि मंच पर केवल शब्द नहीं बोले जाते, बल्कि पात्र को जिया जाता है। धीरे-धीरे नाटक के संवाद हमारी जुबान पर ऐसे चढ़ गए कि हमें उन्हें याद करने के लिए किसी किताब की जरूरत ही नहीं पड़ती थी।

मेरे पात्र का एक संवाद अंग्रेजी में था - "God helps those who help themselves." अर्थात - जो अपनी मदद स्वयं करते हैं, भगवान भी उनकी मदद करता है। नाटक के मंचन के बाद यह संवाद इतना चर्चित हुआ कि लंबे समय तक मित्रों के बीच मैं इसे मजाक-मजाक में दोहराता रहा। आज भी वह संवाद स्मृति में उसी तरह सुरक्षित है। देखते ही देखते पंद्रह दिन बीत गए और वार्षिकोत्सव का दिन आ गया।

उस दिन स्कूल और सभा भवन का वातावरण ही अलग था। हम सभी अपने-अपने परिधानों और मेकअप में प्रस्तुति की तैयारी कर रहे थे। बाहर कार्यक्रम शुरू हो चुका था। कहीं गीत हो रहा था, कहीं भजन, कहीं नृत्य और कहीं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां। सभागार धीरे-धीरे दर्शकों से भर चुका था। मेरे परिवार और मोहल्ले के अनेक लोग भी विशेष रूप से मेरा अभिनय देखने और मेरा उत्साह बढ़ाने पहुंचे थे। मेरे लिए यह भावुक कर देने वाला क्षण था। और फिर मेरी नजर मंच के सामने बैठे एक विशिष्ट अतिथि पर पड़ी।

ए. के. हंगल साहब! जिन्हें हम फिल्मों में देखते थे, जिनके संवाद हम दोस्तों के बीच दोहराते थे, वे आज हमारे सामने बैठे थे। मेयर बलराम सिंह ठाकुर, प्राचार्य महोदय, शिक्षकगण और शहर के अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। अब उत्साह के साथ-साथ जिम्मेदारी का अहसास भी होने लगा। हमारे नाटक की बारी आ गई।एक-एक करके सभी पात्र मंच पर आने लगे। पर्दे के पीछे हम अपनी-अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे। जब मेरी बारी आई और मुझे मास्टर जी बनकर मंच पर जाना था, तो स्वाभाविक रूप से मन में हल्की घबराहट थी।

मैं मंच पर पहुंचा। पहला संवाद बोलते समय मेरी आवाज थोड़ी धीमी निकल गई। शायद पहली बार इतने बड़े मंच और इतने सारे दर्शकों के सामने अभिनय करने का दबाव था। तभी पर्दे के पीछे से आवाज आई - ह्लतेज बोलो... तेज !ह्न मैं तुरंत सजग हुआ। मन में आया- ह्लयह मौका फिर नहीं मिलेगा। मुझे अपना पूरा सामर्थ्य दिखाना है।ह्न और फिर मैंने अपनी आवाज को मजबूत किया, चेहरे के भाव बदले और पूरी तरह अपने पात्र में उतर गया। उसके बाद मुझे ऐसा लगा जैसे मैं सुरेश नहीं रहा। मैं सचमुच मास्टर जी बन गया था। संवाद पर संवाद आगे बढ़ता गया। अभिनय में आत्मविश्वास आता गया।

कुछ ही देर में वह घबराहट पूरी तरह समाप्त हो चुकी थी।नाटक समाप्त हुआ। पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। उस क्षण की खुशी आज भी मेरे भीतर वैसी ही है। मंच से उतरते समय ऐसा लग रहा था जैसे मैंने कोई बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली हो।कार्यक्रम के बाद हमें सम्मानित किया गया। प्राचार्य महोदय ने हमारी प्रशंसा की और सुनील मुखर्जी जी ने भी हमारे अभिनय की सराहना की। मेरे लिए वह केवल पुरस्कार या प्रशंसा का क्षण नहीं था। वह मेरे भीतर छिपे आत्मविश्वास को पहचानने का क्षण था। और शायद उसी दिन पहली बार मुझे यह महसूस हुआ कि किसी व्यक्ति को अवसर मिल जाए तो उसके भीतर छिपी प्रतिभा भी अपना रास्ता खोज लेती है।

स्कूल के बाद हम कॉलेज में पहुंच गए, लेकिन रंगमंच से मेरा रिश्ता वहीं समाप्त नहीं हुआ। सुनील मुखर्जी जी की रंगकर्म संस्था ह्यनाट्य चक्र से भी मेरा जुड़ाव बना रहा। उन्होंने मुझे और मेरे मित्र संतोष तंबोली को वहां भी अभिनय के अवसर दिए। हम कई कार्यक्रमों में उनके साथ गए और अलग-अलग स्थानों पर नाटकों में अभिनय किया। इस तरह स्कूल में ह्यमास्टर जी की भूमिका से शुरू हुई मेरी रंगमंचीय यात्रा आगे भी चलती रही। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो उस घटना में मुझे केवल एक नाटक नहीं दिखाई देता।मुझे दिखाई देता है ,एक स्कूल, दोस्तों की वह टोली, सचदेव सर का प्रोत्साहन, प्राचार्य कक्ष में लगी वह कतार, सुनील मुखर्जी जी की पारखी नजर, पंद्रह दिनों की कठिन रिहर्सल, मंच के पीछे की घबराहट, पर्दे के पीछे से आती आवाज -ह्लतेज बोलो... तेज !ह्न, सामने बैठे ए. के. हंगल साहब और तालियों से गूंजता हुआ वह सभागार।

और सबसे ज्यादा याद आता है वह क्षण, जब एक दुबला-पतला-सा स्कूली लड़का पहली बार मंच पर खड़ा होकर अपने भीतर के आत्मविश्वास से परिचित हुआ था। शायद इसलिए जीवन में कुछ मंच कभी खत्म नहीं होते।उनके पर्दे गिर जाते हैं, दर्शक चले जाते हैं, तालियां थम जाती हैं, पात्र अपने-अपने घर लौट जाते हैं..लेकिन कुछ भूमिकाएं जीवन भर हमारे भीतर जीवित रहती हैं। मेरे जीवन में ह्यमास्टर जीह्न भी ऐसी ही एक भूमिका है। वह सिर्फ एक नाटक का पात्र नहीं था। वह मेरे जीवन के मंच पर आत्मविश्वास का पहला संवाद था।

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।



बैंकिंग, बीमा और पूंजी बाजार में बड़े बदलाव की तैयारी

सीआईआई ने एमएसएमई के 25-30 लाख करोड़ रुपये के ऋण अंतर को कम करने, एनबीएफसी को स्थायी तरलता सुविधा देने और कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार का विस्तार करने का दिया सुझाव

समाज जागरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत को वर्ष 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए वित्तीय क्षेत्र की क्षमता में व्यापक विस्तार करना होगा। इसी उद्देश्य से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने केंद्रीय बजट 2027-28 से पहले सरकार के सामने 15 प्रमुख सुधार प्रस्ताव रखे हैं। संगठन ने बैंकिंग व्यवस्था से लेकर गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों, पूंजी बाजार, बीमा और वित्तीय प्रौद्योगिकी तक कई महत्वपूर्ण बदलावों की आवश्यकता जताई है।

सीआईआई के आकलन के मुताबिक, 2047 तक निर्धारित आर्थिक लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश का वित्तीय परिसंपत्ति आधार करीब 106 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना होगा, जबकि वर्तमान में इसका आकार लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर है। संगठन का मानना है कि भविष्य की बड़ी अर्थव्यवस्था को वित्तपोषित करने के लिए मौजूदा वित्तीय ढांचे को नए सिरे से मजबूत करना होगा।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारतीय वित्तीय क्षेत्र फिलहाल मजबूत स्थिति में है। बैंकों और एनबीएफसी की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है तथा सरकार और नियामकों ने भी पिछले वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अब जरूरत ऐसे वित्तीय तंत्र के निर्माण की है, जो आने वाले दशकों में कई गुना बड़ी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा कर सके।

एनबीएफसी के लिए स्थायी तरलता सुविधा

सीआईआई ने एनबीएफसी के लिए नियम आधारित स्थायी तरलता सुविधा विकसित करने का सुझाव दिया है। साथ ही प्राथमिकता क्षेत्र ऋण व्यवस्था में बदलाव, कम क्रेडिट रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड में निवेश बढ़ाने और ऋण वसूली के मामलों में बैंकों के समान अधिकार देने की मांग की है।

एमएसएमई क्षेत्र का ऋण अंतर बड़ी चुनौती

देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के सामने वित्तीय संसाधनों की कमी एक बड़ी चुनौती है। सीआईआई का अनुमान है कि इस क्षेत्र का ऋण अंतर लगभग 25 से 30 लाख करोड़ रुपये है। इसे कम करने के लिए सरकारी गारंटी वाले एमएसएमई ऋणों के साथ आग, बाढ़, मशीनरी खराब होने और कारोबार बाधित होने जैसी परिस्थितियों से सुरक्षा देने वाला बीमा अनिवार्य करने की सिफारिश की गई है।

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलेगी बड़ी राहत

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए सीआईआई ने प्रति उधारकर्ता प्राथमिकता क्षेत्र ऋण की मौजूदा 35 करोड़ रुपये की सीमा बढ़ाकर 80 से 100 करोड़ रुपये करने का सुझाव दिया है। इससे मध्यम आकार की ऊर्जा परियोजनाओं को भी वित्तीय सहायता प्राप्त करने में सुविधा होगी। बैटरी के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण जैसी गतिविधियों को भी प्राथमिकता क्षेत्र ऋण के दायरे में शामिल करने की सिफारिश की गई है।

निर्यात क्षेत्र के लिए अलग ऋण लक्ष्य

निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए संगठन ने मौजूदा दो प्रतिशत अतिरिक्त निर्यात ऋण सीमा के स्थान पर अलग निर्यात उप-लक्ष्य निर्धारित करने की मांग की है। इसके अलावा फैक्टरिंग, निर्यात से मिलने वाली राशि और आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण को भी ऋण पात्रता के दायरे में लाने का सुझाव दिया गया है।

जलवायु जोखिम से निपटने के लिए राष्ट्रीय बीमा पूल

प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन से होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करने के लिए सीआईआई ने राष्ट्रीय आपदा एवं जलवायु जोखिम बीमा पूल बनाने का प्रस्ताव रखा है। इसमें बीमा कंपनियों की अनिवार्य भागीदारी, गिफ्ट आईएफएससी के माध्यम से आपदा जोखिम बॉन्ड जारी करने और सरकारी पुनर्बीमा सहायता की व्यवस्था शामिल है।

संगठन ने सितंबर 2025 से जीएसटी मुक्त किए गए व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा उत्पादों को शून्य दर वाली श्रेणी में रखने की भी सिफारिश की है। इससे बीमा कंपनियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ मिल सकेगा।

कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार का विस्तार जरूरी

सीआईआई के अनुसार, भारत का कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार अभी भी अपेक्षाकृत छोटा है। इसका आकार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 15 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह 36 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में 80 प्रतिशत से अधिक है। इस अंतर को कम करने के लिए पेंशन फंड, बीमा कंपनियों और भविष्य निधि संस्थाओं को नियंत्रित जोखिम सीमा के भीतर एए से कम रेटिंग वाले बॉन्ड तथा लंबी अवधि के वित्तीय साधनों में निवेश की अनुमति देने का सुझाव दिया गया है।

बैंकों में मतदान और विदेशी निवेश सीमा बढ़ाने की मांग

बैंकिंग क्षेत्र में सुधार के तहत सीआईआई ने निजी बैंकों में मतदान अधिकारों की सीमा मौजूदा 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। संगठन का मानना है कि इससे बैंकिंग क्षेत्र में स्वामित्व और मतदान अधिकारों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित किया जा सकेगा।

इसके साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विदेशी निवेश की सीमा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को शीघ्र मंजूरी देने की मांग की गई है।

वीडियो केवाईसी से आसान होगा ग्राहक सत्यापन

वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए वीडियो आधारित ग्राहक पहचान (वीडियो केवाईसी) की स्पष्ट नियामकीय व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया गया है। इसके तहत प्रमाणित डिजिटल प्रणालियों के माध्यम से ग्राहकों की पहचान का सत्यापन किया जा सकेगा। इससे विशेष रूप से उन क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं का विस्तार आसान होगा, जहां बैंकिंग सुविधाएं अभी सीमित हैं।

सीआईआई के ये प्रस्ताव आगामी केंद्रीय बजट 2027-28 के लिए वित्तीय क्षेत्र की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हैं। अब देखना होगा कि सरकार इनमें से किन सुझावों को स्वीकार कर नीतिगत स्तर पर लागू करती है।

यूपी चुनाव 2027: मतदाता सूची से गठबंधन तक सियासी हलचल तेज, ओवैसी ने चंद्रशेखर को बताया मुख्यमंत्री चेहरा

22 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान, योगी ने कौशल विकास को बताया युवाओं के भविष्य की नींव, बर्क ने भाजपा पर साधा निशाना

समाज जागरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग मतदाता सूची के पुनरीक्षण की तैयारी में जुटा है, वहीं राजनीतिक दल नए गठबंधन और चुनावी रणनीति बनाने में लगे हैं। इसी बीच ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की मुलाकात तथा सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के भाजपा पर हमले ने प्रदेश की राजनीति को गर्मा दिया है।



22 नवंबर को सभी बूथों पर विशेष अभियान

चुनाव आयोग 22 नवंबर को मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत विशेष अभियान चलाएगा। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सभी मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। मतदाता अपना नाम जांचने के साथ नए नाम के लिए प्रपत्र-6 और संशोधन के लिए प्रपत्र-8 भर सकेंगे। दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर निर्धारित की गई है। इसके अलावा 28 और 29 नवंबर को भी विशेष अभियान चलाया जाएगा।

योगी बोले, हुनरमंद युवा बनेंगे विकसित भारत की ताकत

लखनऊ में पांचवें राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 52 प्रतिभागियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कौशल विकास से प्रशिक्षित युवा वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 17 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है और सात लाख से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिला है।

ओवैसी ने चंद्रशेखर को बताया मुख्यमंत्री का चेहरा

सहारनपुर में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के तहत चुनाव लड़ने की घोषणा की। ओवैसी ने कहा कि गठबंधन की सरकार बनने पर चंद्रशेखर आजाद मुख्यमंत्री होंगे। दोनों नेताओं ने मस्जिद ध्वस्तीकरण के मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा।

बर्क ने भाजपा पर साधा निशाना

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने भाजपा पर धर्म के नाम पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोने की बढ़ती कीमतों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर भी सवाल उठाए। उनके बयान से प्रदेश में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज हो गया है।

चुनाव में अभी समय है, लेकिन मतदाता सूची के पुनरीक्षण, नए राजनीतिक गठबंधन और नेताओं के बयानों से उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल बनने लगा है।

विश्व मत्स्यिकी दिवस पर छपरौला में जागरूकता शिविर, 13 मत्स्य पालकों का पंजीकरण

मत्स्य पालन को स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बनाने पर जोर, दुर्घटना बीमा और किसान क्रेडिट कार्ड का भी मिला लाभ

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। विश्व मत्स्यिकी दिवस के अवसर पर दादरी तहसील के ग्राम छपरौला में मत्स्य पालकों के लिए जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 40 मत्स्य पालकों ने भाग लेकर विभागीय योजनाओं और आधुनिक मत्स्य पालन की जानकारी प्राप्त की।



प्रभारी मत्स्य अधिकारी हरिशंकर त्रिपाठी ने बताया कि शिविर के दौरान राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल मंच पर 13 मत्स्य पालकों एवं मत्स्य गतिविधियों से जुड़े किसानों का पंजीकरण कराया गया। एक मत्स्य पालक को मछुआ दुर्घटना बीमा और एक किसान को किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ भी प्रदान किया गया। पंजीकृत किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

अधिकारियों ने मत्स्य पालकों को मछली पालन के माध्यम से आय बढ़ाने, स्वरोजगार विकसित करने तथा केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की जानकारी दी।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

चाकू से हमला करने का आरोपी गिरफ्तार, वारदात में इस्तेमाल कार बरामद

वाहन रगड़ने को लेकर हुआ था विवाद, युवक और उसके दोस्त पर जानलेवा हमले का आरोप

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। थाना दनकौर पुलिस ने चाकू से हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल अवैध चाकू और आल्टो कार बरामद की है।



पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर 2026 को दनकौर क्षेत्र में कार सवार अज्ञात लोगों ने एक युवक की गाड़ी में अपनी गाड़ी रगड़ दी थी। इसके बाद विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने युवक और उसके दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए थे।

मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। इसी क्रम में 21 नवंबर को पुलिस ने नीरज उर्फ जार्डन निवासी सोझना झाया, बुलंदशहर को सुपरटेक अपकंट्री तिराहे से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू और आल्टो कार बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं।

पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर 24 नवंबर को होगी जनसुनवाई

कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक सुनवाई करेगा उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों को लेकर पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के अध्ययन और स्थानीय ग्रामीण निकायों में उनकी भागीदारी से जुड़े विषयों पर 24 नवंबर को गौतमबुद्धनगर में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा यह जनसुनवाई कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जाएगी।आयोग का गठन स्थानीय ग्रामीण निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के राजनीतिक पिछड़ेपन की स्थिति, उसके स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन करने तथा आगामी पंचायत चुनावों के लिए आवश्यक अनुशंसाएं देने के उद्देश्य से किया गया है। जनसुनवाई के माध्यम से संबंधित पक्षों के विचार और सुझाव प्राप्त किए जाएंगे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में गौतमबुद्धनगर से मिले 8,504 आवेदन

नोएडा, दादरी और जेवर में 5,696 लोगों ने नाम जुड़वाने के लिए भरे फॉर्म, 28 और 29 नवंबर को फिर लगेगा विशेष शिविर

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए मतदाता सूची को दुरुस्त करने की कवायद तेज हो गई है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत रविवार को गौतमबुद्धनगर की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों ने कुल 8,504 आवेदन प्राप्त किए। इनमें नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र प्रविष्टियां हटाने और मतदाता विवरण में संशोधन के आवेदन शामिल हैं।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नेतृत्व में नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभा क्षेत्रों के सभी निर्धारित मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और पदाभिहित अधिकारी मौजूद रहे। अभियान के दौरान नागरिकों को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ आवेदन भरने में सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

दादरी में सबसे अधिक नए मतदाताओं के आवेदन

निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 के कुल 5,696 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें नोएडा विधानसभा क्षेत्र से 1,571, दादरी से 2,612 और जेवर से 1,513 आवेदन शामिल हैं। इस मामले में दादरी विधानसभा क्षेत्र सबसे आगे रहा। वहीं, मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 के कुल 794 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें नोएडा से 313, दादरी से 404 और जेवर से 77 आवेदन शामिल हैं। मतदाता सूची में नाम, पता और अन्य विवरणों में संशोधन तथा स्थान परिवर्तन के लिए फॉर्म-8 के कुल 2,014 आवेदन मिले। इनमें नोएडा से 776, दादरी से 948 और जेवर से 290 आवेदन प्राप्त हुए।



28 और 29 नवंबर को फिर मिलेगा मौका

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 22 नवंबर के अभियान में शामिल नहीं हो सके पात्र नागरिकों को निराश होने की जरूरत नहीं है। आगामी 28 नवंबर (शनिवार) और 29 नवंबर (रविवार) को भी विशेष अभियान चलाए जाएंगे। इन दोनों दिनों में सभी निर्धारित मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बीएलओ मौजूद रहेंगे।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6, मृतक, दोहरे अथवा स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 तथा नाम, पता और अन्य विवरणों में संशोधन के लिए फॉर्म-8 भरा जा सकता है।

ऑनलाइन आवेदन की भी सुविधा

मतदाता घर बैठे भी निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://voters.eci.gov.in और ईसीआईनेट मोबाइल ऐप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना और परिवार के सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

शारदा विश्वविद्यालय में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल

हवाई हमले की चेतावनी, रेड अलर्ट और ब्लैकआउट का अभ्यास, पुलिस से लेकर एनडीआरएफ और अग्निशमन विभाग ने दिखाई तत्परता

समाज जागरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। आपातकालीन परिस्थितियों में जन-धन की सुरक्षा और विभिन्न विभागों की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से रविवार शाम शारदा विश्वविद्यालय में नागरिक सुरक्षा अभ्यास का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका की अध्यक्षता में हुई इस मॉक ड्रिल में हवाई हमले की चेतावनी, रेड अलर्ट और ब्लैकआउट जैसी परिस्थितियों का अभ्यास किया गया।

अभ्यास के दौरान पुलिस, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, वन विभाग और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। विभिन्न विभागों की टीमों ने आपातकालीन चेतावनी मिलने पर त्वरित कार्रवाई, नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया।



अग्निशमन विभाग ने आग लगने की काल्पनिक स्थिति में बचाव कार्य किया, जबकि स्वास्थ्य विभाग ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने और अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने क्षतिग्रस्त इमारतों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की तकनीकें प्रदर्शित कीं।

विद्युत विभाग ने ब्लैकआउट और बिजली आपूर्ति बहाल करने, लोक निर्माण विभाग ने मलबा हटाने तथा परिवहन विभाग ने आपातकालीन वाहनों के निर्बाध आवागमन की व्यवस्थाओं का अभ्यास किया।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रियंका ने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने संसाधन तथा उपकरण हमेशा तैयार रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एडीसीपी अर्चना सिंह, डिप्टी कलेक्टर अभिनेंद्र सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मथुरा जाते कांग्रेस नेताओं का नोएडा में स्वागत



समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। सामाजिक भाईचारा सम्मेलन में शामिल होने मथुरा जा रहे कांग्रेस नेताओं का रविवार को महामाया फ्लाईओवर पर स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र बघेल का जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने अभिनंदन किया।

इस दौरान कांग्रेस नेता यतेन्द्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं के स्वागत के दौरान कार्यकताओं ने संगठन की एकजुटता और पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प भी दोहराया।

फोर्टिस अस्पताल की पार्किंग से चोरी की कार बरामद, तीन गिरफ्तार

सीसीटीवी और स्थानीय सूचना के आधार पर सेक्टर-58 पुलिस की कार्रवाई, कासगंज के रहने वाले हैं तीनों आरोपी

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने कार चोरी के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से फोर्टिस अस्पताल की पार्किंग से चोरी की गई किया सेल्टोस कार बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान निकुंज मणि, रंजीत कुमार और शांतनु यादव के रूप में हुई है। तीनों कासगंज जिले के रहने वाले हैं। सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचना के आधार पर पुलिस ने इन्हें सेक्टर-57 स्थित जुबिलेंट पार्क के पास से गिरफ्तार किया।



पूछताछ में सामने आया कि रंजीत अपने कंधे का उपचार कराने फोर्टिस अस्पताल आया था। उसके साथ शांतनु भी था। दोनों ने अस्पताल की पार्किंग में खड़ी किया सेल्टोस कार की चाबी हासिल कर ली। रंजीत के कंधे में चोट होने और शांतनु को गाड़ी चलाना नहीं आने के कारण उन्होंने अपने साथी निकुंज को बुलाया। इसके बाद निकुंज और शांतनु कार लेकर फरार हो गए। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर चोरी की कार बरामद कर ली।

मोबाइल छीनने वाले गिरोह से पुलिस की मुठभेड़, 31 मोबाइल और 42 हजार रुपये बरामद

एक बदमाश गोली लगने से घायल, दो अन्य साथी गिरफ्तार; चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध हथियार भी मिले

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस और मोबाइल छीनने वाले बदमाशों के बीच शनिवार को मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके दो अन्य साथियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से चोरी और छिनैती के 31 मोबाइल फोन, 42 हजार रुपये नकद, एक चोरी की मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, प्रकाश अस्पताल से गंदे नाले के पुल पर जांच के दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे भागने लगे। पीछा करने पर उनकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। खुद को घिरा देखकर पीछे बैठे एक बदमाश ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में नीरज निवासी पप्पू कॉलोनी, साहिबाबाद घायल हो गया।



पुलिस ने उसके दो साथियों हेमंत उर्फ सनी और गोविंद सिंह उर्फ रिंकू को भी गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह ने जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के ब्रॉशर का किया विमोचन।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में जिलाधिकारी फिरो जाबाद संतोष कुमार शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती मुदिता पाण्डेय की सहमति एवं निर्देशन में जनपद के सभी बोर्डों के कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन एवं विद्यालय के निदेशक अंशुल खंडेलवाल के संयोजन में दिनाँक 23 नवम्बर 2026 को प्रातः 9:30 बजे से अमेजिंग वर्ल्ड, इटावा रोड सिरसागंज में किया जा रहा है।

जयवीर सिंह, कैबिनेट मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने जनपद स्तरीय विज्ञान



मॉडल प्रदर्शनी के ब्रॉशर का विमोचन करते हुए जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के कार्यों की सराहना की। अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि जनपद स्तर पर जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता के अंतर्गत क्रमशः कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के 100 मॉडल प्रस्तुत किए जायेंगे। जनपद स्तर पर गठित तकनीकी मूल्यांकन समिति द्वारा 15 मॉडलों का चयन करते हुए मण्डल स्तर हेतु उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्हीं 15 चयनित मॉडलों में से मूल्यांकनोंपरांत कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार हेतु क्रमशः रु 5000, रु 3000 व रु 2000 एवं 02 विद्यार्थियों को सान्त्वना पुरस्कार हेतु रु 1000, (प्रत्येक को) दिए जाने के साथ प्रशस्ति पत्र, सम्मान, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं निर्धारित नकद धनराशि से सम्मानित किया जाएगा एवं अन्य प्रतिभागियों को भी प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा। अंशुल खंडेलवाल ने जनपद के समस्त बोर्डों के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे अपने विद्यार्थियों को उनके मार्गदर्शक शिक्षकों के साथ ससमय प्रतिभाग करा कर उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण में वृद्धि करें।

सकल दिगम्बर जैन समाज अवागढ़ ने अश्वनी जैन को अवागढ़ जैन समाज गौरव की उपाधि से किया अलंकृत

समाज जागरण

अवागढ़। सकल दिगम्बर जैन समाज अवागढ़ के तत्वाधान में श्री मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में परम पूज्य आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य उपाध्याय श्री शिवदत्त सागर जी महाराज एवं मुनि श्री पदमदत्त सागर जी महाराज के सानिध्य एवं आदरणीय बाल ब्रह्मचारी श्री राकेश भैय्या जी के प्रतिष्ठाचार्यत्व में श्री यतेंद्र जैन पारस जैन के संयोजन में श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान के सुअवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में श्री महावीर दिगम्बर जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज के नागरिक शास्त्र के प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन को मानविकी वर्ग में प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा गोरखपुर में राज्य अध्यापक पुरस्कार प्रदान करने के लिए सकल दिगम्बर जैन समाज अवागढ़ के द्वारा उन्हें पटका, माला पहनाकर एवं मोमेंटो प्रदान करके भव्य स्वागत के साथ अवागढ़ जैन समाज गौरव की उपाधि से अलंकृत किया। उनकी इस सफलता पर जैन समाज के महिला एवं पुरुषों में खुशी का संचार रहा। उपाध्याय श्री शिवदत्त सागर जी महाराज ने अश्वनी जैन को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राकेश भैय्या जी ने उपस्थित समस्त जनमानस को बताया कि अश्वनी कुमार जैन को यह पुरस्कार विद्यालय में अपने विषय में विद्यार्थियों के नामांकन बढ़ाने, नागरिक शास्त्र



विषय को रुचिकर बनाने, उसमें नवाचार करने नागरिक शास्त्र मेला, भारतीय संसद का निर्माण, संविधान प्रस्तावना पाठ, संविधान क्विज, संविधान पोस्टर प्रतियोगिता, पैनल बोर्ड से वीडियो के माध्यम से अध्ययन, शैक्षिक भ्रमण, नगर पालिका परिषद सिरसागंज के स्वच्छ भारत अभियान के ब्राण्ड एम्बेसडर की भूमिका में स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका प्रदान करने के लिए दिया गया है।

उन्होंने बताया कि अश्वनी जैन को जनपद फिरोजाबाद में माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए प्रथम राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त करना समस्त फिरोजाबाद एवं नगर अवागढ़ के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उनकी इस विशिष्ट उपलब्धि एवं समाज सेवा के भावों से अभिभूत होकर सकल दिगम्बर जैन समाज एवं श्री धन्य कुमार जैन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से उन्हें अवागढ़ जैन समाज गौरव की उपाधि से अलंकृत पत्र से सम्मानित किया गया। अश्वनी कुमार जैन ने सकल दिगम्बर जैन समाज अवागढ़, श्री धन्य कुमार जैन चैरिटेबल ट्रस्ट, समस्त मंदिर समितियों, आयोजक समिति का आभार एवं पूर्वजों को नमन व्यक्त किया। उन्होंने इसका श्रेय अपने परिवार माता पिता, पत्नी पूनम जैन, अर्चित, पावनी जैन के साथ समस्त जनप्रतिनिधियों, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक साथी, मित्रों, विद्यालय की प्रबन्ध समिति, समस्त विद्यालय परिवार, समस्त मीडिया वर्ग को प्रदान किया। इस अवसर पर अविनाश चन्द्र जैन, तरुण कुमार जैन, यतेंद्र जैन, परमिल जैन, आशुतोष जैन, सुमन जैन कन्नी, सतेंद्र जैन, पारस जैन, अपूर्व जैन, नमन जैन, अंकुर जैन, विकास जैन, आशीष जैन, जॉली जैन, देवांश जैन, शरद, स्वदेश जैन, श्रीमती आशा जैन, मिथलेश जैन, सुमन जैन, नीलम जैन, प्रियंका जैन, काजल जैन, प्रिंसी जैन आदि के साथ सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जाकर रण में ललकारी थी ,वह झाँसी की झलकारी थी

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। वीरांगना झलकारी बाई शोभायात्रा समिति फिरोजाबाद पंजी.के नेतृत्व में सन1857 की अमर शहीद वीरांगना झलकारी बाई जी के 196 वीं जन्मजयंती बड़े धूमधाम के साथ मनाई गई , वीरांगना झलकारी बाई जी



के जन्मदिन के उपलक्ष में बस स्टेंड जलकल विभाग के सामने लगी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके स्वागत कर श्रदांजलि अर्पित की , श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए महापौर कामिनी राठौर एवं विधायक मनीष असीजा, विधायक डॉ.मुकेश वर्मा ने कहा कि वीरांगना झलकारी बाई के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता, समिति के अध्यक्ष पार्षद मनोज शंखवार ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रंद्धाजलि अर्पित की कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश शंखवार ,सुनील शंखवार,सुखवीर सिंह,कृष्णमुरारी शंखवार ,सुनील शंखवार एलआईसी,रामकुमार शंखवार,गौरव कुमार, डॉ. वी.पी.सिंह शंखवार,अमित माहौर , पार्षद ऊषा देवी शंखवार ,अनिल शंखवार ,अभयराम शंखवार, घनश्याम दास प्रेमी ,राजू माहौर, वी डी निर्मल एडवोकेट,रचित शाक्य,शांतिदास शंखवार , डॉ. रामबहादुर शंखवार, जयप्रकाश माहौर, रोहित शंखवार , भीषमपाल माहौर डीलर, कुलदीप सिंह , बलवीर सिंह एडवोकेट,सहदेव शंखवार, मिथलेश देवी शंखवार ,आलोक शंखवार आदि लोग उपस्थित रहे कार्यक्रम में इस वर्ष के शोभायात्रा अध्यक्ष विद्याराम शंखवार,महामंत्री केशवदेव शंखवार पार्षद,श्यामसिंह शंखवार कोषाध्यक्ष ने सभी आगंतुक जनों का अभिवादन कर मिष्ठान वितरण किया।

डीएम ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान का किया निरीक्षण, 20 नए युवा मतदाताओं ने कराया पंजीकरण।

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत रविवार को जनपद के सबसे बड़े मतदान केंद्र ठाकुर वीरी सिंह इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। कॉलेज परिसर में स्थापित बूथ संख्या 157 से 170 तक सभी 14 मतदान बूथों पर पहुंचकर उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजर एवं संबंधित निर्वाचन अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विशेष अभियान दिवस पर 20 नए युवा मतदाताओं ने मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन किया।

जिलाधिकारी ने नए युवा मतदाताओं एवं उनके अभिभावकों से संवाद कर उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम एवं पिता का नाम दर्ज करते समय यदि किसी व्यक्ति का नाम पहले से मौजूद होता है तो सिस्टम तत्काल उसे फ्लैग कर देता है। इससे दोहरी प्रविष्टियों पर रोक लगाने और शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची



तैयार करने में मदद मिल रही है। इसके बाद जिलाधिकारी ने कृषक इंटर कॉलेज, पचोखरा स्थित बूथ संख्या 92, 93 एवं 94 का स्थलीय निरीक्षण किया। यहां बीएलओ की उपस्थिति, फॉर्म-6, 7 एवं 8 के माध्यम से प्राप्त दावे और आपत्तियों तथा मतदाता सूची के अद्यतनीकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। तत्पश्चात तहसील टूंडला के सभागार में उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में फॉर्म-6 के संकलन, बीएलओ की लॉगिन एवं सक्रियता, निर्वाचन पोर्टल पर दर्ज प्रगति तथा कम उपलब्धि वाले बूथों की स्थिति का मूल्यांकन किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन बूथों पर फॉर्म अपलोडिंग की संख्या शून्य अथवा कम है, वहां विशेष अभियान चलाकर पात्र मतदाताओं के पंजीकरण में तेजी लाई जाए। बीएलओ एवं सुपर वाइजर लॉगिन और तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान कराते हुए ऑनलाइन तथा वैकल्पिक माध्यमों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण पारदर्शिता, शुद्धता एवं गुणवत्ता के साथ संपन्न कराया जाए।

पुलिस लाइन में एयर स्ट्राइक एवं ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन, आपातकालीन तैयारियों का किया गया प्रदर्शन

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। शासन के निर्देशानुसार रविवार को पुलिस लाइन मैदान में नागरिक सुरक्षा केंद्र एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में सिविल डिफेंस एयर स्ट्राइक एवं ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज-2026 का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में शाम 6 बजे से 6:30 बजे तक आयोजित इस अभ्यास में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों का सजीव प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल के तहत शाम 6 बजे पुलिस लाइन परिसर में ब्लैकआउट किया गया। इसके बाद सायरन बजते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए गए। अभ्यास में नागरिक सुरक्षा के जवानों के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस, होमगार्ड, अग्निशमन विभाग तथा एम्बुलेंस टीम ने आपसी समन्वय के साथ भाग लिया। प्रशिक्षित जवानों ने घायलों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार देने और आपातकालीन



परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि किसी भी आपातकालीन स्थिति या आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशासन के साथ आम नागरिकों का सतर्क एवं प्रशिक्षित होना भी बेहद आवश्यक है। सिविल डिफेंस का उद्देश्य आम नागरिकों को आपदा प्रबंधन से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित रहें, सतर्क रहें और राष्ट्र की सेवा करें केवल नारा नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। ऐसे अभ्यास विषम परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने और सुरक्षा उपायों को अपनाने में सहायक होते हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से जागरूकता अभियानों में अधिक से अधिक सहभागिता करने की अपील की। साथ ही मॉक ड्रिल में प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों, जवानों एवं कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में सभी विभाग इसी समन्वय और तत्परता से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता के चयनित विद्यार्थियों को किया सम्मानित

समाज जागरण/ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के तत्वावधान में राजकीय हाई स्कूल, सिविल लाइन में जनपद स्तरीय निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता के चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया और मतदान के अधिकारों के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा तथा अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल ने किया। प्रतियोगिता विद्यालय, विधानसभा और जनपद स्तर पर तीन चरणों में आयोजित की गई। इसमें फिरोजाबाद, टूंडला, शिकोहाबाद, जसराना और सिरसागंज विधानसभा क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। समापन अवसर पर जिलाधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने चयनित टॉप-10 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक और जिम्मेदार मतदाताओं पर निर्भर करती है। विद्यार्थियों को अभी से मतदान के महत्व और नागरिक दायित्वों को समझना चाहिए तथा अपने परिवार एवं समाज को भी जागरूक करना चाहिए। अपर जिलाधिकारी कल्पना जायसवाल ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता और लोकतांत्रिक समझ विकसित करती हैं। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर अवधेश कुमार निगम, अंकित कुमार तथा ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपाइयों ने किया नमन

जिला कार्यालय पर हुई सभा, वक्ताओं ने नेताजी के संघर्ष और योगदान को किया याद।

समाज जागरण-ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर रविवार को पार्टी संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री स्व. मुलायम सिंह यादव की जयंती मनाई गई। जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपना पूरा जीवन समाजवादी विचारधारा और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित किया। वह तीन बार प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के रक्षा मंत्री रहे। किसानों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष हमेशा याद किया जाएगा।

पूर्व विधायक अजीम भाई ने कहा कि सैफई के किसान परिवार में जन्मे मुलायम सिंह यादव ने संघर्ष के दम पर राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। डॉ. राम मनोहर लोहिया और चौधरी चरण सिंह के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने राजनीति में कदम रखा। उनका पांच दशक से



अधिक का राजनीतिक सफर आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

इस दौरान पूर्व विधायक परम प्रकाश यादव, पूर्व विधायक रामवीर सिंह, मीना राजपाल, रजत, राजेश कुमार सविता, रामश्याम, शम्मी कपूर हुसैन, मुकेश कुमार, मुजाहिद खान, धर्मदास, नीरज यादव, राजकुमार राठौर, लोकेंद्र सिंह गुर्जर, विनोद गौतम, नानकुमार, महेंद्र वर्मा, रोहित दयाल सविता, नरेश शंखवार, पंकज बघेल, आदेश यादव, सौरभ बघेल, विकास कुमार, मुकेश वर्मा, विधायक अब्दुल वाहिद, श्यामपाल सिंह, संजय कुशवाह, कमले यादव, सोनू यादव, मनोज कुमार, मनीष कुमार राठौर, सूर्या प्रताप राठौर, चंद्रशेखर, चरण सिंह यादव, अजय यादव, सुधीर यादव, महेश वर्मा, देवराज, दीपक राठौर, राकेश कुमार, सुधा राजपाल और अमन यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देश के पूर्व रक्षामंत्री व उप्र0 के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह की जयंती पर सपाइयों नें फल वितरित किए

दैनिक समाज जागरण राज यादव)

गुन्नौर सपा नेता अमित यादव के नेतृत्व में सपा कार्यकताओं नें मुलायम सिंह की जयंती पर उन्हें याद किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की इसके बाद गुन्नौर



के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व अन्य अस्पतालों में फल वितरित किए अमित यादव नें कहा कि नेताजी की यादों को गुन्नौर के लोग दिल में संजोए हुए हैं क्योंकि उन्होंनें मुख्यमंत्री रहते हुए यहां का अविस्मरणीय विकास किया इस मौके पर सपा नेता अमित यादव डा0 दीपक यादव डा0 हरीश कुमार डा0प्रमोद कुमार केवी आर्य शरद यादव अख्तर अली बबलू यादव शमीम अहमद शशिकांत वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे

टूंडला रेलवे स्टेशन पर 72 बोतल हरियाणा की शराब बरामद, दो गिरफ्तार

जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई, बरामद शराब की कीमत करीब 1.15 लाख रुपये

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। टूंडला रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हरियाणा मार्का की अलग-अलग ब्रांड की 72 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 1.15 लाख रुपये बताई गई है। जीआरपी के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर अपराधियों और अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान प्लेटफार्म नंबर तीन और चार के पूर्वी छोर पर लगे बोर्ड के पास दो युवक पिट्ठू बैग लेकर बैठे दिखाई दिए। पुलिस टीम ने शक होने पर दोनों की तलाशी ली तो बैग से हरियाणा मार्का की 72 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पिंटू यादव निवासी जिला कोडरमा, झारखंड, हाल निवासी गुरुग्राम



(हरियाणा) और सोनालाल कुमार निवासी पूर्वी चंपारण, बिहार के रूप में हुई है। जीआरपी ने दोनों के खिलाफ थाना टूंडला में आबकारी अधिनियम की धारा 60/63 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई करने वाली टीम में जीआरपी प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ मिश्र, उपनिरीक्षक हरिओम सहित जीआरपी और आरपीएफ के जवान शामिल रहे।

कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले की तैयारियों का एसपी ने लिया जायजा, सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देश

समाज जागरण

संभल।पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी द्वारा आगामी कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत थाना रजपुरा क्षेत्रान्तर्गत स्थित सिसौना डांडा घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा घाट एवं मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन, भीड़ प्रबंधन तथा पुलिस बल की तैनाती आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। घाट पर भीड़ को नियंत्रित रखने, आवागमन सुचारू बनाए रखने



तथा किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सतर्कता बरती जाए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, क्षेत्राधिकारी यातायात स्तुति सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा मेले के दौरान पूरी मुस्तैदी एवं सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए गए, जिससे कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेले को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जा सके।

बढ़ापुर में दो बच्चों की संदिग्ध मौत पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

एसीएमओ डॉ. विशाल दिवाकर ने रात्रि में ही भेजी मेडिकल टीम, विषाक्त फली से बचने की दी सलाह

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नगीना ।बढ़ापुर क्षेत्र में दो बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु की सूचना मिलते ही उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नगीना प्रभारी डॉ. विशाल दिवाकर ने अत्यधिक संवेदनशीलता और प्रशासनिक तत्परता का परिचय देते हुए रात्रि में ही त्वरित कार्रवाई कर एक विशेष मेडिकल टीम गठित की और उसे तत्काल मौके पर रवाना किया। डॉ. विशाल दिवाकर के कुशल निर्देशन और डॉ. माज जलील के नेतृत्व में पहुंची इस मुस्तैद टीम में शामिल मदन सिंह रावत, फार्मासिस्ट अनमोल सिंह, जैनेंद्र सिंह, अभिषेक कुमार व रेखा देवी ने देर रात ही क्षेत्र में पहुंचकर पीड़ित परिजनों और पड़ोसियों से गहनता से संवाद कर पूरे घटनाक्रम के तथ्य जुटाए। टीम की पड़ताल में यह जानकारी सामने आई कि पहली बच्ची चाहत की मृत्यु 19 तारीख को हो गई थी, जबकि दूसरी बच्ची माही नूर को तबीयत बिगड़ने पर पहले धामपुर स्थित पाल हॉस्पिटल पर ले जाया गया था किंतु दुर्भाग्यवश 20 तारीख की सुबह लगभग 11:00 बजे बिजनौर ले जाते समय रास्ते में ही उसने भी दम तोड़ दिया। जिसके उपरांत दोनों पीड़ित परिवारों ने किसी भी प्रकार की कानूनी व पोस्टमार्टम कार्रवाई से इनकार करते हुए शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। शुक्रवार शाम तीसरी बच्ची सादिका को शाम करीब 6 बजे गंभीर अवस्था में सीएचसी नगीना लाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बिजनौर तथा वहां से मेरठ के लिए रेफर किया। स्वास्थ्य विभाग की इस त्वरित जांच के दौरान यह महत्वपूर्ण तथ्य उजागर हुआ कि दोनों बच्चों को उल्टी व तेज पेट दर्द की शिकायत हुई थी, जो संभवतः किसी विषाक्त पदार्थ या जंगली जहरीली फली के सेवन के कारण उत्पन्न हुई थी। जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दशार्ते हुए चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विशाल दिवाकर ने इस गंभीर विषय पर आमजन को जागरूक करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसी विषाक्त कसौंदी की फलियों के सेवन से शरीर के प्रमुख अंगों जैसे लिवर, किडनी और मस्तिष्क पर अत्यंत घातक प्रभाव पड़ता है, जिससे मल्टी-ऑर्गन डिसऑर्डर होकर व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्व में भी इस संबंध में कई बार व्यापक जागरूकता अभियान चलाए गए हैं, लेकिन इस दुखद घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उन्होंने पुनः समस्त क्षेत्रवासियों से पुरजोर अपील की है कि कहीं भी ऐसी संदिग्ध या जंगली फली दिखाई देने पर उसे न तो छुएं, न तोड़ें और न ही बच्चों को उसके पास जाने या खाने दें, साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की उच्च स्तरीय सक्रियता के तहत अब जिला स्तर से भी एक विशेष जांच टीम गठित कर बढ़ापुर भेजी जा रही है।

मस्जिद को दो दुकानें और मदरसे को 800 गज आरजी का किया दान

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

नगीना। गुरबत का दंश झेल चुके मौ शहिद अंसारी ने मस्जिद को दो दुकानें और मदरसे को 800 गज आरजी दान दी, जिसकी कीमत 80 लाख रुपए है, शहिद की गांव के अलावा क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है। थाना क्षेत्र नगीना कोतवाली मार्ग स्थित ग्राम रामपुरदास उर्फ पटपडा नि० बुजुर्ग मोहम्मद शाहिदअंसारी पुत्र अब्दुल अजीज अंसारी ने बताया कि उन्होंने गरीबी और गुरबत भरे वे दिन जिए हैं कल्पना भी नहीं कर सकते लेकिन उन्होंने नेक नीति ईमानदारी और कडी मेहनत का दामन कभी नहीं छोड़ा, उन्होंने बताया कि उनके तीन बेटे और बेटिया है, सभी कि शादियां कर चुके हैं। तीनों ही बैठे अहमदाबाद गुजरात में अपनी बेकरियां चला रहे है। और तीनो बेटों



के अपने मकान बने हैं। हम दोनों पति-पत्नी भी उन्ही के पास रहते है, अपने गांव में भी आतै रहते है। उन्होंने बताया कि उनकी पुस्तेनी हवेली है जिसमें तीन दुकान तीन उनमें से दो दुकाने जिनकी कीमत 25 लाख रुपए है गांव की नूरानी मस्जिद को और उनके पुस्तक हवेली के पास बने जियाउल - उलूम मदरसे के पास खाली पड़ी 800 गज भूमि जिसकी कीमत 50 से 60 लाख रुपए मूल्य कि है दान कर दी है। उन्होंने बताया के यह कार्य करने से उनको बहुत खुशी और मन को शांति मिली है। मोहम्मद शहिद अंसारी के इस कार्य की गांव मे ही नहीं सभी ग्रामीण क्षेत्रों और नगर क्षेत्र मे भी मुस्लिम समाजम भूरी भूरी पशंसा हो रही है। लोग कह रहे हैं कि महंगाई के इस दौर में बेटा मां बाप को रोटी तक नहीं दे पा रहा, और मोहम्मद शहिदअसारी ने 70 से 80 लाख रुपए मूल्य की दो दुकान और 800 गज जमीन मस्जिद और मदरसे को दान कर दी। यह शाहिद अंसारी के जीवन का सबसे बड़ा पुण्य भरा कार्य है।

हिन्दू युवा वाहिनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की माता को दी श्रद्धांजलि

समाज जागरण

बागपत। हिंदू युवा वाहिनी जनपद बागपत के कार्यालय, कृष्णा मार्केट बड़ौत में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माताजी सावित्री देवी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर पूज्य माताजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुए शोक संवेदनाएं प्रकट की। इस अवसर पर हिंदू युवा वाहिनी के जिला प्रभारी आलोक शास्त्री ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मां जैसी इस संसार में कोई दूसरी वस्तु नहीं है। मां का प्यार, दुलार, ममता और आशीर्वाद ऐसा होता है, जिसकी तुलना संसार में किसी से नहीं की जा सकती। मां तो मां होती है, उसकी उपमा देने के लिए हर उपमा अधूरी रह जाती है। जब किसी व्यक्ति के सिर से मां का साया उठ जाता है, तो उसके जीवन से ममता, वात्सल्य और निःस्वार्थ प्रेम की एक अनमोल छाया चली जाती है। मां के स्नेह और आशीर्वाद की कमी



जीवनभर महसूस होती रहती है। उन्होंने पूज्य माताजी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं उनके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पूर्व क्षेत्रीय मंत्री सचिन जैन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पूज्य माता सावित्री देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा इस दुःख की घड़ी में मुख्यमंत्री और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। हिंदू युवा वाहिनी के जिला सह प्रभारी योगेंद्र वैदिक, जिला अध्यक्ष संजीव तोमर एवं जिला संगठन महामंत्री अमित सरोहा ने भी पूज्य माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। श्रद्धांजलि सभा में मोनू स्वामी, पंकज गांगनोली, मोहित उपाध्याय, सतपाल कश्यप, मनोज कटारिया, रवि कश्यप, अरविंद खोखर, उमेश कश्यप, मनमोहन जिंदल, आकाश शर्मा, अर्पित त्यागी, राजीव कुमार, सोनू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी उपस्थित कार्यकताओं ने पूज्य माता सावित्री देवी जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

बली गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर, 450 से अधिक मरीजों की हुई जांच

समाज जागरण

बागपत। स्वर्गीय चौधरी श्योलाल सिंह एवं स्वर्गीय सोना देवी की पुण्यतिथि तथा समाजसेवी स्वर्गीय डॉ सुरेंद्र कुमार की पावन स्मृति में रविवार, 22 नवंबर को बली गांव में निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर चौधरी श्योलाल सिंह मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें 450 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने मरीजों को चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। डॉ विपिन सिंह (एमडी मेडिसिन) सहित विभिन्न चिकित्सकों ने सामान्य चिकित्सा, नेत्र जांच, ईएनटी (कान, नाक एवं गला), हड्डी एवं जोड़ों संबंधी समस्याओं के लिए मरीजों की जांच की। शिविर में गुरु तेग बहादुर अस्पताल तथा सरोदय अस्पताल से



जुड़े चिकित्सकों सहित अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर के दौरान ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं। वहीं नेत्र जांच के बाद जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मे भी उपलब्ध कराए गए, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिली। शिविर का आयोजन ट्रस्ट के संस्थापक एवं आयोजक डॉ रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में किया गया। ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2013 से निरंतर स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं जनसेवा के कार्य किए जा रहे हैं। स्वर्गीय डॉ सुरेंद्र कुमार द्वारा शुरू की गई सेवा और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाते हुए ट्रस्ट प्रत्येक वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा शिविर आयोजित कर जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। आयोजकों ने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही दिवंगत आत्माओं के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। शिविर को सफल बनाने में चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों, ट्रस्ट के सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा। ट्रस्ट की ओर से सभी चिकित्सकों, सहयोगियों एवं शिविर में पहुंचे ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया गया।

खेलों को बढ़ावा देना, युवाओं को आगे बढ़ाना

समाज जागरण

बागपत। पुराना कस्बा बागपत में जमीयत उलेमा-ए-हिंद यूथ विंग की ओर से आयोजित क्रिकेट टूनामेंट का शुभारंभ हुआ। टूनामेंट का उद्घाटन समाज सुधारक डॉ. शकील अहमद ने किया। पहले मैच की शुरूआत बागपत व



बिलौचपुरा की टीम के बीच हुई। दोनों टीम के कप्तानों की सहमति से सिक्का हवा में उछालकर टॉस किया गया। जिसमें बिलौचपुरा की टीम के कप्तान शावेज ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला किया। बागपत की टीम की ओर से जावेद कप्तान की भूमिका में रहे। डॉ. शकील अहमद ने जमीयत उलेमा के जिला सेक्रेटरी हाफिज काशिम को साथ लेकर मैदान में पहुंचकर पूरी टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की तथा उनके प्रयासों की सराहना करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया।यह टूनामेंट 21 से 29 नवंबर तक चलेगा तथा 29 नवंबर को फाइनल मुकाबला आयोजित होगा, जिसमें विजेता टीम को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया जाएगा। खेल युवाओं में अनुशासन, भाईचारा, एकता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। ऐसे शानदार आयोजन के लिए आयोजक कमेटी और सभी सहयोगियों में कारी अतीक, मुफ्ती इनाम, हाजी यासीन, जिशान हयात नेता आजाद समाज पार्टी, बब्बू सिद्दीकी, सगीर ठेकेदार व भारी संख्या में क्रिकेट प्रेमी व युवा उपस्थित रहे।

कुएं में फांसी के फंदे पर लटका मिला अज्ञात युवक का शव, नहीं हुई शिनाख्त

-मृतक के शरीर पर अंडरवियर के अलावा नहीं थे कोई कपड़े, उम्र 30 से 35 वर्ष बताई

-खेतों पर जा रहे किसानों ने कुएं में शव देखकर पुलिस को दी सूचना

समाज जागरण

बागपत। खेकड़ा क्षेत्र के बसी गांव में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब खेतों की ओर जा रहे किसानों को एक कुएं में युवक का शव फांसी के फंदे पर लटका दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाया। काफी प्रयासों के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए बागपत भेज दिया। रविवार सुबह बसी गांव के कुछ किसान खेतों की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर कुएं में लटके युवक के शव पर पड़ी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी आशीष पुंडीर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया। मृतक के शरीर पर अंडरवियर के अलावा कोई कपड़ा नहीं था। पुलिस ने आसपास के ग्रामीणों को बुलाकर शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन घंटों की मशक्कत के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। कोतवाली प्रभारी आशीष पुंडीर ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष के बीच है। उसके शरीर पर चोट का कोई स्पष्ट निशान नहीं मिला है। गले पर फंदे का निशान है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मृतक की शिनाख्त होने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

तीन स्वर्ण पदक जीतकर वैष्णवी यादव बनीं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, बागपत का बढ़ाया मान

-जैवलिन थ्रो, गोला फेंक और लंबी कूद में हासिल किया स्वर्ण पदक

-उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार की खेल प्रतियोगिता में 800 खिलाड़ियों ने लिया भाग

-कोणार्क विद्यापीठ खेकड़ा की कक्षा नौ की छात्रा हैं वैष्णवी

समाज जागरण

बागपत। प्रतिभा और मेहनत के दम पर खेकड़ा की बेटी वैष्णवी यादव ने खेल के मैदान में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीत लिए। लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार की खेल प्रतियोगिता में वैष्णवी ने जैवलिन थ्रो, गोला फेंक और लंबी कूद में स्वर्ण



पदक हासिल किया। इसके साथ ही उन्हें 15 वर्ष तक की बालिका वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (बेस्ट एथलीट गर्ल) के खिताब से भी नवाजा गया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय और क्षेत्र में खुशी की लहर है। वैष्णवी यादव कोणार्क विद्यापीठ खेकड़ा में कक्षा नौ की छात्रा हैं। उनके पिता संदीप यादव लखनऊ पुलिस लाइन में मुख्य आरक्षी के पद पर तैनात हैं। वैष्णवी का जन्म 8 अगस्त 2012 को हुआ है। उन्होंने अंडर-12 से 15 बालिका वर्ग में प्रतिभाग करते हुए तीनों खेल स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। लखनऊ में 21 और 22 नवंबर को 35वीं वाहिनी के स्पोर्ट्स सिंथेटिक ट्रैक पर आयोजित इस प्रतियोगिता में पूरे उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार के करीब 800 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। रविवार को उत्तर प्रदेश पुलिस के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने प्रतियोगिता का समापन किया। इस दौरान वैष्णवी को तीन स्वर्ण पदक और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब मिलने पर सम्मानित किया गया। वैष्णवी की इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जन्मदिन पर बांटे गए कंबल

समाज जागरण

बागपत। उत्तर प्रदेश रेड क्रॉस की अध्यक्ष महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के जन्मदिन पर बागपत जिला रेड क्रॉस समिति के सचिव अभिमन्यु गुप्ता ने अपने प्रतिष्ठान पर 51 गरीबों को कंबल वितरित किए।कंबल पाकर



स्त्री-पुरुषों ने आनंदीबेन पटेल के दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं और आशीष दिया। इस अवसर पर रेड क्रॉस के कोषाध्यक्ष डॉक्टर मयंक गोयल ने कहा कि कंबल सचिव अभिमन्यु गुप्ता ने अपनी ओर से वितरित किए हैं। रेड क्रॉस समिति उनका आभार व्यक्त करती है।

धूमधाम से मनाई मुलायम सिंह यादव की 87 वीं जयंती , केक काटकर किया नमन

-अखिल भारतीय यादव महासभा ने धरती पुत्र को याद कर दी श्रद्धांजलि

-किसानों, मजदूरों और कमजोर वर्गों के हितों में उनके योगदान को किया याद

समाज जागरण

बागपत। देश के पूर्व रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की 87वीं जयंती रविवार को खेकड़ा कस्बे में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अखिल भारतीय यादव महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल



भारतीय यादव महासभा के तत्वावधान में अध्यक्ष आनंद यादव के आवास पर किया गया। इस दौरान केक काटकर जयंती मनाई गई। वक्ताओं ने मुलायम सिंह यादव के राजनीतिक और सामाजिक योगदान को याद करते हुए उन्हें किसानों, मजदूरों और कमजोर वर्गों का हितैषी बताया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपने सार्वजनिक जीवन में समाज के वंचित और कमजोर तबकों के हितों को प्राथमिकता दी। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महासभा के प्रदेश सचिव विजयपाल यादव, सचिव राजेंद्र यादव, पूर्व सभासद राजेंद्र यादव, मूलचंद यादव, संजीव यादव, सोरण यादव, सुखबीर यादव, जगपाल यादव, डॉ जितेंद्र यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अर्घ्य समर्पित कर किया प्रभु का पूजन

-पारस प्रभु अतिशय क्षेत्र बड़ागांव में उमड़े जैन श्रद्धालु

-त्रिलोक भूषण महाराज ने आत्मकल्याण और सम्यक ज्ञान का दिया संदेश

समाज जागरण

बागपत। खेकड़ा क्षेत्र के बड़ागांव स्थित पारस प्रभु अतिशय क्षेत्र में चल रहे सिद्धचक्र महामंडल विधान में रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ 256 अर्घ्य समर्पित कर प्रभु का पूजन किया गया। इंद्र-इंद्राणियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आरती की। इस दौरान जैन संत त्रिलोक भूषण महाराज ने श्रद्धालुओं को आत्मकल्याण, सम्यक ज्ञान और मन की स्थिरता का संदेश दिया। विधान का शुभारंभ सुबह सात बजे भगवान के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। इसके बाद आठ बजे पूजन प्रारंभ किया गया।इंद्र-इंद्राणियों ने 256 अर्घ्य समर्पित कर प्रभु की आराधना की। पंडित ब्रह्मचारी ने मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराईं। जैन संत त्रिलोक भूषण महाराज ने विधान के पात्रों और



श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। महाराज ने प्रवचन में कहा कि प्रत्येक जीव की आत्मा में आनंद का झरना बह रहा है, लेकिन मनुष्य बाहरी संसार में सुख की तलाश में भटकता रहता है। तन का रोग, मन का भोग और आत्मा का शोक जीव को निरंतर दुखी करते हैं। सम्यक ज्ञान के अभाव में मनुष्य अपने दुखों का वास्तविक कारण नहीं समझ पाता। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है। गुरु की संगति और धर्म आराधना का अवसर बार-बार नहीं मिलता। इसलिए एक पल भी व्यर्थ गंवाए बिना मन को स्थिर और व्यवस्थित कर आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। विधान में बड़ी संख्या में जैन समाज की महिलाएं और श्रद्धालु शामिल रहे।

मच्छरों के प्रकोप से बेहाल हुए खादर क्षेत्र के ग्रामीण , फॉगिंग की मांग

समाज जागरण

बड़ौत। यमुना नदी के किनारे बसे जागौश, शबगा, कोताना, खेड़ी प्रधान गांव में मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। यमुना नदी के पास अधिक पानी न होने के कारण जगह-जगह गंदा पानी भरा हुआ है। इसी गंदे पानी में मच्छर पनपते हैं, जो रात के समय गांव में घुस जाते हैं ग्रामीणों का कहना है कि मच्छर इतने मोटे दिखाई देते हैं, जितनी मोटी मक्खी होती है। मच्छर का डंक लगते ही व्यक्ति तिलमिला जाता है। इतने जहरीले मच्छर यमुना खादर क्षेत्र में पनप रहे हैं कि इन मच्छरों ने लोगों को रुला कर रख दिया है। मच्छरों के प्रकोप से लोग बीमारी की चपेट में भी आने लगे हैं।कोताना के समाजसेवी शिवा जाटव, तेजवीर सिंह, मोनू कुमार, कृष्ण कुमार, बालेश्वर प्रजापति, मिंटू कुमार,



जागौश गांव के बीडीसी सदस्य राकेश कश्यप, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लवकुश शर्मा, सोनू शर्मा, मोहित कुमार शर्मा, सत्यदेव शर्मा, पूर्व प्रधान राजकुमार त्यागी, पूर्व प्रधान ईश्वर सिंह आदि लोगों ने मच्छरों से निजात दिलाए जाने की मांग को लेकर गांव में फॉगिंग करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मच्छर तभी मर सकते हैं, जब जहरीली गैस के धुएं की फॉगिंग होगी। लगातार दो दिन तक फॉगिंग कराए जाने की मांग की गई है। इस संबंध में जब सीएचसी अधीक्षक विजय कुमार गर्ग से बात की गई तो उनका कहना है कि अगर ग्रामीण क्षेत्र से फॉगिंग किए जाने की मांग लिखित में आती है तो ग्रामीण क्षेत्र में फॉगिंग कराई जाएगी। शिकायत मिलते ही तुरंत एक्शन लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के निधन पर शोक व्यक्त किया

समाज जागरण

बड़ौत। बदरखा गांव में विश्व हिंदू महासंघ बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। उन्होंने कहा कि माता जी के चले जाने से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार को बड़ा झटका लगा है। उनके निधन से आज पूरे देश में शोक की लहर है। विश्व हिंदू महासंघ बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ द्वारा 2 मिनट का मौन धारण कर माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर शोक प्रकट करते हुए शौकेंद्र खोखर बदरखा ने कहा कि मां का दर्जा एक ऐसा दर्जा होता है जो परिवार के सभी सदस्यों को रुला देता है। मां ही एक ऐसी मातृ शक्ति है जो बचपन से लेकर



बड़े होने तक बच्चों को लाड़-प्यार करती है। मां का आशीर्वाद हमेशा बच्चों के सिर के ऊपर होता है। मां की तुलना संसार में कोई नहीं कर सकता। मां तो मां होती है। उनकी कृपा पूरे परिवार पर बनी रहती है।इस मौके पर विश्व हिंदू महासंघ बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा अपने गांव में मीडिया से रूबरू होते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के निधन पर गहरा दुख प्रकट कर रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के निधन पर शोक व्यक्त किया

समाज जागरण

बड़ौत। बदरखा गांव में विश्व हिंदू महासंघ बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माता सावित्री देवी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। उन्होंने कहा कि माता जी के चले जाने से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार को बड़ा झटका लगा है। उनके निधन से आज पूरे देश में शोक की लहर है। विश्व हिंदू महासंघ बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ द्वारा 2 मिनट का मौन धारण कर माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर शोक प्रकट करते हुए शौकेंद्र खोखर बदरखा ने कहा कि मां का दर्जा एक ऐसा दर्जा होता है जो परिवार के सभी सदस्यों को रुला देता है। मां ही एक ऐसी मातृ शक्ति है जो बचपन से लेकर बड़े होने तक बच्चों को लाड़-प्यार करती है। मां का आशीर्वाद हमेशा बच्चों के सिर के ऊपर होता है। मां की तुलना संसार में कोई नहीं कर सकता। मां तो मां होती है। उनकी कृपा पूरे परिवार पर बनी रहती है।इस मौके पर विश्व हिंदू महासंघ बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शौकेंद्र खोखर बदरखा अपने गांव में मीडिया से रूबरू होते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के निधन पर गहरा दुख प्रकट कर रहे थे।

कण्डेला पहुंचे एसडीएम शिवाजी यादव, एसएसआर कार्यों का किया निरीक्षण

-विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान के तहत रविवार को तहसील क्षेत्र में लगाए गए स्पेशल कैम्प, एसडीएम ने बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों से जानी निर्वाचन कार्यों की प्रगति

-समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

समाज जागरण

कैराना। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान के तहत चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में रविवार को एसडीएम शिवाजी यादव ने कैराना ब्लॉक क्षेत्र के गांव कण्डेला में पहुंचकर चौधरी मानसिंह राजकीय इंटर कॉलेज परिसर स्थित मतदान केंद्र पर चल रहे निर्वाचन कार्यों का निरीक्षण किया। यहां लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों के लिए बूथ संख्या 351, 352 और 353 निर्धारित हैं। एसडीएम ने मौके पर मौजूद बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों से अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्वाचन संबंधी अभिलेखों एवं कार्यों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, सभी संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करते हुए निर्धारित समयावधि में कार्य पूरा करें, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न हो सके। एसडीएम ने गांव शेखूपुरा में लगाए गए विशेष शिविर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान पर्यवेक्षक विजय शर्मा, बीएलओ प्रदीप कुमार, बिजेंद्र कुमार, वीका मलिक तथा जनगणना पर्यवेक्षक एवं लेखपाल अनुराग पंवार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। -वोट बनवाकर लोकतंत्र की मजबूती में भागीदारी सुनिश्चित करें युवाः एसडीएम एसडीएम शिवाजी यादव ने युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे युवा, जिन्होंने 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, वे अपना वोट अवश्य बनवाएं और लोकतंत्र की मजबूती में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का

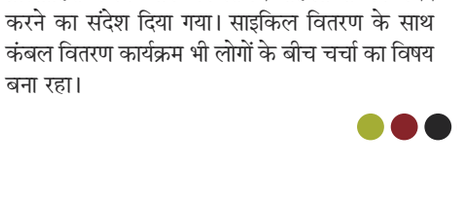


महत्वपूर्ण अधिकार है। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता बनने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान का लाभ उठाते हुए निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने का आह्वान किया। एसडीएम ने कहा कि युवा वर्ग लोकतंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सभी पात्र युवा जागरूक होकर अपना पंजीकरण कराएं, ताकि आगामी चुनावों में वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। वहीं, तहसीलदार अमन कुमार ने भी गांव झाड़खेड़ी सहित क्षेत्र के अन्य गांवों में पहुंचकर एसएसआर अभियान के तहत लगाए गए शिविरों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविरों में चल रहे निर्वाचन कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारियों के निरीक्षण से निर्वाचन कार्यों में लगे कर्मचारियों में सक्रियता बनी हुई है। पात्र युवाओं के पंजीकरण के लिए भरे गए फॉर्म, संशोधन के आवेदन भी लिए रविवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस के दौरान तहसील क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर बीएलओ ने प्रारूप मतदाता सूची के माध्यम से नागरिकों के नामों का सत्यापन किया। जिन पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं थे, उनसे फॉर्म-6 भरवाकर नए पंजीकरण के आवेदन प्राप्त किए गए। वहीं, मतदाता सूची में नाम, पता एवं अन्य विवरणों में संशोधन के लिए फॉर्म-8 तथा अपात्र एवं मृतक मतदाताओं के नाम हटाने और नामों को लेकर आपत्तियां दर्ज कराने के लिए फॉर्म-7 के आवेदन प्राप्त किए गए। शिविरों में विशेष रूप से युवाओं एवं महिलाओं को मतदाता सूची में शामिल करने पर जोर दिया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 93 मरीजों का हुआ उपचार

समाज जागरण

बागपत। खिदमत-ए-खल्क ट्रस्ट एवं रामा हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 93 मरीजों को उपचार मिला, वहीं करीब 100 जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा एवं दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।रविवार को खिदमत-ए-खल्क ट्रस्ट, गौरिपुर मोड़, निवाड़ा, बागपत द्वारा रामा हॉस्पिटल, बागपत के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रामा हॉस्पिटल की ओर से नेत्र रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन एवं अन्य आवश्यक चिकित्सकीय स्टाफ ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सा शिविर में रामा हॉस्पिटल की पूरी टीम का सफल नेतृत्व मोहित तोमर ने किया। चिकित्सकों द्वारा कुल 93 मरीजों की ओपीडी की गई तथा मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। शिविर के माध्यम से लगभग 100 जरूरतमंद एवं बीमार लोगों को उचित चिकित्सकीय परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया गया। खिदमत-ए-खल्क ट्रस्ट



की ओर से खुशी जाहिर की गई कि शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी राहत पहुंचाने का अवसर मिला। ट्रस्ट का उद्देश्य समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और जनकल्याण के कार्यों में निरंतर योगदान देना है। ट्रस्ट के अध्यक्ष मुफ्ती शोएब आलम ने बताया कि ट्रस्ट की पूरी टीम की मेहनत, समर्पण एवं रामा हॉस्पिटल के चिकित्सकों और उनकी टीम के अनुभव व सहयोग से चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने अस्पताल की पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजसेवा के ऐसे कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

राहुल अवाना के कार्यक्रम में उमड़ी भीड़, मेधावी छात्राओं को साइकिल और महिलाओं को किए कंबल वितरित

समाज जागरण

बागपत। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती के अवसर पर बागपत विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक सरोकार से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। बागपत विधानसभा से संभावित प्रत्याशी राहुल अवाना के सौजन्य से आयोजित कार्यक्रम में मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरित की गईं, जबकि जरूरतमंद महिलाओं को कंबल बांटे गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम के दौरान मेधावी छात्राओं को साइकिल वितरित कर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वहीं जरूरतमंद महिलाओं को सर्दी से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबल वितरित किए गए। हालांकि कंबल वितरण के दौरान अव्यवस्था का माहौल भी देखने को मिला। कंबल लेने के लिए महिलाओं के बीच छीना-झपटी शुरू हो गई। कई महिलाएं एक-दूसरे से कंबल छीनती नजर आईं। कंबल पाने की होड़ में कार्यक्रम स्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई। राहुल अवाना के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई और स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती को सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के रूप में मनाने की पहल की गई। आयोजन के माध्यम से छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और जरूरतमंद महिलाओं की मदद करने का संदेश दिया गया। साइकिल वितरण के साथ कंबल वितरण कार्यक्रम भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण में खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र
200 रुपये रोज में।

डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की जयंती पर पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

कनारसी गांव में आयोजित समारोह में स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण में उनके योगदान को किया याद, सपा पर भी साधा निशाना

समाज जागरण/संदीप गर्ग

जेवर। ग्राम कनारसी में महान स्वतंत्रता सेनानी, संविधान सभा के सदस्य और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. रत्नप्पा कुम्हार की 117वीं जयंती पर रविवार को समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने डॉ. कुम्हार के स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान निर्माण में योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने



की आवश्यकता बताई।

समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रही है और वर्ष 2045 तक भी प्रदेश की सत्ता में आने की उसकी संभावना नहीं है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि महापुरुषों के विचारों को अपने आचरण में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक समरसता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. महेश शर्मा, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, दादरी विधायक तेजपाल नागर और भाजपा के अन्य पदाधिकारी तथा सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपा ने किया हवन-पूजन और भंडारा

सेक्टर-53 स्थित महानगर कार्यालय में जुटे पदाधिकारी और कार्यकर्ता, नेताजी के विचारों पर चलने का लिया संकल्प

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपा नोएडा महानगर संगठन की ओर से सेक्टर-53 स्थित महानगर कार्यालय में हवन-पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की, जबकि संचालन महानगर महासचिव विकास यादव ने किया। डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपना जीवन किसानों, मजदूरों, गरीबों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित किया।

पार्टी नेताओं ने कहा कि नेताजी के विचारों और सिद्धांतों



पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर कार्यकताओं ने समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वीर सिंह यादव, सूबे यादव, ठाकुर बबलू चौहान, गौरव कुमार यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेक्टर-105 का सेंट्रल पार्क बना हरियाली की मिसाल, उद्यान विभाग के कर्मचारियों की मेहनत को आरडब्ल्यूए ने सराहा

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा- माली केवल पौधे नहीं लगाते, बल्कि शहरवासियों के जीवन में सुकून और खुशियां भी रोपते हैं; सेक्टरवासियों से पार्क की स्वच्छता और हरियाली बनाए रखने की अपील

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। कंक्रीट के बढ़ते जंगलों और तेजी से बदलती शहरी जीवनशैली के बीच नोएडा के सेक्टर-105 स्थित सेंट्रल पार्क ने हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता की अलग पहचान बनाई है। पार्क के बेहतर रखरखाव, सुंदरता और हरियाली के पीछे नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की मेहनत तथा समर्पण को देखते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने उनकी सराहना की है। उन्होंने उद्यान विभाग की पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कर्मचारियों की मेहनत ने पार्क को सेक्टरवासियों के लिए सुकून और आकर्षण का केंद्र बना दिया है।

दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा कि जब सुबह अधिकांश लोग अपने घरों में होते हैं, उस समय उद्यान विभाग के कर्मचारी पार्कों की देखभाल और हरियाली को संवारने में जुट जाते हैं। सेंट्रल पार्क की हरी घास, रंग-बिरंगे फूल, घने पेड़ और स्वच्छ वातावरण इन मेहनतकश कर्मचारियों के समर्पण का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि ये कर्मचारी केवल पौधे नहीं लगाते, बल्कि शहरवासियों के जीवन में



शुद्ध हवा, स्वास्थ्य और खुशियों का संचार करते हैं।

उन्होंने कहा कि सेक्टर-105 का सेंट्रल पार्क आज ऐसा साझा स्थान बन गया है, जहां दिनभर की व्यस्तता और थकान के बाद लोग सुकून के कुछ पल बिताते हैं। सुबह पार्क में टहलने आने वाले बुजुर्गों को यहां शांति मिलती है, वहीं शाम के समय बच्चों की चहल-पहल और उनकी हंसी पार्क की रौनक बढ़ाती है। किसी भी रिहायशी क्षेत्र की पहचान केवल इमारतों और सड़कों से नहीं होती, बल्कि वहां मौजूद हरे-भरे पार्क और सार्वजनिक स्थल उसे बेहतर आवासीय क्षेत्र बनाते हैं।

धूप और बारिश में मेहनत करने वाले मालियों को दिया श्रेय

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग के अधिकारियों से लेकर मैदान में काम करने वाले प्रत्येक माली और कर्मचारी की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि धूप, बारिश और बदलते मौसम के बीच ये कर्मचारी बिना किसी प्रचार या प्रशंसा की अपेक्षा के प्रकृति को संवारने में लगे रहते हैं। उनका यह कार्य सराहनीय है और समाज को भी ऐसे कर्मयोगियों के योगदान को पहचानना चाहिए।

पार्क को अपनी संपत्ति समझकर करें देखभाल

दिव्य कृष्णात्रेय ने सेक्टर-105 के सभी निवासियों से अपील की कि वे सेंट्रल पार्क को केवल सरकारी संपत्ति न समझें, बल्कि इसे अपने घर के आंगन और परिवार का अभिन्न हिस्सा मानें। पार्क की स्वच्छता बनाए रखें, पौधों को नुकसान न पहुंचाएं और हरियाली की सुरक्षा में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक पार्क किसी भी शहर की सुंदरता के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उद्यान विभाग और सेक्टरवासी मिलकर सेंट्रल पार्क की सुंदरता और हरियाली को इसी तरह बनाए रखेंगे।

अधिवक्ता अलका उपमन्यु बनीं एमएसीटी की आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष

"कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच और निस्तारण की संभालेंगी जिम्मेदारी"

प्रवीण मिश्रा समाज जागरण

मथुरा। कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी), मथुरा ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अधिकरण के पीठासीन अधिकारी राजेश चौधरी ने विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो न्यायालय) अधिवक्ता अलका



उपमन्यु को आंतरिक शिकायत समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

यह नियुक्ति कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम-2013 के प्रावधानों और उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के तहत की गई है। समिति में अध्यक्ष अलका उपमन्यु के साथ आशुलिपिक साधना सक्सेना, सहायक लेखाकार लालचंद और लिपिक घनश्याम सैनी को सदस्य बनाया गया है।

समिति अधिकरण परिसर में महिलाओं से संबंधित यौन उत्पीड़न की शिकायतों की निष्पक्ष जांच और निस्तारण करेगी। अधिवक्ता अलका उपमन्यु की नियुक्ति पर न्यायिक और सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

प्रदेश में 144 पुलिस उपाधीक्षकों के तबादले, मथुरा को मिले चार नए क्षेत्राधिकारी

चार अधिकारियों का दूसरे जिलों में स्थानांतरण, चार नए अधिकारियों को मिली कान्हा नगरी की जिम्मेदारी

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 144 पुलिस उपाधीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। इस फेरबदल में मथुरा जिले को भी चार नए क्षेत्राधिकारी मिले हैं, जबकि यहां तैनात चार अधिकारियों को दूसरे जिलों में भेजा गया है।

स्थानांतरण आदेश के अनुसार भूषण वर्मा को जौनपुर, धर्मेंद्र सिंह को मुरादाबाद, सुमन कनौजिया को आगरा कमिश्नरेट और अनिल कुमार सिंह को बदायूं भेजा गया है। वहीं, आगरा कमिश्नरेट से देवीश सिंह, भदोही से चमन सिंह चावड़ा, कानपुर देहात से राजीव सिरोही और हापुड़ से अनीता चौहान को मथुरा में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा लखनऊ कमिश्नरेट, अयोध्या और अन्य जिलों में भी अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। पुलिस विभाग में इस बदलाव को कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने की प्रशासनिक कवायद के रूप में देखा जा रहा है।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर सपाइयों ने किया नमन, संघर्षों को किया याद

मथुरा-वृंदावन विधानसभा के पार्टी कार्यालय पर हुआ आयोजन, समाजवादी विचारधारा को मजबूत करने का संकल्प

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती मथुरा-वृंदावन विधानसभा स्थित पार्टी कार्यालय पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधानसभा के भावी प्रत्याशी अनिल अग्रवाल ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने अपना पूरा जीवन गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित किया। उनके संघर्ष और समाजवादी विचारधारा से कार्यकताओं को हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी।

सपा नेता रमेश सैनी ने कहा कि नेताजी की सादगी, कर्मठता और जनसेवा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश, पड़ोस युवा संसद में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

टेंटीगांव में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने नशे के दुष्प्रभाव बताए, युवाओं से मतदान करने की भी अपील

समाज जागरण संवाददाता

मांट (मथुरा)। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से टेंटीगांव स्थित श्रीमती किरन देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज में ब्लॉक स्तरीय पड़ोस युवा संसद का आयोजन किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की इकाई मेरा युवा भारत और नेहरू युवा क्लब,



हसनपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य विषयवस्तु 'नशामुक्त युवा, विकसित भारत' रही।

जिला युवा अधिकारी अमित कुमार ने कहा कि नशे की लत युवाओं के व्यक्तिगत जीवन के साथ-साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की।

मांट की स्वीप समन्वयक डॉ. रोली ने कहा कि नशे के कारण विद्यार्थियों की एकाग्रता और स्मरण शक्ति प्रभावित होती है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा पर ध्यान देने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान में भाग लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्रधानाचार्य हरि गोविंद शर्मा ने की। इस अवसर पर डॉ. कृष्णवीर सिंह, मनवीर सिंह, मोनू उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य नागरिक और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ भूमि को लेकर हिंदू महासभा ने उठाई कार्रवाई की मांग

1935 के उच्च न्यायालय के आदेश और विक्रय विलेख का हवाला देकर एसएसपी को सौंपा शिकायत पत्र

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर की 13.37 एकड़ भूमि पर कथित अतिक्रमण और उसके उपयोग को लेकर अखिल भारत हिंदू महासभा ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। संगठन के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और थाना गोविंद नगर के प्रभारी को शिकायत पत्र सौंपकर मामले की जांच कराने तथा आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी और जिला कार्यकारी अध्यक्ष राजवीर दीक्षित के नेतृत्व में सौंपे गए शिकायत पत्र में वर्ष 1935



के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश और ऐतिहासिक विक्रय विलेख का हवाला दिया गया है।

संगठन के पदाधिकारियों का आरोप है कि संबंधित भूमि पर अतिक्रमण और उसके उपयोग को लेकर न्यायालय के आदेशों तथा विक्रय विलेख की शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कराकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

इस दौरान महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने राधाकुंड में देवउठनी एकादशी के अवसर पर आकाशदीप प्रज्वलित किया। वहीं वृंदावन स्थित निमार्णाधीन चंद्रोदय मंदिर के लिए संगठन की ओर से चांदी की सिल्ली भी भेंट की गई।

मथुरा रिफाइनरी में हवाई हमले से बचाव और ब्लैकआउट का अभ्यास

सायरन बजते ही सक्रिय हुईं राहत एवं बचाव टीमें, अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग ने दिखाई तत्परता

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा। आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षा और राहत व्यवस्था की तैयारियों को परखने के लिए रविवार शाम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की मथुरा रिफाइनरी में हवाई हमले से बचाव और ब्लैकआउट की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। नागरिक सुरक्षा विभाग के नेतृत्व में हुए इस अभ्यास में पुलिस, अग्निशमन, स्वास्थ्य विभाग, एसडीआरएफ और रिफाइनरी के कर्मचारियों ने भाग लिया।

अभ्यास के दौरान पहले हवाई हमले की संभावित चेतावनी का पीला संकेत दिया गया। इसके बाद लाल संकेत मिलने पर दो मिनट तक सायरन बजाया गया और लोगों को सुरक्षित आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया। काल्पनिक रूप से बम विस्फोट और आग लगने की परिस्थितियां तैयार की गईं।

इसके बाद हरा संकेत मिलने पर ऑल क्लियर सायरन बजाया गया। राहत एवं बचाव दलों ने आग बुझाने, घायलों को प्राथमिक उपचार देने और गंभीर रूप से घायल लोगों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया।





यह अभ्यास जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार और अपर जिलाधिकारी नंद प्रकाश मौर्य के निर्देशन में संपन्न हुआ। इसमें रिफाइनरी, सीआईएसएफ, नागरिक सुरक्षा और विभिन्न आपातकालीन सेवाओं के अधिकारी तथा कर्मचारी शामिल रहे।

नर्सिंग छात्रों को दिए सफलता के मंत्र, चुनौतियों से मुकाबले के बताए तरीके

टीएमयू के कॉलेज ऑफ नर्सिंग में मानसिक दृढ़ता और तनाव प्रबंधन पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

समाज जागरण संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय (टीएमयू) के कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से स्टूडेंट्स नर्सेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसएनएआई) के सहयोग से ह्यफ्रॉम सर्वाइविंग टू थ्राइविंग : द पावर ऑफ रेजिलिएंसह्न विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि स्वामी रामा हिमालयन विश्वविद्यालय, जॉली ग्रांट, देहरादून के कॉलेज ऑफ नर्सिंग के मानसिक स्वास्थ्य नर्सिंग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ग्रेस मैडोना सिंह ने विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का धैर्य, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ सामना करने के मंत्र दिए।

प्रो. मैडोना ने कहा कि कठिन परिस्थितियां किसी व्यक्ति की यात्रा का अंत नहीं होतीं, बल्कि उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना ही वास्तविक सफलता है। केवल मुश्किलों से गुजरना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनसे उबरकर स्वयं को पहले से अधिक मजबूत बनाना भी जरूरी है। इसके लिए मानसिक दृढ़ता, भावनात्मक संतुलन, आत्म-जागरूकता और सकारात्मक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलता को निराशा का कारण मानने के बजाय उससे सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग पेशे में कई बार तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मरीजों की देखभाल के साथ अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आवश्यक है। मानसिक लचीलापन, परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की क्षमता, समस्या का समाधान खोजने का कौशल और लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता व्यक्ति को विपरीत हालात में भी आगे बढ़ने की शक्ति प्रदान करते हैं।

व्याख्यान के दौरान मानसिक स्वास्थ्य में मानसिक दृढ़ता की भूमिका, तनाव प्रबंधन, असफलताओं से सीखने, भावनात्मक संतुलन, आत्म-जागरूकता तथा व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में मानसिक मजबूती के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। फैकल्टी ऑफ नर्सिंग की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी ने मानसिक दृढ़ता को नर्सिंग पेशे का महत्वपूर्ण गुण बताया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवरों के लिए मानसिक और भावनात्मक रूप से संतुलित रहना बेहद जरूरी है। कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या प्रो. एम. जेसलीन ने विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों और आंतरिक तनाव को पहचानने तथा उनका प्रभावी ढंग से सामना करने का संदेश दिया।

डॉ. संदीप मारवाह फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

भारतीय फिल्म उद्योग के हितों का प्रतिनिधित्व करने के साथ सदस्य संगठनों के बीच सहयोग बढ़ाने की संभालेंगे जिम्मेदारी

समाज जागरण संवाददाता

गोवा। नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक डॉ. संदीप मारवाह फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफ-एफआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वे फेडरेशन के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। उनके निर्वाचन को भारतीय फिल्म और मीडिया जगत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

डॉ. मारवाह मारवाह स्टूडियोज के अध्यक्ष और एएएफटी यूनिवर्सिटी ऑफ मीडिया एंड आर्ट्स के कुलाधिपति भी हैं। उन्हें फिल्म निर्माण, टेलीविजन, मीडिया शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में कई दशकों का अनुभव है। उनके नाम फिल्म, टेलीविजन और मीडिया के क्षेत्र में 13 विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। इसके अलावा उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कारों एवं सम्मानों से नवाजा



जा चुका है। डॉ. मारवाह विश्वभर में 100 फिल्म एवं सांस्कृतिक संगठनों की अध्यक्षता करते हैं। इन संगठनों के माध्यम से वे सिनेमा, कला और संस्कृति को भारत तथा दूसरे देशों के बीच संवाद एवं संबंध मजबूत करने का माध्यम बना रहे हैं। वे भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सलाहकार निकायों में भी अपनी सेवाएं देते हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद डॉ. मारवाह ने फेडरेशन के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया और उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया। नए दायित्व के तहत वे भारतीय फिल्म उद्योग के हितों का प्रतिनिधित्व करेंगे तथा देशभर में फेडरेशन से जुड़े सदस्य संगठनों के बीच आपसी सहयोग और समन्वय को मजबूत करने की दिशा में नेतृत्व प्रदान करेंगे।

नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के बाहर पत्रकारों के लिए स्थान निर्धारित करने की मांग

राष्ट्रीय संगठन रेहड़ी-पटरी संचालक के अध्यक्ष श्याम किशोर गुप्ता ने सीईओ को सौंपा मांग पत्र

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-96 स्थित नए कार्यालय के मुख्य द्वार के बाहर पत्रकारों के बैठने और समाचार संकलन के लिए 10.10 फुट का स्थान निर्धारित करने की मांग उठाई गई है। इस संबंध में राष्ट्रीय संगठन रेहड़ी-पटरी संचालक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक श्याम किशोर गुप्ता ने प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पत्र लिखकर उचित स्थान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि प्राधिकरण कार्यालय में शहर के नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और पत्रकार विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर पहुंचते हैं।

श्री बालाजी धाम डोभ में भव्य संकीर्तन सम्पन्न, पहुंची 116वीं पैदल ध्वजा यात्रा, कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में डूबकर बालाजी महाराज के भजनों का लिया आनंद

रिंकू दीक्षित ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को बनाया भक्तिमय, जबकि रिंकू महादेव द्वारा प्रस्तुत की गई आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी, 22 नवम्बर । भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम, गांव डोभ में रविवार को भव्य संकीर्तन, भंडारा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। धाम के संस्थापक प्रधान श्री पुरुषोत्तम दास बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक रविवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक धाम में संकीर्तन, भंडारा एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। इस दौरान इंद्रजीत भगत द्वारा हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पूर्णिमा के उपलक्ष्य में प्रियंका जांगड़ा, सुरेंद्र अंश, रेखा चोपड़ा, गुलशन खुराना को भजनों की अमृत वर्षा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। प्रधान जी ने बताया कि शिविर में आंखों की जांच, दांतों की जांच, फिजियोथेरेपी एवं मेडिसिन द्वारा उपचार की सुविधा दी जाती है। सभी मरीजों को दवाइयां एवं चश्मे निःशुल्क वितरित किए जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में डूबकर बालाजी महाराज के भजनों का आनंद लिया। विनोद गुप्ता, अमित कौशिक, रिंकू दीक्षित ने मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया, जबकि रिंकू महादेव द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं। प्रत्येक रविवार शनि देव मित्र मंडल, रोहतक एवं अन्य भक्तजनों द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर, भिवानी स्टैंड से श्री बालाजी धाम डोभ तक पैदल ध्वजा यात्रा निकाली जाती है। इस रविवार 116वीं पैदल ध्वजा यात्रा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धाम पहुँची। यात्रा में शामिल श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर जय श्री राम के जयकारों एवं भजनों के साथ झूमते-गाते हुए धाम तक पहुँचे। यात्रा के दौरान तीन स्थानों पर भक्तों के विश्राम एवं जलपान की व्यवस्था की जाती है। पहला पड़ाव खुशबू गार्डन के सामने जगदम्बा ट्रैक्टर हाउस, दूसरा पड़ाव पंचमुखी हनुमान मंदिर और तीसरा पड़ाव जाट चौक डोभ, भिवानी रोड पर रखा जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धाम से वापसी हेतु निःशुल्क ऑटो सेवा भी उपलब्ध करवाई जाती है।

इस अवसर पर पवन सरीन, रमेश गुप्ता, नवीन तनेजा, अशोक भगत, ललित शर्मा, नरेश कौशिक, राजेश गोयल, सुनील निमड़ी, कविता निमड़ी, सोनू, ममता सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संत-महापुरुष किसी एक जाति या वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं : चौधरी धर्मबीर सिंह

कहा- उनके 650वें जयंती वर्ष पर निकाली जा रही समरसता संकल्प यात्रा देशभर में समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश पहुंचाएगी।

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी, 22 नवम्बर । सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि सद्गुरु श्री रविदास जी महाराज की शिक्षाएं सामाजिक समानता, भाईचारे और मानव कल्याण की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने समाज को जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर एकता के साथ रहने का मार्ग दिखाया। रविवार को भिवानी विश्राम गृह में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संत-महापुरुष किसी एक जाति या वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होते हैं। उनके 650वें जयंती वर्ष पर निकाली जा रही समरसता संकल्प यात्रा देशभर में समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश पहुंचाएगी। उन्होंने बताया कि यह यात्रा 18 नवंबर से 3 दिसंबर तक चलेगी। जालंधर के डेरा सचखंड बल्लां से शुरू होकर करीब 2,402 किमी की दूरी तय करते हुए 47 शहरों से गुजरकर वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर में संपन्न होगी। हरियाणा में यह यात्रा 25, 26 और 28 नवंबर को यमुना नगर, अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद और पलवल से गुजरेगी। शेष 15 जिलों से उपयात्राएं भी मुख्य यात्रा में शामिल होंगी। 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र के उमरी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जनसभा को संबोधित करेंगे। 26 नवंबर को सोनीपत के बहालगढ़ में जनसभा होगी। 28 नवंबर को फरीदाबाद में जनसभा के बाद यात्रा पलवल-होडल होते हुए यूपी रवाना होगी। सांसद ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति से हमारे संस्कारों में बदलाव आया है। भाजपा सरकार महापुरुषों के जीवन पर बड़े कार्यक्रम कर रही है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को पता चले। 142 करोड़ की आबादी का देश संतों के आदर्शों को लेकर आगे बढ़े, यही इन यात्राओं का उद्देश्य है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, अशोक बिडलान, राकेश मिश्रा, नितिन भारद्वाज, अंकित पालुवास, वरुण गौड़ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ हरियाणा के युवाओं ने भरी हुंकार, मुख्यमंत्री ने यूथ मैराथन को दिखाई हरी झंडी

समाज जागरण

कालांवाली, 22 नवंबर (सुरेश जोरासिया)। नशामुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ रविवार को सिरसा जिले के कालांवाली में आयोजित यूथ मैराथन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 5 किलोमीटर की दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर उनका उत्साह बढ़ाया। मैराथन के लिए एक लाख 40 हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण करवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे का कारोबार करने वाले या तो अपना धंधा छोड़ दें या हरियाणा छोड़ दें। प्रदेश में नशे के सौदागरों के लिए कोई जगह नहीं है। सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में नशे की गिरफ्त में आए 1 लाख 58 हजार 830 लोगों की पहचान कर उनका उपचार करवाया गया है। नशे के कारोबार से अर्जित 94 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गई हैं तथा 180 संपत्तियां ध्वस्त की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में परिवार, स्कूल, अस्पताल और समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इस बुराई से बचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हॉकी के पूर्व कप्तान सरदार सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

रिंटी सिंगला ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में थामा भाजपा का दामन, विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये की घोषणा

समाज जागरण

कालांवाली 22नवंबर (सुरेश जोरासिया) मैराथन को हरी झंडी दिखाने के पश्चात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रिंटी सिंगला के आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में रिंटी सिंगला अपने समर्थको के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उनका पार्टी में स्वागत किया। रिंटी सिंगला के भाजपा में शामिल होने के दौरान संबोधन के दौरान विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये की राशि देने का ऐलान किया। इस घोषणा से क्षेत्र में सड़क, गलियों, पेयजल, सफाई व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद जताई जा रही है। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों को प्राथमिकता



देने की बात कही। वहीं, रिंटी सिंगला ने भाजपा में शामिल होने पर पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत किया। अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि घोषित एक करोड़ रुपये की राशि से विकास कार्यों को गति मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

बिजनौर में भव्य किसान मेले का आयोजन, ड्रैगन फ्रूट और पैशन फ्रूट की खेती को बढ़ावा देने पर जोर

दैनिक समाज जागरण/शमीम सिद्दीकी

बिजनौर, 22 नवंबर। जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह की अध्यक्षता में विदुर कुटी घाट, दारानगर गंज में जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी-2026 एवं एग्रो क्लाइमेटिक किसान मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप चौधरी ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। मेले में हजारों किसानों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि ने किसानों से गेहूं और सरसों की समय से बुवाई करने तथा जैविक खेती और कृषि यंत्रीकरण अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता



है। जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने और किसानों को नवीन कृषि तकनीकों की जानकारी देने के निर्देश दिए। उन्होंने पराली नहीं जलाने, फसल अवशेषों से जैविक खाद तैयार करने तथा मृदा परीक्षण के बाद ही उर्वरकों का प्रयोग करने पर जोर दिया। गोष्ठी में ड्रैगन फ्रूट, पैशन फ्रूट सहित अन्य फसलों के माध्यम से कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर किसान आदित्य सिंह को कस्टम हायरिंग सेंटर योजना के तहत चार लाख रुपये के अनुदान से ट्रैक्टर की चाबी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, उप कृषि निदेशक डॉ. घनश्याम वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कृषि वैज्ञानिक मौजूद रहे।

तकनीकी शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है, विद्यार्थी मेहनत, लगन और अनुशासन से आगे बढ़ें : गजानंद अग्रवाल

बहल आईटीआई में दीक्षांत समारोह आयोजित, मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



बहल, 22 नवम्बर। बहल स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में शुक्रवार को दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बहल के पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. पवन बिश्नोई ने समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गजानंद अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद प्रधानाचार्य डॉ. पवन बिश्नोई ने संस्थान की वार्षिक उपलब्धियों की जानकारी दी और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तकनीकी शिक्षा आज के समय की जरूरत : गजानंद अग्रवाल

मुख्य अतिथि गजानंद अग्रवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है। आज हर क्षेत्र में कुशल कारीगरों और तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल डिग्री ही काफी नहीं है, बल्कि निरंतर प्रयास, कौशल विकास और व्यवहारिक ज्ञान ही सफलता की असली कुंजी है। जो विद्यार्थी समय का सही उपयोग करेगा और अपने हुनर को निखारेगा, उसे रोजगार के लिए कभी भटकना नहीं पड़ेगा।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

समारोह के दौरान संस्थान के विभिन्न ट्रेडों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे और अभिभावकों में भी खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम में संस्थान का समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य डॉ. पवन बिश्नोई ने मुख्य अतिथि सहित सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

देवउठनी एकादशी पर महिलाओं ने किया तुलसी पूजन, सुख-समृद्धि की कामना के साथ की परिक्रमा

रोहतक गेट पर श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित हुआ धार्मिक कार्यक्रम, बड़ी संख्या में महिलाओं ने लिया भाग

तुलसी का पौधा भारतीय संस्कृति में सेवा, पवित्रता और स्वास्थ्य का जीवंत प्रतीक : बालयोगी चरणदास महाराज

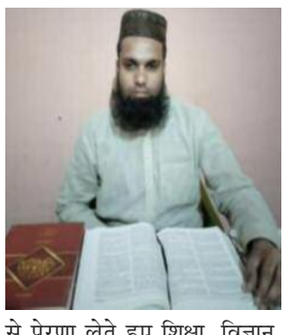
दैनिक समाज जागरण, [[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को भिवानी के रोहतक गेट पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से तुलसी पूजन कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने विधि-विधान से तुलसी माता की पूजा-अर्चना की, दीप प्रज्वलित किए और पौधे की परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। धार्मिक आयोजन में हनुमान जोहड़ी मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज का सान्निध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचीं और भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। सामूहिक आयोजन में महिलाओं की भागीदारी से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। तुलसी भारतीय संस्कृति में सेवा और पवित्रता की प्रतीक : चरणदास महाराज इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महंत बालयोगी चरणदास महाराज ने तुलसी पूजन और परिक्रमा के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलसी केवल एक पौधा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में सेवा, पवित्रता और स्वास्थ्य की जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि देवउठनी एकादशी पर तुलसी पूजन और परिक्रमा की परंपरा घर-परिवार में शांति, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश देती है। तुलसी की सेवा और नियमित पूजा से मन में सात्विकता तथा अनुशासन का भाव विकसित होता है। धार्मिक आयोजनों से मजबूत होता है सामाजिक जुड़ाव महाराज ने कहा कि जब महिलाएं धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में सामूहिक रूप से भाग लेती हैं, तो इससे परिवार और समाज के बीच आपसी जुड़ाव मजबूत होता है। ऐसे आयोजन हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी हैं। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और श्रद्धालुओं ने महाराज के विचारों को सुना। रोहतक गेट पर आयोजित यह सामूहिक तुलसी पूजन धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश देता नजर आया।

मुस्लिम युवाओं का भविष्य भावुकता और निराशा से नहीं, कर्म और उम्मीद से तय होगा: मुफ्ती अतहर शम्सी

समाज जागरण



कैराना। अल कुरआन अकादमी कैराना के निदेशक मुफ्ती मुहम्मद अतहर शम्सी ने कहा कि किसी भी समाज का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी की बौद्धिक क्षमता, नैतिक चरित्र और रचनात्मक ऊर्जा पर निर्भर करता है। आज मुस्लिम युवाओं की आवश्यकता है कि वे भावुकता को रचनात्मक कार्यों में, निराशा को दृढ़ संकल्प में और पिछड़ेपन की भावना को प्रगति की प्रतिबद्धता में बदलें। उन्हें भड़काऊ विमर्श, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और सोशल मीडिया की प्रतिक्रियात्मक संस्कृति से ऊपर उठकर अध्ययन, आलोचनात्मक चिंतन, तार्किक संवाद और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। मुस्लिम समाज को अपनी गौरवशाली बौद्धिक विरासत से प्रेरणा लेते हुए शिक्षा, विज्ञान, उद्यमिता, साहित्य और प्रशासन के क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। मुफ्ती शम्सी ने कहा कि शैक्षिक, धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं को युवाओं के लिए दीर्घकालिक शैक्षिक मार्गदर्शन, नेतृत्व विकास, स्वयंसेवा और कौशल निर्माण के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। मदरसों और अन्य शिक्षण संस्थानों को आधुनिक ज्ञान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा संवैधानिक जागरूकता के साथ अपना जुड़ाव मजबूत करना चाहिए। युवाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्र और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए तथा लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीकों से सामाजिक बदलाव में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी अपनी ऊर्जा नारों, प्रतिक्रियाओं और निराशा में बर्बाद करने के बजाय अपने सवालों को शोध, चिंताओं को संगठित प्रयासों, क्षमताओं को समाजसेवा और आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदले। किसी समाज की वास्तविक प्रगति शिक्षित, आत्मविश्वासी, नैतिक और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण से होती है।

कार्तिक मास में घर-घर गूंज रहा गीता पाठ, श्रद्धालु ले रहे धर्मलाभ

श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार की ओर से प्रतिदिन सुबह-शाम हो रहे धार्मिक आयोजन, स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज का संदेश भी दिया जा रहा

दैनिक समाज जागरण
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी। परम श्रद्धेय गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के आशीर्वाद से श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार, भिवानी की ओर से कार्तिक मास के उपलक्ष्य में निरंतर सुबह और शाम घर-घर जाकर श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार सुबह बांके बिहारी के निवास पर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ गीता जी का पाठ किया गया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के अध्यक्ष नरेश कुमार आहूजा, महासचिव विनोद कुमार छाबड़ा, समिति के सदस्य एवं अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने सामूहिक रूप से गीता पाठ में भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों का स्मरण किया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि कार्तिक मास के दौरान प्रतिदिन स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की ओर से विशेष गीता संदेश भी दिया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान, जीवन मूल्यों और आदर्शों से जोड़ना है।

उन्होंने बताया कि आगामी गीता पाठ का आयोजन रामशरण आश्रम, सेक्टर-13 में शाम 4 बजे से 5:30 बजे तक किया जाएगा। परिवार की ओर से श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर गीता ज्ञान का लाभ लेने का आह्वान किया गया।

भीम स्टेडियम में पीएम श्री स्कूलों की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]



भिवानी। समग्र शिक्षा भिवानी की ओर से पीएम श्री स्कूलों की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन भीम स्टेडियम में किया गया। आयोजन डीपीसी शिव कुमार तंवर के निर्देशन व एपीसी विवेक अदलखा के मार्गदर्शन में हुआ। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक के छात्र-छात्राओं ने 100, 200 व 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक व 4.100 मीटर रिले में भाग लिया।

मुख्य परिणाम इस प्रकार रहे -

200 मीटर दौड़: 9-12 लड़के - अरमान (मीरान) प्रथम, बनित (किरावड़) द्वितीय, अंकुश (मॉडल खुर्द) तृतीय। 6-8 लड़के - मनीष (किरावड़) प्रथम, अंशु (मीरान) द्वितीय, मनीष (लेघां) तृतीय। 9-12 लड़कियां - पूजा (सिवानी मंडी) प्रथम, स्वीटी (भानगढ़) द्वितीय, सुमित (सिवानी मंडी) तृतीय। 6-8 लड़कियां - रश्मि (बवानी खेड़ा) प्रथम, नीति (बजीना) द्वितीय, दीपिका (लेघां) तृतीय। 100 मीटर दौड़:9-12 लड़कियां - अंजू (लोहारू) प्रथम, चंचल (बजीना) द्वितीय, कविता (सिवानी मंडी) तृतीय। 6-8 लड़कियां - दीक्षु (मॉडल खुर्द) प्रथम, वंशिका (मीरान) द्वितीय, नीतिका (बजीना) तृतीय। 9-12 लड़के - सूरज (मीरान) प्रथम, देवेंद्र (मीरान) द्वितीय, प्रीतम (भानगढ़) तृतीय। 6-8 लड़के - कैलाश (मंडोली) प्रथम, पुनीत (किरावड़) द्वितीय, दीपांशु (मीरान) तृतीय। चक्का फेंक (लड़कियां 9-12): गुंजन (बवानी खेड़ा) प्रथम, आशा (बवानी खेड़ा) द्वितीय, सुहाना (भानगढ़) तृतीय। गोला फेंक: लड़के - सूरज (मीरान) प्रथम, हरीश (ढिगावा जाटान) द्वितीय, सुमित (ढिगावा जाटान) तृतीय। लड़कियां - आशा (बवानी खेड़ा) प्रथम, पूजा (सिवानी) द्वितीय, गुंजन (बवानी खेड़ा) तृतीय। लंबी कूद (लड़के 9-12): अक्षय कुमार (मंडोली) प्रथम, दिशांत (किरावड़) द्वितीय, देवेंद्र (मीरान) तृतीय। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन व आत्मविश्वास बढ़ाना रहा।

आयोजन में एईओ प्रीतपाल, कमल शर्मा, अशोक चाहर सहित अन्य शिक्षकों का सहयोग रहा। डीपीसी शिव कुमार तंवर व एपीसी विवेक अदलखा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अपनी पेंशन के पैसे से एसपी ऑफिस के सामने का रोड बनवाएंगे पूर्व सांसद प्रत्याशी सुभाष चंद कश्यप

समाज जागरण



बागपत। पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा सुभाष चंद कश्यप ने बागपत पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने का 100 मीटर रोड बनवाने को लेकर धरना प्रदर्शन किया।सुभाष चंद कश्यप ने बताया कि नगर पालिका बागपत द्वारा पुलिस अधीक्षक जनपद बागपत के कार्यालय के सामने के रोड को न बनवाने का क्या कारण है, कोई नहीं जानता? क्या पुलिस अधीक्षक जनपद बागपत जनता के काम नहीं करते? क्या पुलिस अधीक्षक बागपत नगर पालिका के काम नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहूंगा कि नगर पालिका बागपत सहित सभी के काम सबसे ज्यादा पुलिस अधीक्षक बागपत करते हैं।उन्होंने बताया कि जो अच्छे होते हैं, उन्हीं का काम कोई नहीं करता है। पुलिस अधीक्षक बागपत बहुत अच्छे हैं, सबका काम करते हैं और उन्हीं के कार्यालय के सामने का रोड नगर पालिका बागपत नहीं बनवाती है। यह बड़ी शर्म की बात है। लगभग 100 मीटर का यह रास्ता है और इसके आसपास के सभी रास्ते पिछले दो दशक में कई-कई बार बन चुके हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर नगर पालिका बागपत 31 दिसंबर 2026 तक इस रोड को पूरी तरीके से सारी बाधाएं पार करते हुए नहीं बनवा पाती है तो 1 जनवरी 2027 को मैं सुभाष चंद कश्यप अपनी पेंशन के पैसे से इस रोड को बनवा दूंगा।

बच्चो ने पी पोलियो की खुराक

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। पल्स पोलियो अभियान के तहत बूथ दिवस पर रविवार जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के बच्चों को एक साथ पोलियो की खुराक पिलाई गयी। इसी क्रम में सेवापुरी विकास खंड के बरेमा उपस्वास्थ्य केंद्र पर नन्हे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। स्वास्थ कर्मचारियों ने बताया वहीं बैक-अप टीम द्वारा छूटे हुए बच्चों को दवा पिलाएगी। ए एन एम राधा कुमारी ने बताया आज कुल लगभग 62 बच्चो को खुराक पिलाया गया।



केंद्र पर ममता विश्वकर्मा सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीएचसी प्रभारी हरहुआ ने पल्स पोलियो ड्राप पिलाकर किया शुभारम्भ

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। पल्स पोलियो अभियान की सफलता के लिए रविवार को 0से 5 वर्ष तक के बच्चों को दो बूंद जिंदगी के ड्राप पीएचसी प्रभारी ने बच्चे को पिलाकर शुभारम्भ किया। पीएचसी प्रभारी हरहुआ डॉ0 सन्तोष कुमार के अनुसार आज रविवार को 118 बूथों व 24 सुपरवाइजरों के द्वारा 0-5 वर्ष के कुल 22367 बच्चों को दो बूंद जिंदगी के पोलियो ड्राप पिलाया गया। वहीं अन्य दिनों में 79 टीमें 8 मोबाइल टीम ,22 सुपरवाइजर व 4 सेक्टर सुपरवाइजर की तैनाती की गई है।



बदलते ठण्ड मौसम को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। इस बाबत विशेष निगरानी दस्ता पूरे दिन निगरानी कर फील्ड में आ रही समस्याओं का मौके पर समाधान करेगी। डॉ0 राकेश कुमार ,एआरओ कनिका सिंह ,बीपीएम बसंतलाल ,फार्मासिस्ट राकेश कुमार ने अन्य स्टाफ के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सहयोग किया।

पोल पर लगे बॉक्स में लगी आग आपूर्ति ठप

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। मनियारीपुर फीडर से जुड़े बरेमा गांव में 63 केवी ट्रांसफार्मर में लगे मीटर बॉक्स में आग लगाने से बॉक्स जल कर राख हो गई,ग्रामीणों ने बताया दो दिन पूर्व हो जले हुए ट्रांसफार्मर को बदला गया था।आग लगने की सूचना ग्रामीणों ने फीडर पर देकर आपूर्ति बंद करवाई। वही बॉक्स जलने से दर्जनों घरों की आपूर्ति बंद हो गई।इस बाबत जे ई दीपक कुमार ने बताया शॉर्ट सर्किट के वजह से बॉक्स जल गया होगा जिसकी जल्द मरम्मत कर आपूर्ति बहाल कर दिया जाएगा।



बांक नाले में मिला चार दिन से लापता मजदूर का शव, इलाके में मचा हड़कंप

समाज जागरण संवाददाता

निगोहां।लखनऊ,निगोहां थाना क्षेत्र के बाजपेई खेड़ा गांव के पास रविवार सुबह बांक नाले में एक युवक का शव उतराता मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची निगोहां पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नाले से बाहर निकलवाया। शिनाख्त होने पर पता चला कि मृतक चार दिन से लापता मजदूर था।मृतक की पहचान परसपुर ठट्ठा गांव निवासी 35 वर्षीय सुरेंद्र पुत्र सियाराम के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक, सुरेंद्र बीते गुरुवार को मजदूरी करने के लिए पास के गांव गया था, लेकिन घर वापस नहीं लौटा। दो दिन तक घर न पहुंचने पर परिजनों ने निगोहां थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद से पुलिस भी लापता युवक की तलाश कर रही थी।रविवार सुबह ग्रामीणों ने गांव के किनारे बांक नाले में एक युवक का शव उतराता देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को बाहर निकलवाकर शिनाख्त कराई तो उसकी पहचान लापता मजदूर सुरेंद्र के रूप में हुई। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने भी शव की पहचान की।

थाना प्रभारी रवींद्र कुमार ने बताया कि सुरेंद्र बीते गुरुवार को मजदूरी करने के लिए पास के गांव गया था, लेकिन दो दिन तक घर वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने थाने पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस तभी से लापता युवक की तलाश कर रही थी। रविवार सुबह ग्रामीणों से सूचना मिली कि गांव के किनारे बांक नाले में एक युवक का शव उतराता हुआ दिखाई दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को बाहर निकलवाकर शिनाख्त कराई तो उसकी पहचान गुमशुदा मजदूर सुरेंद्र के रूप में हुई। थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल परिजनों की ओर से किसी प्रकार की आशंका जाहिर नहीं की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पंचायतनामा सहित आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच जारी है।मृतक अपने पीछे पत्नी शोभावती, दो बेटे और दो बेटियां छोड़ गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

'योगी की पाती' को मिला युवाओं का साथ, कैनवास पर खुलकर लिखे मनोभाव

समाज जागरण

लखनऊ, 22 नवंबर। 'योगी की पाती' के 50 सप्ताह पूर्ण होने पर लगी प्रदर्शनी का रविवार को समापन हो गया। इस दौरान प्रदर्शनी को युवाओं का खूब साथ मिला। युवाओं ने 'योगी की पाती' का अवलोकन किया और अपने विचार भी कैनवास पर लिखकर साझा किए। 'रंग दे बसंती' की तरफ से रविवार को सांस्कृतिक सांझ आयोजित की गई, जिसमें सभी ने अवधी, भोजपुरी समेत विभिन्न लोकगीतों/लोकनृत्य का खूब आनंद उठाया। फोक मीडिया फाउंडेशन की तरफ से खुशी एंड टीम के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से मन मोह लिया। गणेश वंदना 'गजानन गणराया' से ईश वंदना की गई। इस पर कलाकार अभिजीत, राम शास्त्री, कृष्ण रावत, अंशिका, संध्या, निक्की, हीना ने बाबा के चरणों में मंगलकामना की। इसके बाद 'राजा जनक जी के बाग में अलबेला दूल्हा आयो' पर इन कलाकारों संग युवाओं ने नृत्य किया।

अवध में राम आये हैं

'आज अवध में राम आये हैं' पर भी दर्शकों ने आध्यात्मिक सरिता में डुबकी लगाई। अंशिका, संध्या, शालू, निष्ठा, राम, कृष्ण रावत, यशी, विनय, शिवांग, अभिषेके दुबे, निशांत पांडेय, उद्भव सिंह की सामूहिक प्रस्तुति ने राहगीरों को रुककर झूमने पर विवश कर दिया। कोरियोग्राफर की भूमिका राकेश कुमार व खुशी ने निभाई। अवधी लोकनृत्य खुशियां मनावे किसान हो, लहरे खेत में फसलिया पर संगमलता, शालिनी, नीतू, खुशी आदि कलाकारों ने अन्नदाता की लहलहाती फसल से किसानों के मनोभाव को प्रकट किया।

मोबाइल की लाइट जला खूब नाचे जेन जी

सांस्कृतिक आयोजनों पर श्रोताओं ने मोबाइल की लाइट जलाकर खूब नृत्य किया और माहौल को खुशनुमा बना दिया। अंश एंड टीम ने लाइव बैंड की प्रस्तुति दी। मुंबई से आए गायक अंश ने बॉलीवुड गानों से 1090 चौराहे से गुजर रहे राहगीरों को भी रुकने पर विवश कर दिया।

मंडुवाडीह पुलिस ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराने के उद्देश्य से रविवार को मंडुवाडीह पुलिस ने अभियान चलाया। थानाध्यक्ष प्रशांत पांडेय के नेतृत्व में कस्बा चौकी इंचार्ज ने पुलिस बल ने मंडुवाडीह क्षेत्र के विभिन्न मार्गों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटवाया।



अभियान के तहत चौकी बीएलडब्ल्यू की टीम ने ककरमत्ता फ्लाईओवर से चितईपुर की ओर मुख्य मार्ग और फुटपाथ से अतिक्रमण हटवाया। वहीं, चौकी मड़ौली की टीम ने चांदपुर चौराहे से रोहनिया की तरफ मुख्य मार्ग और सर्विस लेन को खाली कराया।

इसके अलावा चौकी कस्बा और लहरतारा की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन से शिवदासपुर तक मुख्य मार्ग के दोनों ओर तथा फुटपाथ से अतिक्रमण हटवाया। पुलिस की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा रहा। अभियान का उद्देश्य सड़क पर आवागमन सुगम बनाना और राहगीरों को फुटपाथ पर सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराना रहा।

मतदाता जोड़ो अभियान में विधायक ने सैकड़ों नव मतदाताओं के भरवाए फॉर्म-6

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। आज विधानसभा क्षेत्र अजगरा के हरहुआ मंडल अंतर्गत बूथ संख्या 13 दासेपुर एवं बूथ संख्या 14 बैजलपट्टी में 'मतदाता जोड़ो विशेष अभियान दिवस अंतर्गत विधायक त्रिभुवन राम ने नव मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए कार्यकर्ताओ संग विशेष अभियान चलाया। इस दौरान सैकड़ों नव मतदाताओं के फॉर्म-6 भरवाए गए।



विधायक त्रिभुवन राम ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक मतदाता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विशेषकर युवा वर्ग को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ना और उन्हें मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र युवा मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के दौरान विधानसभा क्षेत्र मेंनव मतदाताओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पात्र युवाओं को मतदाता सूची में शामिल कराने का कार्यकताओं को सन्देश दिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला मंत्री भाजपा विजयराज यादव, जिला उपाध्यक्ष भाजपा पिछड़ा मोर्चा धनन्जय भारद्वाज ,जिला मीडिया सह प्रभारी शिवशंकर राय, अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोहन बाबू एवं मनोज मानव, हरहुआ मंडल के मंडल उपाध्यक्ष जय कुशवाहा, पिछड़ा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सर्वजीत यादव, भाजपा नेता सूरज चौधरी एवं संकेत सिंह जी सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

गिरोह के भंडाफोड़ में कानपुर में लुटेरी दुल्हन समेत आधा दर्जन गिरफ्तार, 5 अन्य की तलाश में छापे

चौथे युवक को शिकार बनाने के पहले ही गोद लेने वाले मां-बाप, सगी मां, मौसी और मौसा गिरफ्तार

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। जिले में एक ऐसा विरोध सक्रिय है जो भोले भाले युवकों को फंसा शादी करवाता है और फिर दुल्हन बनने वाली युवती लाखों की नगदी जेवरात आदि लेकर रफू चक्कर हो जाती है। पकड़ी गई लुटेरी दुल्हन अब तक तीन युवकों को शिकार बन चुकी हैइसके पहले कि वह चौथे युवक को भी अपना शिकार बनाने में सफल होती पुलिस ने उसे दबोच लिया।



मिली जानकारी के मुताबिक तीसरी शादी कर 16 लाख के जेवरात और कैश लेकर फरार होने वाली लुटेरी दुल्हन प्रगति विश्वकर्मा चौथे युवक को शिकार बनाने की तैयारी में थी, जिसके साथ वह लिवइन रिलेशनशिप में रह रही थी।

वह पुलिस के हत्थे तब चढ़ी ज्ब मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस उसकी लोकेशन तलाशते हुए उसके ठिकाने पर पहुंची, जहां वह एक युवक के साथ मिली। पूछताछ में युवक ने बताया कि प्रगति करीब चार महीने से उसके साथ लिव-इन में रह रही थी। दोनों जल्द ही शादी करने की प्लानिंग में थे। मतलब यह युवक उसका चौथा शिकार होने वाला था। इसबीच गिरफ्त में आने के बाद पुलिस ने प्रगति के मोबाइल की जांच की तो उसके मोबाइल से तीनों पतियों की फोटो मिली, जिनको उसने अपना शिकार बनाया था। जिसके बाद बर्रा पुलिस ने जूही लाल कालोनी निवासी लुटेरी दुल्हन प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा और अर्रा केडीए कालोनी में रहने वाली सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी को गिरफ्तार कर लिया।

इनमें से अशोक और सीमा रिश्ते में प्रगति के मौसा-मौसी भी हैं। फिलहाल अब पुलिस फरार उसकी एक अन्य मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा अ दोनों की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

पुलिस के अनुसार ब्लाक विश्व बैंक निवासी आटो सर्वेयर विशाल विश्वकर्मा की शादी 18 मई 2025 को जूही लाल कालोनी निवासी प्रगति से गोविंद नगर के करन बैंक्वेट हाल में हुई थी। विशाल का आरोप है कि शादी के एक महीने बाद ही 18 जून 2026 को प्रगति करीब 15 लाख रुपये के जेवर और एक लाख रुपये लेकर मायके चली गई।

काफी तलाश और छानबीन के बाद उसे पता चला कि प्रगति पहले भी दो शादियां कर चुकी है और इसकी जानकारी उससे छिपाई गई। प्रगति की पहली शादी 20 मार्च 2017 को जूही के बारादेवी निवासी सोनू विश्वकर्मा से हुई थी। इसके बाद 23 जून 2017 को उसने इटावा निवासी सुमित बाथम से दूसरी शादी कर ली। घटना में पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापे मार रही है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की लखनऊ जिला कमेटी टीम गठित की गयी

समाज जागरण विवेक कुमार

लखनऊ। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) की लखनऊ जिला कमेटी का गठन रविवार को वृंदावन स्थित संगठन के प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान किया गया। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए रणनीति तैयार की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक देवेंद्र कुमार मिश्रा ने की। इस अवसर पर संगठन मंत्री दिलीप श्रीवास्तव, प्रदेश संगठन मंत्री एवं लखनऊ जिला अध्यक्ष दिलीप मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। नवगठित जिला कमेटी में डॉ. संजय शर्मा को जिला प्रवक्ता तथा गौरव शुक्ला, अमन द्विवेदी, भारत भूषण और हरिओम दीक्षित को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं धीरज तिवारी एवं राजेश मिश्रा को जिला महासचिव, जब कि आदित्य शुक्ला, युवराज गौतम, विवेक कुमार,व श्यामलाल, राहुल कुमार, विजय मिश्रा,और जाहिद अली रिजवी को जिला सचिव की जिम्मेदारी दी गई। विनीत मिश्रा को जिला संगठन महामंत्री, नीरज मिश्रा एवं आदित्य प्रताप को संगठन मंत्री,



रामेन्द्र सिंह को कोषाध्यक्ष, एडवोकेट मुकेश सिंह को विधिक सलाहकार, अनुराग तिवारी को मीडिया प्रभारी तथा विनय मिश्रा को आईटी सेल प्रभारी नियुक्त किया गया। सूरज तिवारी को मोहनलालगंज तहसील अध्यक्ष व राम जी राजपूत तहसील महामंत्री बनाया गया। प्रदेश स्तर पर इम्तियाज सिद्दीकी को प्रदेश मीडिया प्रभारी और सचिन सिंह को प्रदेश सह मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। महिला विंग में गुलशाना खान को जिला प्रभारी तथा दीपमाला को जिला सचिव नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा की मौजूदगी में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पदभार ग्रहण कराया गया।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन को एकजुट होकर सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिला अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने कहा कि पत्रकारों के साथ होने वाले उत्पीड़न के खिलाफ संगठन मजबूती से आवाज उठाएगा और उनके हितों के लिए संघर्ष करेगा। बैठक में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने तथा पत्रकारों की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी से कार्य करने का संकल्प लिया।

लखनऊ में सजेगा 'अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव'

लखनऊ, 22 नवंबरः योगी सरकार के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति, लोककला और परंपराओं की विविधता एक ही मंच पर दिखेगी। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर लखनऊ में 23 से 26 नवंबर तक 'अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव' होगा। गोमती नगर स्थित यूपी दर्शन पार्क में होने वाले इस चार दिवसीय उत्सव में विभिन्न राज्यों के जनजातीय कलाकार पारंपरिक नृत्य और संगीत प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी संस्कृति से परिचित कराएंगे। खास बात यह है कि कजाकिस्तान, जिम्बाब्वे और मालदीव के विदेशी सांस्कृतिक दल भी इसमें शामिल होंगे। उत्सव में शिल्प मेला, पारंपरिक कलाओं की कार्यशालाएं, लोकगायन, नाटक और जनजातीय व्यंजनों के जरिए भारत सहित विभिन्न देशों की सांस्कृतिक विविधता देखने को मिलेगी।

24 को घाट पर सजेगी देव दीपावली

समाज जागरण रंजीत तिवारी



वाराणसी। काशी की विश्वविख्यात देव दीपावली इस वर्ष 24 नवंबर 2026 को भव्य रूप में आयोजित होगी। आदि केशव घाट से सामने घाट तक गंगा के दोनों तटों और गंगापार की रेती पर लाखों दीपों की अद्भुत छटा दिखाई देगी। गंगा घाटों के साथ मंदिरों,मठों,कुंडों,तालाबों और पोखरों को भी दीपों से सजाया जाएगा। रविवार को पराड़कर स्मृति भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में केंद्रीय देव दीपावली महासमिति के संस्थापक अध्यक्ष पं. नारायण गुरु ने बताया कि आयोजन के लिए 84 घाटों पर समितियां गठित की गई हैं। इसके अलावा 15 सदस्यीय कोर कमेटी भी बनाई गई है। काशी के 102 से अधिक कुंडों एवं पोखरों पर भी दीपोत्सव आयोजित होगा। गंगापार की रेती,सामनेघाट और रामनगर में भी विशेष आयोजन किए जाएंगे। पं. नारायण गुरु ने बताया कि वर्ष 1985 में छह घाटों पर लगभग आठ हजार दीपों के साथ देव दीपावली की शुरूआत हुई थी। धीरे-धीरे यह आयोजन विस्तारित होकर काशी की वैश्विक पहचान बन गया। वर्ष 2011 में गंगापार की रेती और 2014 में मध्य प्रदेश के नर्मदा तट पर भी इसकी शुरूआत हुई। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया तथा दिवंगत पं. वागीशदत्त मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित की। पत्रकार वार्ता में पं. नरेंद्र पांडेय,संतोष सोलापुरकर, पं. नलिन नयन मिश्रा, अशोक नेने, अंकुर मेहरोत्रा, गिरीश पांडेय और रवि रौशन मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

घाटों पर प्रकाश की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश

समाज जागरण रंजीत तिवारी



वाराणसी। आगामी देव दीपावली पर्व को भव्य और आकर्षक स्वरूप देने के लिए नगर निगम तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। घाटों पर सजावटी लाइटिंग, झालरों और फ्लड लाइटिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम मे रविवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी ने अस्सी घाट से नाव के माध्यम से नमो घाट तक गंगा घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान करीब आधा दर्जन घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं मिली, जिस पर महापौर ने तत्काल डार्क जोन खत्म कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मानसरोवर घाट, राजा घाट, पांडेय घाट, बलुआघाट, ब्रह्मा घाट, हनुमानगढ़ी घाट और मणिकर्णिका घाट के बगल वाले हिस्से में रोशनी का अभाव पाया गया। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को इन स्थानों पर तुरंत समुचित प्रकाश व्यवस्था करने को कहा। साथ ही उन्होंने नमो घाट के उस पार गंगा पार डोमरी क्षेत्र में, जहां मियावाकी वन लगाया गया है, वहां फ्लड लाइट लगाने के निर्देश दिए। सभी घाटों पर स्वच्छ काशी, सुंदर काशी के बैनर लगाने व संदेश लिखवाने का भी निर्देश दिया गया। नाव से भ्रमण के दौरान महापौर ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा तथा स्वच्छता को लेकर घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सीढ़ियों की स्थिति और अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारी, अपर नगर आयुक्त विनोद गुप्ता, जलकल महाप्रबंधक अनूप सिंह, मुख्य अभियंता खुरेश चंद्र सहित नगर निगम के अन्य अधिकारीगण और क्षेत्रीय पार्षद उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि, सामाजिक न्याय के रास्ते पर चलने का लिया संकल्प

समाज जागरण



गोसाईगंज। मरखापुर चौराहा पर समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की जयंती रविवार को बड़े धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद आरके चौधरी मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमा शंकर वर्मा ने की, जबकि संचालन संतोष रावत ने किया। आयोजन जगरूप सिंह प्रधान व जिला सचिव राम सुचित यादव ने किया।

सांसद आरके चौधरी ने कहा नेताजी सिर्फ एक नेता नहीं, एक विचारधारा थे। उन्होंने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े और शोषित वर्ग के हक की लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने किसानों का कर्जा माफ किया, युवाओं को नौकरी दी और महिलाओं को सम्मान दिया। आज जरूरत है कि हम उनके समाजवादी सिद्धांतों को गांव-गांव तक पहुंचाएं और पीडीए को मजबूत करें।

पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने कहा - नेताजी ने राजनीति में संघर्ष और सादगी की मिसाल कायम की। जेल से लेकर सत्ता तक उन्होंने कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं किया।

उन्होंने कहा कि नेताजी का जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ, लेकिन उन्होंने अपने संघर्ष, मेहनत और जनता के प्रति समर्पण से देश की राजनीति में अलग पहचान बनाई। वे धरतीपुत्र कहलाए, क्योंकि वे हमेशा जमीन से जुड़े रहे, गांव की मिट्टी की खुशबू और गरीब की पीड़ा को समझते थे।

नेताजी ने हमेशा कहा कि राजनीति सेवा का माध्यम है, सत्ता सुख भोगने का नहीं। उन्होंने पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, किसानों और नौजवानों को मुख्यधारा में लाने के लिए जीवन भर संघर्ष किया। जब भी गरीब पर अन्याय हुआ, नेताजी सबसे आगे खड़े नजर आए।

उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में नेताजी ने देश की सीमा की रक्षा करते हुए शहीद होने वाले भारत मां के वीर सपूतों के पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ उनके घर तक पहुंचाने का ऐतिहासिक काम किया। इससे पहले शहीद जवानों का शव घर नहीं पहुंचता था। नेताजी के इस फैसले से शहीदों के परिवारों को सम्मान मिला और सेना का मनोबल बढ़ा।

पूर्व विधायक ने कहा कि नेताजी ने दलितों, शोषित, पीड़ित और वंचितों को पहली बार आरक्षण लागू कर पंचायतों में पहुंचाकर मुख्यधारा से जोड़ा। गांव की पंचायतों में गरीब, पिछड़े और दलित वर्ग को प्रतिनिधित्व देकर उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत किया और उन्हें सत्ता में भागीदारी दिलाई।

उन्होंने कहा कि नेताजी ने उत्तर प्रदेश को विकास की नई दिशा दी। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई और रोजगार के क्षेत्र में उन्होंने ऐतिहासिक काम किए। उन्होंने कन्या विद्याधन, बेरोजगारी भत्ता, किसानों की कर्जमाफी जैसी योजनाओं से लाखों परिवारों को राहत दी।

पूर्व विधायक ने कार्यकताओं से कहा कि आज नेताजी हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं। हमें उनके विचारों को घर-घर तक पहुंचाना है, युवाओं को जोड़ना है और समाजवादी आंदोलन को और मजबूत करना है। नेताजी की सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके बताए सामाजिक न्याय, भाईचारा और समानता के रास्ते पर चलें। समाजवादी पार्टी उनके विचारों पर ही आगे बढ़ेगी और जनता के हक के लिए लड़ती रहेगी।

इस अवसर पर वक्ताओं ने नेताजी के जीवन, संघर्ष और समाजवादी विचारधारा पर प्रकाश डाला। कहा गया कि उनका पूरा जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित रहा।

कार्यक्रम में प्रदेश सचिव अशोक यादव, रामानन्द पांडेय, फूलचंद यादव, जोन प्रभारी दिनेश यादव, सुरेंद्र यदुवंशी, उमेश यादव प्रधान, ब्रजेश यादव, वीर सिंह यादव, उमेश यादव, राधे श्याम यादव, रामसमुझ रावत, मोहन प्रधान, अरविंद यादव, सुमन रावत, एल लक्ष्मी रावत, मो. कवि, इब्राहिम खान, अरसद खान, राम किशन, रूप नारायण यादव, राम सिंह, विक्रम, नंदकिशोर, राकेश यादव, संतोष मौर्या, मो. हनीफ, मुर्तजा हुसैन, राम विलास सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश बना एथेनॉल का केंद्र, गन्ना बेल्ट की मिलों से निकल रहा ग्रीन फ्यूल

सहारनपुरः कभी चीनी उत्पादन के लिए पहचाना जाने वाला पश्चिमी उत्तर प्रदेश अब एथेनॉल बनाने वाले बड़े केन्द्र के तौर पर अपनी धाक जमा रहा है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ और बिजनौर की गन्ना बेल्ट अब देश के ग्रीन फ्यूल की नई राजधानी बनती जा रही है। केंद्र सरकार की एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति और योगी सरकार की चीनी मिलों को एथेनॉल से जोड़ने की पहल ने इस पूरे इलाके की तस्वीर बदल दी है। अब यहां की मिलें सिर्फ चीनी ही नहीं बना रहीं, बल्कि गन्ने के रस, शीरे, मक्का और टूटे चावल से एथेनॉल बनाकर पेट्रोल में मिलाने के लिए देशभर के डिपो को सप्लाई कर रही हैं।

शामली की ऊन चीनी मिल में 300 किलोलीटर क्षमता का डिस्टलरी प्लांट कर रहा एथेनॉल उत्पादन

इस बदलाव की सबसे बड़ी मिसाल शामली की ऊन चीनी मिल है। यहां 300 केएल क्षमता का डिस्टलरी प्लांट शुरू हुआ है, जिसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा एथेनॉल प्लांट माना जा रहा है। इस प्लांट से बना एथेनॉल पानीपत, मेरठ और मथुरा भेजा जा रहा है। ऊन चीनी मिल का यह प्लांट तीन साल में बनकर तैयार हुआ है और मई माह से यहां मक्का और चावल से एथेनॉल तैयार किया जा रहा है। जिला आबकारी अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की है कि यह प्लांट पश्चिमी यूपी में सबसे बड़ा है।

पश्चिम के कई चीनी मिलों के पास है अपने डिस्टीलरी प्लांट

पश्चिमी यूपी की गन्ना बेल्ट में शामली जिले में शामली, ऊन, थानाभवन, मुजफ्फरनगर जिले में तितावी, मंसूरपुर, खतौली, भैंसाना, रोहाना, मोरना, खाईखेड़ी, टिकौला और बागपत जिले में रमाला, बागपत, मलकपुर तथा सहारनपुर जिले में शाकुंभरी, सरसावा, ननौता, देवबंद, गांगनौली, गागलहेड़ी, शेरमऊ जैसी चीनी मिलें हैं।

भाजपा में 70 पार नेताओं के टिकट पर संकट के बादल !

गोपाल भार्गव, जयंत मलैया समेत कई दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य पर सस्पेंस, क्या युवाओं को मौका देने के लिए पुराने चेहरों की होगी विदाई?

समाज जागरण

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में इन दिनों भारतीय जनता पार्टी के भीतर वरिष्ठ नेताओं की चुनावी भूमिका को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या भाजपा 70 वर्ष की आयु पार कर चुके अपने अनुभवी और कद्दावर नेताओं को टिकट देने से परहेज करेगी? संगठन में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति और बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच कई वरिष्ठ नेताओं के राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

इस सियासी चर्चा के केंद्र में बुंदेलखंड के दो बड़े राजनीतिक चेहरे पूर्व मंत्री एवं नौ बार के विधायक गोपाल भार्गव और दमोह के वरिष्ठ नेता जयंत मलैया प्रमुख रूप से शामिल हैं। इनके अलावा विंध्य क्षेत्र के नागौद विधायक नागेंद्र सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीताशरण शर्मा, पूर्व मंत्री बिसाहू लाल सिंह और माया सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं। इन नेताओं की उम्र और लंबा राजनीतिक अनुभव अब भाजपा की भावी चुनावी रणनीति के संदर्भ में बहस का विषय बन गया है।

मंत्रिमंडल से दूरी के बाद टिकट पर भी उठे सवाल

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के दौरान जिस तरह कई अनुभवी नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली और नए चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी गई, उससे भाजपा में पीढ़ी परिवर्तन की रणनीति को लेकर चचाएं शुरू हुई थीं। अब यही सवाल आगामी विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण को लेकर भी उठने लगा है। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने 70 वर्ष की उम्र को टिकट का आधिकारिक पैमाना घोषित नहीं किया है।

उम्र का फॉर्मूला या जीत की गारंटी, किसे मिलेगी प्राथमिकता? भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उम्र के आधार पर बदलाव करने और चुनाव जीतने की क्षमता रखने वाले नेताओं को मैदान में उतारने के बीच संतुलन बनाने की होगी। गोपाल भार्गव और जयंत मलैया जैसे नेताओं की अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूत राजनीतिक पकड़ और लंबा जनाधार रहा है। ऐसे में केवल उम्र के आधार पर उनके राजनीतिक भविष्य का फैसला करना पार्टी के लिए आसान नहीं होगा।

बेटों को मिलेगी विरासत या नए कार्यकताओं पर दांव?

इस पूरे घटनाक्रम में एक और दिलचस्प सवाल परिवार की राजनीतिक विरासत को लेकर उठ रहा है। यदि पार्टी वरिष्ठ नेताओं को चुनावी राजनीति से अलग करने का फैसला करती है, तो क्या उनके पुत्रों को राजनीतिक विरासत सौंपने का रास्ता खुलेगा? गोपाल भार्गव के पुत्र अभिषेक भार्गव और जयंत मलैया के पुत्र सिद्धार्थ मलैया के नाम भी इसी संदर्भ में चर्चा में हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी तक पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक संकेत नहीं मिला है।

भाजपा के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौती

फिलहाल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से 70 वर्ष की उम्र पार कर चुके नेताओं के टिकट काटने को लेकर कोई आधिकारिक निर्णय या घोषणा सामने नहीं आई है। ऐसे में इन चचाओं को फिलहाल राजनीतिक अटकलों के रूप में ही देखा जाना चाहिए। लेकिन इतना तय है कि आगामी चुनावों में भाजपा के सामने अनुभव, संगठनात्मक संतुलन, युवा नेतृत्व और जीत की संभावना के बीच तालमेल बैठाने की बड़ी चुनौती होगी। अब देखना होगा कि पार्टी अपने पुराने सियासी स्तंभों पर भरोसा कायम रखती है या नए चेहरों को आगे लाकर मध्य प्रदेश की राजनीति में पीढ़ी परिवर्तन का बड़ा संदेश देती है।

धूमधाम से मनाई जाएगी गुरु नानक जयंती, 24 नवंबर को निकलेगी भव्य प्रभात फेरी

गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल के तत्वावधान में होगा वार्षिक उत्सव का आयोजन, कई वर्षों से चली आ रही परंपरा को इस वर्ष भी उत्साह के साथ निभाने की तैयारी



समाज जागरण

कटनी। सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान संत गुरु नानक देव जी की जयंती इस वर्ष भी कटनी में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी। हर वर्ष की भांति इस बार भी 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर गुरु नानक हायर सेकेंडरी स्कूल कटनी के तत्वावधान में वार्षिक उत्सव एवं भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। कटनी में गुरु नानक जयंती के अवसर पर प्रभात फेरी एवं वार्षिक उत्सव आयोजित करने की परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। प्रत्येक वर्ष बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का शहरवासियों को इंतजार रहता है। गुरु नानक देव जी के उपदेशों में मानवता, प्रेम, समानता, भाईचारा, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश प्रमुख रहा है। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को एकता और सद्भाव का मार्ग दिखाती हैं। इसी भावना को आत्मसात करते हुए जयंती के अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। आयोजन की तैयारियों में विद्यालय प्रबंधन एवं आयोजन से जुड़े लोग जुटे हुए हैं। प्रभात फेरी के माध्यम से गुरु नानक देव जी के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं वार्षिक उत्सव के माध्यम से भी उनकी शिक्षाओं और आदर्शों को स्मरण किया जाएगा। शहर में इस आयोजन को लेकर उत्साह का माहौल है। गुरु नानक जयंती का यह पर्व न केवल सिख समाज, बल्कि सभी धर्मों और समुदायों के लोगों के लिए प्रेम, सद्भाव और मानव सेवा का संदेश देने वाला अवसर है।

तपोभूमि गोदावल धाम बना धार्मिक एवं पर्यटन आकर्षण का केंद्र

सीधी जिले के बंजारी स्कूल के बच्चों एवं शिक्षकों ने किया गोदावल धाम का भ्रमण, भगवान भोलेनाथ और मां दुर्गा के दर्शन कर जाना प्राचीन इतिहास

समाज जागरण विजय तिवारी

ब्योहारी/शहडोल। शहडोल जिले के ब्योहारी विकासखंड स्थित प्राचीन तपोभूमि गोदावल धाम अब धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में अपनी अलग पहचान स्थापित कर रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक महत्व से परिपूर्ण यह धाम धीरे-धीरे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु दर्शन करने के साथ ही परिवार और बच्चों के साथ पिकनिक मनाने भी पहुंच रहे हैं।



इसी कड़ी में आज जिला सीधी के बंजारी स्कूल के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक गोदावल धाम पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ एवं मां दुर्गा आदिशक्ति के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भ्रमण के दौरान बच्चों ने धाम की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया और परिसर में लगे झूलों पर खूब आनंद उठाया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को गोदावल धाम के प्राचीन इतिहास, धार्मिक मान्यताओं और आध्यात्मिक महत्व से भी परिचित कराया गया।

समाजसेवियों के सहयोग से संवर रही तपोभूमि

गोदावल धाम के विकास एवं व्यवस्थाओं में समाजसेवी खुशीराम रघुवंशी लगातार सेवा भाव से अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उनके अनुसार क्षेत्रवासियों और समाजसेवियों के सामूहिक सहयोग से इस धार्मिक स्थल को बेहतर स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों की सहभागिता से धाम का विकास हो रहा है, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुविधाएं मिल सकें।

धार्मिक आस्था के साथ पर्यटन की भी अपार संभावनाएं

गोदावल धाम की विशेषता यह है कि यहां धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का भी आनंद लिया जा सकता है। यही कारण है कि अब आसपास के जिलों सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से भी लोग यहां पहुंच रहे हैं। विशेषकर विद्यार्थियों और परिवारों के लिए यह स्थल धार्मिक दर्शन के साथ भ्रमण एवं मनोरंजन का भी अच्छा माध्यम बन रहा है।

अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील

गोदावल धाम के विकास में सहयोग कर रहे सहयोगियों एवं समाजसेवियों ने क्षेत्रवासियों, श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में गोदावल धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ एवं मां दुर्गा आदिशक्ति के दर्शन करें और इस पवित्र तपोभूमि के आध्यात्मिक वातावरण का लाभ उठाएं। साथ ही उन्होंने लोगों से इस धार्मिक स्थल के विकास एवं संरक्षण में सहयोग करने का आग्रह किया, ताकि गोदावल धाम आने वाले समय में शहडोल संभाग ही नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में अपनी पहचान बना सके।

घुनघुटी में तालाब बचाने की मुहिम तेज, पुराने आंदोलनों से उठे नेतृत्व की पारदर्शिता पर सवाल

समाज जागरण

घुनघुटी। क्षेत्र में जंगल, जमीन और जलस्रोतों के संरक्षण को लेकर ग्रामीणों की आवाज तेज होने लगी है। गिठौरी गांव के ग्रामीण कोयला खनन गतिविधियों से तालाब, भूजल, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब उनके लिए केवल जलस्रोत नहीं, बल्कि पशुओं और दैनिक जरूरतों का महत्वपूर्ण आधार है। इस आंदोलन के बीच पूर्व में रिलायंस के खिलाफ हुए आंदोलनों की यादें भी चर्चा में हैं। उन आंदोलनों से जुड़े कुछ लोगों को लेकर बाद में नौकरी, ठेके और व्यक्तिगत लाभ की चचाएं सामने आने के दावे किए जाते रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित लोगों का पक्ष सामने आना जरूरी है। ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन और संबंधित कंपनी खनन के पर्यावरणीय प्रभाव, जलस्रोतों की सुरक्षा तथा परियोजना की स्वीकृतियों से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक करें। साथ ही तालाब संरक्षण के लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जानकारों का मानना है कि किसी भी जनआंदोलन की सफलता पारदर्शिता और जनविश्वास पर निर्भर करती है। आंदोलन से जुड़े निर्णयों और कंपनी-प्रशासन के साथ होने वाली बातचीत की जानकारी ग्रामीणों को मिलनी चाहिए। अब क्षेत्र की जनता की नजर इस बात पर है कि यह संघर्ष गिठौरी के तालाब और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने में कितना सफल होता है।

संजय गांधी थर्मल प्लांट में 'कबाड़ सिंडिकेट': A+ ग्रेड आयरन की निकासी पर अफसर, सुरक्षा प्रभारी और पुलिस मौन?

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली (मंगठार)। पाली थाना अंतर्गत मंगठार स्थित संजय गांधी ताप विद्युत गृह (थर्मल पावर प्लांट) एक बार फिर बड़े भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को लेकर सुर्खियों में है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्लांट के भीतर से इन दिनों कबाड़ (स्क्रैप) की आड़ में उच्च गुणवत्ता वाला 'A+ ग्रेड' आयरन बड़े पैमाने पर बाहर निकाला जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम में प्लांट के कुछ जिम्मेदार अधिकारियों, सुरक्षा प्रभारी और स्थानीय मंगठार पुलिस चौकी प्रभारी की संदिग्ध भूमिका को लेकर क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है।

कबाड़ के पर्दे के पीछे 'खरा लोहा' सूत्रों का कहना है कि प्लांट परिसर से स्क्रैप निकासी की आड़ में एक संगठित खेल चल रहा है। नियमानुसार केवल अनुपयोगी और जर्जर हो चुके कबाड़ को ही नीलामी प्रक्रिया के तहत बाहर भेजा जाना चाहिए, लेकिन आरोप है कि कबाड़ के ढेर और गाड़ियों के बीच कीमती और उपयोग लायक 'A+ ग्रेड' लोहा लादकर बाहर खपाया जा रहा है। इस कथित हेराफेरी से न केवल मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी (MPPGCL) को भारी आर्थिक नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि सरकारी संपत्ति की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सुरक्षा घेरे और पुलिस चौकी की भूमिका पर उठे सवाल संजय गांधी थर्मल पावर प्लांट एक अति-संवेदनशील और उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है। प्लांट के मुख्य द्वार पर कड़ी जांच, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा बल तैनात रहते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बिना सुरक्षा प्रभारी और प्लांट के संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत के इतनी बड़ी मात्रा में A+ ग्रेड लोहा गेट के बाहर कैसे निकल रहा है? सूत्रों की मानें तो इस पूरे मामले में मंगठार चौकी प्रभारी की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। चौकी के बिल्कुल नजदीक से गुजरने वाले इन वाहनों की सघन जांच न होना और इस कथित गोरखधंधे पर चुप्पी साधे रखना कई तरह के संदेह को जन्म दे रहा है।



सुलगते सवाल

1. प्लांट के मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा अमले की नजरों से A+ ग्रेड आयरन कैसे बचकर निकल रहा है?
2. क्या बाहर जाने वाले स्क्रैप वाहनों का धर्मकांटा (वजन) और सामग्री का भौतिक सत्यापन ((Physical Verification) ईमानदारी से किया जा रहा है?
3. मंगठार चौकी पुलिस को क्षेत्र में चल रहे इस संदिग्ध परिवहन की भनक क्यों नहीं लग रही, या फिर सब कुछ जानकर अनदेखा किया जा रहा है?

निष्पक्ष जांच की मांग

स्थानीय जागरूक नागरिकों और सूत्रों का मानना है कि यदि प्लांट के पिछले कुछ महीनों के गेट पास, सीसीटीवी फुटेज और बाहर गए स्क्रैप वाहनों के दस्तावेजों की किसी स्वतंत्र एजेंसी या वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा औचक जांच की जाए, तो एक बड़े सिंडिकेट का पदार्फाश हो सकता है। फिलहाल, इस मामले में प्लांट प्रबंधन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

इंडियन नेशनल माइन वर्कर्स फेडरेशन का राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

कुमार जय मंगल अध्यक्ष एसक्यू जामा महामंत्री बने

समाज जागरण विजय तिवारी

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया स्थित बांधवगढ़ में इंडियन नेशनल माइनवर्कर्स फेडरेशन के 33वें राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें देश भर से सैकड़ो प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सम्मेलन के उपरांत हुए चुनाव में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से कुमार जय मंगल को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। इसके अलावा महामंत्री पद पर एसक्यू जामा एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर एके झा, गोपाल नारायण सिंह, बृजेंद्र सिंह आदि के नाम शामिल हैं। सम्मेलन में सिंगरौली कोलकाता, बिहार ,झारखंड, उत्तर प्रदेश महाराष्ट्र एवं देश के अनेक हिस्सों से वरिष्ठ यूनियन पदाधिकारियों, देशभर से आए सम्मानित प्रतिनिधियों एवं श्रमिक उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सम्मेलन में एसइसीएल से अमरजीत सिंह संदीप दीक्षित एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए कुमार जय मंगल ने कहा कि यह पद मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, उनके सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पूरी मजबूती और प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।



तीन दिवसीय इंटक का राष्ट्रीय अधिवेशन जनवरी में बताया गया है कि आगामी 1 से 3 जनवरी 2026 तक इंटक का राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में आयोजित किया जाएगा

पेंड्रा गौरेला, मरवाही, के जंगलों में लाखों का जुआ फड़ !

जंगलों में लाखों का जुआ, कथित रसूखदारों के नाम का कवच और पुलिस की रहस्यमयी खामोशी

समाज जागरण विजय तिवारी

पेंड्रा गौरेला-मरवाही जिले के जंगलों में कथित तौर पर बेखौफ सज रहे जुआ फड़ों ने कानून-व्यवस्था की निगरानी व्यवस्था को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है। डूबतिया से धरहर तक लाखों के दांव लगने, दूसरे जिलों और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों से जुआरियों के पहुंचने तथा कथित संचालकों द्वारा भाजपा नेताओ के नाम व रिश्तेदारी का हवाला देकर धौंस जमाने की चचाएं आखिर किस ओर इशारा कर रही हैं? क्या जिले का पुलिस तंत्र इन गतिविधियों से अनजान है, या कथित रसूख के आगे कार्रवाई की इच्छाशक्ति कमजोर पड़ रही है? जंगलों में बड़े पैमाने पर जुआ फड़ संचालित होने की चचाएं और निगरानीशुदा बदमाशों के कथित नेटवर्क ने कानून-व्यवस्था को निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकार सूत्रों के मुताबिक, कुंजी , रवि और उनके कथित सहयोगियों द्वारा जिले के विभिन्न जंगलों में बड़े पैमाने पर जुआ फड़ संचालित किए जाने का आरोप है। बताया जाता है कि इन फड़ों में प्रतिदिन लाखों रुपये के दांव लगाए जाते हैं। मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, लेदरी, झगराखंड, बैकुंठपुर, मरवाही पेंडा और गौरेला सहित पड़ोसी मध्यप्रदेश के अनूपपुर, जैतहरी वेंकटनगर, फुनगा, लालपुर, हरी, पसला, रामनगर, राजनगर, कोतमा और बिजुरी से कथित जुआ खिलाड़ी यहां पहुंचते हैं। सूत्रों का आरोप है कि कथित संचालकों द्वारा महेंद्रगढ़ के जन प्रतिनिधि एवं स्थानीय भाजपा नेताओं के नाम और रिश्तेदारी का हवाला देकर लोगों के बीच प्रभाव जमाने का प्रयास किया जाता है। कथित तौर पर यह कहकर भरोसा दिलाया जाता है कि ऊपर तक पहुंच होने के कारण पुलिस कार्यवाही नहीं करेगी। बताया जा रहा है कि इस कथित गतिविधि में मिठू, सदा , इरफान, प्रकाश ,बानू, राजा चौधरी, शुभम , चिंटू और जिला जीत सहित अन्य लोगों के नाम भी सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, बतिया, धरहर, लरकेनी, मुंडा बंधा, बड़ा पत्थर, बंधा मंदिर और खालबहरा के जंगलों में कथित तौर पर जुए की महफिले सजाई जा रही है। सूत्रों ने दावा किया है कि अवैध फड़ों से निकलने वाली रकम का एक हिस्सा कथित तौर पर पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाता है। यह आरोप अत्यंत गंभीर है, जिसको निष्पक्ष जांच जरूरी है। यदि यह महज अफवाह है तो पुलिस इसे स्पष्ट करे और यदि आरोपों में तब्य है तो जिम्मेदारों पर कार्यवाही हो। आखिर पुलिस कसान जिले में अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी के लिए क्या रणनीति अपना रहे है? पेंड़ा थाना प्रभारी और गोरेला थाना प्रभारी को जंगलों में कथित तौर पर रोज सजने वाले जुआ फड़ों की जानकारी क्यों नहीं मिल रही? क्या नियमित गश्त, मुखबिर तंत्र और सीमावर्ती निगरानी केवल कागजों तक सीमित हैं? या फिर इन गतिविधियों के पीछे ऐसा प्रभावशाली तंत्र है, जिसकी जांच से जिम्मेदार बच रहे हैं?

तीन दिन के जाम ने ले ली रवि की जान

कीचड़ में धंसी जिंदगी, सड़क पर ही बिछ गया बिस्तर

समाज जागरण

उमरिया --- पिछले तीन दिन से राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर लगा जाम अंततः रवि की बलि वेदी पर चढ़ गया है, 12 साल से निमार्णाधीन इस मार्ग पर अरबों रुपए खर्च होने के बाद भी सड़क आज तक पूरी नहीं हुई, धूल, कीचड़, गड्ढे और फिसलन से भरी इस सड़क पर जब धूप निकले तो राहगीर धूल में नहाते हैं और जरा सी बारिश हो तो कीचड़ में फंस जाते हैं, यही हाल पिछले तीन दिन से बना हुआ था, घुनघुटी मोर्चा फाटक के पास सड़क पर कीचड़ और फिसलन के कारण सैकड़ों वाहन घंटों से फंसे हुए थे, न आगे बढ़ पा रहे थे, न पीछे हट पा रहे थे, तस्वीर में साफ दिख रहा है कि कीचड़ में धंसे ट्रकों की लंबी कतार लगी है और एक परिवार अपनी मोटरसाइकिल को कीचड़ से निकालने के लिए धक्का लगा रहा है, एक महिला गोद में छोटे बच्चे को लिए नंगे पैर कीचड़ में चल रही है, तो दूसरी महिला सिर पर सामान रखे किसी तरह आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है, हालात इतने खराब हो गए कि यात्रियों ने सड़क किनारे ही चादर-कंबल बिछाकर रात गुजारनी शुरू कर दी, कोई भूखा-प्यासा सड़क पर बैठा था तो कोई अपने सामान के साथ बेबस खड़ा था, घुनघुटी पुलिस रात भर गाड़ियों की रक्षा-सुरक्षा में लगी रही, लेकिन जाम खोलने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं हो पाई, इसी जाम में फंसे रवि को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका और उसने सड़क पर ही दम तोड़ दिया, रवि की मौत ने निर्माण कंपनी की लापरवाही, अधिकारियों की अनदेखी और प्रशासन की कागजी निरीक्षण की पोल खोलकर रख दी है, अब जनता पूछ रही है कि 12 साल में अरबों खर्च होने के बाद भी सड़क क्यों नहीं बनी, बारिश को देखते हुए आवागमन सुचारु रखने के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई, क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का ही इंतजार कर रहा था, रवि की मौत सिर्फ एक हादसा नहीं है, यह सिस्टम की लापरवाही की हत्या है, और अगर अब भी प्रशासन नहीं जागा तो कल कोई और रवि इस जाम की बलि चढ़ जाएगा।

विशेष अभियान दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

सभी पात्र व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराना सुनिश्चित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पाए-जोगिंदर सिंह

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर 22 नवंबर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में रविवार को जनपद के सभी मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी जोगिंदर सिंह ने जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नए एवं युवा मतदाताओं तथा महिलाओं से संवाद कर उन्हें मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदाता सूची में सभी पात्र व्यक्तियों का नाम शामिल कराना सुनिश्चित किया जाए। कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान दिवस का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ना तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना है।



जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ प्राथमिक विद्यालय निजामतपुरा उर्फ गंज स्थित बूथ संख्या 341, 343 एवं 344 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी संबंधित बूथों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित पाए गए। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान पात्र नागरिकों, विशेषकर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं एवं महिलाओं से संपर्क स्थापित करते हुए अधिक से अधिक नए मतदाताओं के पंजीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं नियमानुसार निस्तारण किया जाए।

उन्होंने बताया कि विशेष अभियान दिवस के दौरान जनपद में मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने के लिए प्रारूप-6 के कुल 3678 आवेदन, मतदाता सूची से नाम अपमार्जित कराने के लिए प्रारूप-7 के 652 आवेदन तथा मतदाता सूची में संशोधन एवं अन्य प्रविष्टियों के लिए प्रारूप-8 के 874 आवेदन प्राप्त हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि जिन पात्र नागरिकों का नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट, संबंधित तहसील अथवा अपने बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वोटर हेल्पलाइन के माध्यम से भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने एवं आवश्यक संशोधन के लिए आवेदन किया जा सकता है। जनपद में विशेष अभियान दिवस के लिए विभिन्न अधिकारियों को नामित कर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। संबंधित अधिकारियों ने अपने से संबंधित बूथो का निरीक्षण किया।

रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में उत्पादन लक्ष्य और भुगतान पर उठे सवाल, जय अंबे कंपनी की कार्यप्रणाली जांच के घेरे में

समाज जागरण

शहडोल, रामपुर (राजीव कुमार)। रामपुर बटुरा मेगा प्रोजेक्ट में कोयला उत्पादन और ओवरबर्डन हटाने के निर्धारित लक्ष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जय अंबे इंडस्ट्रियल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कामकाज तथा भुगतान प्रक्रिया पर भी चर्चा तेज है। परियोजना के उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार प्रतिदिन 96,878 क्यूबिक मीटर ओवरबर्डन हटाने और 10,286 मीट्रिक टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित बताया गया है। वहीं, सूत्रों के अनुसार कंपनी प्रतिदिन लगभग 50 से 60 हजार क्यूबिक मीटर ओवरबर्डन हटाने और 6 से 7 हजार मीट्रिक टन कोयला उत्पादन कर पा रही है। हालांकि इन आंकड़ों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। यदि आंकड़े सही हैं तो निर्धारित लक्ष्य और वास्तविक उत्पादन के बीच अंतर की समीक्षा जरूरी है। मामले में बार-बार हिडेंस दर्ज किए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। मांग की जा रही है कि पिछले छह महीनों के उत्पादन रिकॉर्ड, हिडेंस रजिस्टर, निरीक्षण रिपोर्ट, भुगतान और पेनाल्टी कटौती का विवरण सार्वजनिक किया जाए। परियोजना की निगरानी व्यवस्था और अधिकारियों की जिम्मेदारी को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। अब प्रबंधन से निष्पक्ष जांच और दस्तावेजों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग हो रही है।

चोपन में भदोही के पूर्व विधायक डॉ. उदयभान सिंह का भव्य स्वागत

भाजपा जिला प्रतिनिधि सुनील सिंह के नेतृत्व में श्याम लॉज में आयोजित हुआ स्वागत समारोह, सैकड़ों लोगों ने फूल-मालाओं से किया अभिनंदन।



समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

चोपन/ सोनभद्र। भदोही के पूर्व विधायक डॉ. उदयभान सिंह के चोपन आगमन पर भाजपा जिला प्रतिनिधि सुनील सिंह के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों एवं समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया। नगर स्थित प्रसिद्ध श्याम लॉज परिसर में आयोजित स्वागत समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं भाजपा समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी। चोपन पहुंचने पर कार्यकताओं ने पूर्व विधायक डॉ. उदयभान सिंह को फूल-मालाओं से लादकर उनका जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्वागत समारोह में पूर्व विधायक ने उपस्थित लोगों से आत्मीय मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना।

इस अवसर पर डॉ. उदयभान सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सोनभद्र, विशेषकर चोपन की जनता से मिलने वाला स्नेह, सम्मान और अपनापन उन्हें सदैव जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर जनपद सोनभद्र के प्रमुख संघ अध्यक्ष राजन सिंह, पूर्व विधायक के सुपुत्र एवं युवा समाजसेवी आशीष प्रताप सिंह, अभय पटेल, शीतल उपाध्याय, अजित सिंह, धीरज सिंह, भाजपा जिला प्रतिनिधि सुनील सिंह, अपना दल (एस) के जिला महासचिव श्यामाचरण गिरी, संजय चेतन, चोपन मंडल उपाध्यक्ष धर्मेंद्र जायसवाल, जीतू सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हेरोइन तस्करी के आरोपी की 82 लाख की संपत्ति कुर्क, मकान को पुलिस ने किया सील

अवैध नशे के कारोबार से अर्जित संपत्ति पर प्रशासन का चला डंडा, एसडीएम और सीओ की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

डाला/ सोनभद्र। नगर क्षेत्र में अवैध हेरोइन के कारोबार के जरिए अकूत संपत्ति अर्जित करने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रविवार को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने डाला चंद्रनगर डाला चढ़ाई निवासी हेरोइन तस्करी की आरोपी सुनीता उर्फ बुचिया पत्नी सुधीर उर्फ छोटू, वार्ड नंबर चार की करीब 82 लाख रुपये की संपत्ति को कुर्क करते हुए मकान को सील कर दिया। इस कार्रवाई से अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान ओबरा उपजिलाधिकारी रवि कुमार एवं सीओ सिटी रणधीर मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पहले



मुनादी कराई गई। इसके बाद मकान की दीवारों पर कुर्की संबंधी नोटिस चस्पा किया गया और नियमानुसार मकान को सील कर दिया गया। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। बताया जाता है कि सुनीता उर्फ बुचिया और उसका पति सुधीर उर्फ छोटू लंबे समय से अवैध हेरोइन के कारोबार में संलिप्त रहे हैं। इस मामले में दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत चोपन थाने में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के मुताबिक, दोनों को पूर्व में भी कई बार गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वर्तमान में पति-पत्नी दोनों एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल में बंद हैं। इस संबंध में सीओ सिटी रणधीर मिश्रा ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। थाना चोपन में एनडीपीएस एक्ट के तहत पंजीकृत मुकदमे में आरोपी सुनीता उर्फ बुचिया द्वारा अवैध नशे के कारोबार से अर्जित की गई संपत्ति का विवरण न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। न्यायालय के आदेश के क्रम में लगभग 82 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की गई है। गौरतलब है कि पुलिस ने बीते कुछ माह पूर्व अवैध हेरोइन के कारोबार में संलिप्त आरोपियों को भारी मात्रा में हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। इस दौरान नशे के कारोबार से जुड़े वाहनों और मोबाइल फोन की भी बरामदगी हुई थी। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा गया था। अब अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति पर प्रशासन ने शिकंजा कसते हुए कुर्की की कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई को नगर क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नशे के कारोबार से युवाओं और समाज पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की संपत्ति पर कार्रवाई होने से इस धंधे में शामिल अन्य लोगों को भी कड़ा संदेश जाएगा। कार्रवाई के दौरान चोपन थाना प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता, उप निरीक्षक उमाकांत सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, कृष्ण मोहन सिंह, विनोद कुमार यादव, रामज्ञान यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बाइक मैकेनिक के बेटे सचिदानंद पाल ने रचा इतिहास, रेलवे में मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक पद पर हुआ चयन

गरीबी और संघर्ष को मात देकर हासिल की सरकारी नौकरी, सोनभद्र के युवा की सफलता बनी प्रेरणा

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर कठिन परिस्थितियों को मात देकर सफलता हासिल करने वाले रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र के ग्राम लोढ़ी निवासी सचिदानंद पाल ने रेलवे में सरकारी नौकरी हासिल कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। एक साधारण बाइक मैकेनिक के बेटे की यह उपलब्धि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बन गई है। सचिदानंद पाल, पुत्र अरविंद कुमार, का चयन रेलवे भर्ती बोर्ड, मालदा द्वारा जारी केंद्रीकृत रोजगार सूचना (CEN) संख्या 05/2024 के तहत एनटीपीसी स्नातक श्रेणी में मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक (Chief Commercial-cum-Ticket Supervisor) पद पर हुआ है। रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से जारी अनंतिम प्रथम भाग पैनल में उनका नाम शामिल किया गया है। सचिदानंद ने वर्ष 2018 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी हासिल करने के लक्ष्य के साथ तैयारी शुरू कर दी। सीमित आर्थिक संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच उन्होंने निरंतर मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य की



ओर कदम बढ़ाए। सफलता की राह में उन्हें कई चुनौतियों और असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। अपने आत्मविश्वास और मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर लगातार प्रयास जारी रखा और आखिरकार रेलवे में चयनित होकर अपने सपने को साकार कर लिया। रेलवे भर्ती बोर्ड मालदा की ओर से जारी पैनल कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (CBT), कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (CBAT), कंप्यूटर आधारित टंकण कौशल परीक्षा (CBTST), दस्तावेज सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण सहित निर्धारित मानदंडों के आधार पर तैयार किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों की आगे की भर्ती प्रक्रिया के लिए पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारियों को संस्तुति की गई है। सचिदानंद की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। उन्होंने अपने दादा देव नाथ प्रसाद, जिन्हें दूध नाथ मिस्त्री के नाम से भी जाना जाता है, की इच्छाओं को पूरा कर परिवार को गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि पर चाचा मुकेश पाल, छोटू पाल और नंदन पाल सहित क्षेत्र के अन्य लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी। सचिदानंद पाल की सफलता की कहानी यह साबित करती है कि आर्थिक तंगी और विपरीत परिस्थितियां किसी व्यक्ति के सपनों को रोक नहीं सकतीं, यदि उसके भीतर मेहनत करने का जज्बा और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो।

उनकी उपलब्धि क्षेत्र के उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

म्योरपुर थाने के नए प्रभारी ने पत्रकारों के साथ की बैठक, शांति व्यवस्था के लिए मांगा सहयोग

समाज जागरण

म्योरपुर/ सोनभद्र। म्योरपुर थाने के नए प्रभारी रामसिंहासन शर्मा ने रविवार को थाना परिसर में क्षेत्रीय पत्रकारों के साथ परिचयात्मक बैठक की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पत्रकारों से सहयोग मांगा। बैठक में प्रभारी ने कहा कि पुलिस और पत्रकारों का उद्देश्य समाज की भलाई करना है। अवैध खनन, अवैध शराब, चोरी और अन्य आपराधिक



गतिविधियों पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली हो। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि थाना क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि, अपराध या कानून-व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या दिखे तो पुलिस को तुरंत सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके। उन्होंने आम लोगों से भी बिना डर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने को कहा। शर्मा ने कहा कि शिकायतों का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर खास नजर रखने और पीड़ितों को जल्द न्याय दिलाने की बात भी कही। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार अशोक दुबे, राजीव मिश्रा, अमिताभ मिश्रा, सत्यपाल सिंह, रविशंकर अग्रहरि, विकास सिंह, पंकज सिंह, शारदा प्रसाद, अजीत कुमार, संदीप अग्रहरि, मुकेश सोनी, बाबूलाल शर्मा और प्रशांत दुबे सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

सघन पल्स पोलियो महाअभियान का शुभारंभ, 3.09 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दो बूंद

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जिले में रविवार को दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत रहे बरकरार स्लोगन के साथ सघन पल्स पोलियो महाअभियान का शुभारंभ हुआ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान की शुरूआत की। स्वास्थ्य विभाग ने इस अभियान के तहत जिले में पांच वर्ष तक के 3,09,381 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सीएमओ डॉ. रमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान रविवार से शुरू होकर शनिवार तक चलेगा। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। जिले में कुल 1099 पोलियो बूथ, 36 ट्रांजिट टीमें और 7 मोबाइल टीमें गठित की गई हैं। बूथों पर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।उन्होंने बताया कि बूथ दिवस के बाद अगले दिन से स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर



जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। अभियान में पांच वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों को शामिल किया जाएगा। विशेष बात यह है कि यदि किसी बच्चे ने अभियान के दौरान एक दिन पहले भी पोलियो की खुराक पी ली है, तब भी घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीम उसे दोबारा खुराक पिलाएगी, ताकि कोई भी बच्चा अभियान से छूटने न पाए। सीएमओ ने बताया कि भारत को पोलियो मुक्त घोषित किया जा चुका है, लेकिन दुनिया के कुछ देशों में अभी भी पोलियो संक्रमण की समस्या बनी हुई है। ऐसे में दूसरे देशों से संक्रमण का खतरा बना रहता है। बच्चों को इस बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए समय-समय पर पल्स पोलियो अभियान चलाया जाता है।

उन्होंने बताया कि घर-घर अभियान के बावजूद यदि कोई बच्चा छूट जाता है तो बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर स्टेटिक टीमों के माध्यम से पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। यदि कोई अभिभावक अपने बच्चे को पोलियो ड्रॉप पिलाने से इनकार करता है तो ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित कर प्रशासन के सहयोग से बच्चे को खुराक पिलाने का प्रयास किया जाएगा। सीएमओ ने अभिभावकों से अपील की कि पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रह जाए।

समावेशी नीति संकल्प कार्यशाला में शामिल हुए मंत्री संजीव गोंड, नितिन नवीन से मिला मार्गदर्शन

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री ने आज नई दिल्ली में आयोजित समावेशी नीति संकल्प कार्यशाला में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भेंट कर समाज कल्याण एवं वंचित वर्गों के उत्थान से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के समाज कल्याण मंत्रियों के साथ समाज के वंचित, शोषित और कमजोर वर्गों के समग्र उत्थान तथा सशक्तीकरण से जुड़ी जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न राज्यों द्वारा संचालित सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों (Best Practices) और सफल नवाचारों के आदान-प्रदान पर भी गहन विचार-



विमर्श किया गया, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और स्टैंड-अप इंडिया Stand-Up India जैसी दूरदर्शी पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की ये योजनाएं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देकर अनुसूचित जाति, जनजाति एवं वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर मंत्री संजीव कुमार गोंड ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय एवं समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही प्रमुख योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के मार्गदर्शन और विभिन्न राज्यों के अनुभवों से प्राप्त सुझावों को उत्तर प्रदेश में योजनाओं के और बेहतर क्रियान्वयन के लिए लागू किया जाएगा, जिससे विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को नई गति मिलेगी।

बारिश के बीच भी स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी भीड़, करीब 150 लोगों ने उठाया लाभ

चोपन में शशि डायग्नोस्टिक्स का शुभारंभ, राधेश्याम चैरिटेबल फाउंडेशन ने मेट्रो हॉस्पिटल नोएडा के सहयोग से शुरू किया तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर



समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

चोपन/ सोनभद्र। स्थानीय प्रह्लाद कॉम्प्लेक्स में रविवार को शशि डायग्नोस्टिक्स एवं तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य अमित मिश्र एवं चोपन नगर पंचायत के अध्यक्ष उस्मान अली ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर नोएडा से आए मेट्रो हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने लोगों की स्वास्थ्य जाँच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। राधेश्याम चैरिटेबल फाउंडेशन के महासचिव सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि शशि डायग्नोस्टिक्स की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य क्षेत्रवासियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण पैथोलॉजी जाँच की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। अब सामान्य जाँच के लिए लोगों को दूसरे शहरों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इससे मरीजों और उनके परिजनों के समय एवं आर्थिक खर्च की बचत होगी तथा समय पर बीमारी की पहचान और उपचार में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि संस्था का मानना है कि स्वास्थ्य सुविधाओं पर समाज के प्रत्येक व्यक्ति का समान अधिकार है। इसी उद्देश्य से केंद्र की सेवाएँ सभी वर्गों के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेष रूप से दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों, जनजातीय बस्तियों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक स्वास्थ्य जाँच की सुविधा पहुँचाना संस्था की प्राथमिकता है। गौरतलब है कि शशि डायग्नोस्टिक्स, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र के संरक्षण एवं श्रीमती शशि कला त्रिपाठी की अध्यक्षता में संचालित राधेश्याम चैरिटेबल फाउंडेशन की जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर में सामान्य बीमारियों, हड्डी एवं जोड़ों की समस्याओं, नेत्र रोगों तथा महिला स्वास्थ्य से संबंधित परेशानियों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जा रहा है। लगातार हो रही बारिश के बावजूद स्वास्थ्य शिविर के पहले दिन लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और करीब 150 लोगों ने पहुँचकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

आयोजकों के अनुसार, शिविर 23 एवं 24 नवंबर को भी सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक प्रह्लाद कॉम्प्लेक्स, चोपन में जारी रहेगा। क्षेत्रवासियों से शिविर में पहुँचकर निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाने की अपील की गई है।

तीन दिन से जाम में जकड़ा बीजपुर - बकरीहवा मार्ग के नकटू मे सख वाहनों की रफ्तार पर जनता की जिंदगी ठहरी, जिम्मेदार मौन!

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार

बीजपुर/ सोनभद्र। बीजपुर के बकरीहवा से नकटू मार्ग तक पिछले तीन दिनों से जाम की समस्या लगातार बनी हुई है। कहीं भारी वाहनों का ब्रेकडाउन तो कहीं ओवरलोड राख वाहनों की लंबी कतारें, इन सबके बीच सड़क पर चलने वाले आम लोगों की जिंदगी मानो थम सी गई है। जाम की स्थिति ऐसी है कि यात्रियों को घंटों इंतजार करने के बाद भी राहत नहीं मिल रही है। ओवरलोड राख वाहनों की आवाजाही और खराब हो रहे भारी वाहनों के चलते मार्ग पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित नजर आ रही है। लेकिन सवाल यह है कि जब तीन दिनों से सड़क पर जाम की स्थिति बनी हुई है, तो जिम्मेदार प्रशासनिक तंत्र आखिर कहां है? एनटीपीसी प्रबंधन भी इस समस्या से अपना पल्ला झाड़ता नजर आ रहा है। राख परिवहन से जुड़ी समस्याएं लगातार आम लोगों के सामने हैं, लेकिन समाधान की दिशा में ठोस



पहल कब होगी, यह अब भी सवाल बना हुआ है। सबसे ज्यादा परेशानी बसों में सफर कर रहे बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को उठानी पड़ रही है। कई यात्रियों को जाम में फंसने के बाद मजबूरन कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। किसी को अपने गंतव्य तक पहुंचने की चिंता है तो किसी को जरूरी काम छूटने का डर, लेकिन सड़क पर जाम के बीच लोगों की मजबूरी देखने वाला जिम्मेदार तंत्र फिलहाल अपेक्षित सक्रियता नहीं दिखा रहा है। विडंबना यह है कि जाम खुलवाने और फंसे यात्रियों को राहत दिलाने के लिए कुछ स्थानीय लोग आगे आकर प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोग अपने स्तर से यातायात सुचारु कराने में जुटे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या सड़क और यातायात व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी भी अब आम जनता ही निभाएगी? तीन दिन से जाम, परेशान जनता और जिम्मेदारों की चुप्पी आखिर कब टूटेगी? अब देखना है कि इस मार्ग पर लोगों को राहत कब मिलती है या फिर जनता इसी तरह जाम के बीच अपनी मंजिल तलाशती रहेगी।

चोपन में धूमधाम से मनाई गई स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की जयंती, सपाइयों ने दी श्रद्धांजलि; कई लोगों ने ग्रहण की पार्टी की सदस्यता

समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

चोपन/ सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव का जन्मोत्सव समारोह रविवार को चोपन बस स्टैंड पर भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और स्थानीय नेताओं ने नेताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके राजनीतिक एवं सामाजिक संघर्षों को याद किया। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने एक साधारण किसान परिवार से निकलकर सामंतवादी व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष किया। उन्होंने दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, किसानों, व्यापारियों, छात्रों, नौजवानों और महिलाओं को





समाज में सम्मान एवं अधिकार दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. राम मनोहर लोहिया के सानिध्य में किसानों के नहर रेट आंदोलन के दौरान वे दो वर्षों तक जेल में भी रहे। जेल से रिहा होने के बाद भी उन्होंने गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए निरंतर संघर्ष किया। वक्ताओं ने कहा कि तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहते हुए नेताजी ने प्रदेश के विकास और सभी वर्गों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। देश के रक्षा मंत्री के रूप में उनके ऐतिहासिक निर्णय को भी याद किया गया, जिसके तहत शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर को पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनके पैतृक आवास तक पहुंचाने की व्यवस्था शुरू की गई थी।

चौकी शिवद्वार से दीवान रणजीत यादव का चोपन स्थानांतरण, स्थानीय लोगों ने भावभीनी विदाई देकर दी शुभकामनाएं

समाज जागरण/ डॉ अरुण पांडेय "गुरुजी"

घोरावल/ सोनभद्र। चौकी शिवद्वार में तैनात दीवान रणजीत यादव का स्थानांतरण चोपन, जनपद सोनभद्र होने पर स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने फूल-मालाओं एवं अंगवस्त्र से उनका सम्मान करते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह के दौरान स्थानीय लोगों ने कहा कि दीवान रणजीत यादव का व्यवहार सदैव सरल, सहज एवं मिलनसार रहा। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आमजन के साथ बेहतर संवाद, सहयोग और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उनके कार्यव्यवहार और सहयोगात्मक स्वभाव को स्थानीय लोग हमेशा याद रखेंगे। इस अवसर पर प्रधान पुजारी अभिषेक गिरी, वरिष्ठ समाजसेवी अमित मिश्रा, मोहित, शिपुल, विनीत, अश्वनी, अंकुल, गुलाब, राहुल समेत क्षेत्र के अनेक गणमान्य एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।



सभी ने एक स्वर में कहा कि स्थानांतरण प्रशासनिक सेवा का हिस्सा है, लेकिन अपने अच्छे व्यवहार और कार्यशैली से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले व्यक्ति हमेशा याद किए जाते हैं। अंत में सभी ने दीवान रणजीत यादव के नए कार्यस्थल चोपन में सफल कार्यकाल, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी। "पद और स्थान बदलते रहते हैं, लेकिन अच्छे व्यवहार और सेवा भाव से बनाई गई पहचान हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहती है।"

कांग्रेस पदाधिकारियों ने बीएलओ के सहयोग से भरवाए फॉर्म-6

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी जनपद बिजनौर

नजीबाबाद। आज दिनांक 22 नवंबर 2026 को जिला अध्यक्ष हैनरीता राजीव सिंह के निर्देशानुसार कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा आचार्य एन. केला कॉलेज, पुचकार में बीएलओ के सहयोग से नए मतदाताओं के नाम मतदाता



सूची में जुड़वाने हेतु फॉर्म-6 भरवाए गए। इस दौरान कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी सलाउद्दीन सैफी, राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के कोषाध्यक्ष अमजद सिद्दीकी तथा वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सलीम सैफी ने सहयोग किया। कार्यक्रम में बीएलओ सुनीता रानी, ओमवती देवी, सलमा परवीन, मास्टर अमीर, गुलिस्तान सैफी एवं विजेंद्र सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अभियान का उद्देश्य पात्र नए मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने में सहयोग करना रहा।

बंद घरों को निशाना बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश, सात आरोपी गिरफ्तार

गिरोह का सरगना और चोरी के आभूषण खरीदने वाला ज्वेलर्स भी गिरफ्तार, दो एलईडी टीवी, सोना-चांदी, इन्वर्टर और बैटरी बरामद

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



किशनगंज पुलिस ने शहर के खगड़ा माछमारा इलाके में बंद घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में गिरोह का कथित सरगना और चोरी के आभूषण खरीदने वाला एक ज्वेलर्स भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, दो एलईडी टीवी, एक इन्वर्टर और एक बैटरी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 14 नवंबर 2026 को खगड़ा माछमारा निवासी शाहिद अफरीदी के करीब एक वर्ष से बंद पड़े घर का ताला तोड़कर चोरों ने अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण, टीवी, इन्वर्टर और बैटरी सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया था। इस मामले में गृहस्वामी के आवेदन पर किशनगंज थाना कांड संख्या 1248/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) एवं 331(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

घटना के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। इसी क्रम में 21 नवंबर को गुप्त सूचना के आधार पर किशनगंज थाना क्षेत्र से कथित सरगना शमशेर अंसारी उर्फ गोर्की (36) को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने गिरोह के काम करने के तरीके का खुलासा किया। गिरोह के सदस्य दिन में अलग-अलग इलाकों में घूमकर ऐसे घरों की रेकी करते थे, जो लंबे समय से बंद रहते थे। इसके बाद रात में मौका देखकर घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लेते थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह में कुल सात अपराधकर्मी शामिल थे।

गिरफ्तार शमशेर की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के आभूषणों की खरीदारी करने के आरोप में नगर क्षेत्र के तेघरिया निवासी मनोज सोनार (50), जो मनोज ज्वेलर्स का संचालक बताया गया है, को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से दो ग्राम सोना और 78 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए। इसके अलावा चोरी के दो एलईडी टीवी, एक इन्वर्टर और एक बैटरी भी बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में शमशेर अंसारी उर्फ गोर्की, मो. सज्जाद, अरमान, छोटू अंसारी, शकील रहमान, मो. सुभान और मनोज सोनार शामिल हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य संभावित आपराधिक मामलों में संलिप्तता की जांच कर रही है। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास का भी पता लगाया जा रहा है।

इस कार्रवाई में एसडीपीओ-1 खुशरू सिराज, पुलिस निरीक्षक रामबलेश्वर राय, किशनगंज थानाध्यक्ष मुकेश कुमार, जिला आसूचना इकाई के प्रभारी मो. मुश्ताक सहित किशनगंज थाना और जिला आसूचना इकाई के पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

अर्राबाड़ी निकाह विवाद पर सोशल मीडिया में छिड़ी बहस, दोनों पक्षों ने रखा अपना पक्ष

मुनाजरे की चुनौती और सवालों के जवाब को लेकर आमने-सामने आए दोनों पक्ष, सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



पोठिया प्रखंड के आमगाछ अरार्बाड़ी में 13 नवंबर को निकाह की मजलिस के दौरान उत्पन्न विवाद अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। निकाह से पहले मसलक को लेकर कथित शर्त रखे जाने पर लड़की और मजलिस में मौजूद लोगों ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद निकाह की प्रक्रिया रुक गई और प्रस्तावित रिश्ता ऐन मौके पर टूट गया। घटना के बाद दोनों परिवारों के बीच सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिनिधियों की मध्यस्थता से मामले को सुलझाने का प्रयास भी किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में लगाए गए आरोपों के मुताबिक, निकाह पढ़ाने पहुंचे बरेलवी आलिम मौलाना शफीउर्रहमान ने लड़की से देवबंदी मसलक से तौबा करने और चार प्रमुख देवबंदी उलमा को काफिर कहने की कथित शर्त रखी थी। बताया गया कि उन्होंने ऐसा किए बिना निकाह पढ़ाने पर अपने ईमान को लेकर भी बात कही थी। इस पर निकाह की मजलिस में मौजूद लोगों ने नाराजगी जताई और लड़की ने भी ऐसी शर्तों पर निकाह करने से इनकार कर दिया।

घटना की जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद दोनों मसलकों से जुड़े धार्मिक एवं सामाजिक लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। इसी क्रम में 16 नवंबर को पोठिया की जामा मस्जिद में उलमा काउंसिल इस्लामपुर, जिला उत्तर दिनाजपुर की ओर से बैठक आयोजित की गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में बरेलवी मसलक के कुछ उलमा ने देवबंदी उलमा को मुनाजरे की चुनौती दी। इस दौरान मुफ्ती फिरोज आलम मिस्बाही और मौलाना शमशेर आलम रिजवी सहित अन्य लोगों का उल्लेख किया गया। इसके जवाब में उलेमा-ए-हक किशनगंज, उलमा-ए-देवबंद की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुनाजरे की चुनौती स्वीकार करने की बात कही गई। हालांकि, विज्ञप्ति में यह भी कहा गया कि वे धार्मिक मतभेदों को लेकर विवाद और मुनाजरे की राजनीति को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। इसके बावजूद चुनौती स्वीकार करते हुए बरेलवी मसलक के किसी प्रमाणित दारुल इफ्ता से दो सवालों पर लिखित जवाब मांगा गया है।

पहला सवाल अंतरमसलकी निकाह की वैधता से संबंधित है। इसमें पूछा गया है कि किशनगंज और उत्तर दिनाजपुर में अलग-अलग मसलक से ताल्लुक रखने वाले युवक-युवतियों के बीच हुए निकाह, जिन्हें बरेलवी आलिम ने पढ़ाया है, क्या धार्मिक दृष्टि से दुरुस्त हैं? साथ ही ऐसे निकाह पढ़ाने वाले आलिम के ईमान को लेकर क्या धार्मिक राय है? दूसरा सवाल इसी प्रकार के उन निकाहों को लेकर है, जिन्हें देवबंदी आलिम ने पढ़ाया है। दोनों परिस्थितियों में निकाह की वैधता और उनसे जन्म लेने वाली संतानों की धार्मिक स्थिति पर स्पष्ट जवाब मांगा गया है।

प्रेस विज्ञप्ति में 24 नवंबर 2026 तक किसी प्रमाणित बरेलवी दारुल इफ्ता से संबंधित उलमा एवं मुफ्तियों के हस्ताक्षरयुक्त जवाब उपलब्ध कराने की मांग की गई है। जवाब मिलने के बाद मुनाजरे की तारीख और स्थान आपसी सहमति से निर्धारित करने की बात कही गई है।

इधर, उलेमा-ए-अहले सुन्नत का पक्ष जानने के लिए बातचीत करने पर मुफ्ती फिरोज आलम मिस्बाही ने बताया कि उलमा-ए-देवबंद की ओर से जारी लेटर पैड पर उठाए गए सभी सवालों का जवाब मुनाजरे के मंच पर ही दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सवाल का जवाब उसी दौरान स्पष्ट रूप से रखा जाएगा। इसके लिए दोनों पक्ष आपसी सहमति से मुनाजरे की तारीख तय करेंगे। निर्धारित तिथि पर दोनों पक्षों के उलमा आमने-सामने बैठकर अपना-अपना पक्ष रखेंगे।

फिलहाल अरार्बाड़ी की घटना से शुरू हुआ विवाद धार्मिक बहस का रूप ले चुका है। ऐसे में क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों और सामाजिक कार्यकताओं की अपील है कि दोनों पक्ष संयम और आपसी सम्मान बनाए रखें तथा संवाद के जरिए मामले को आगे बढ़ाएं। धार्मिक मतभेदों को सामाजिक तनाव का कारण नहीं बनने दिया जाए, ताकि सीमांचल में आपसी भाईचारा, सद्भाव और सामाजिक एकता कायम रहे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



बहादुरगंज (किशनगंज)। बहादुरगंज प्रखंड की समेसर पंचायत अंतर्गत तकिया वार्ड संख्या-9 निवासी टिंकू गणेश (पिता महादेव गणेश) की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है, वहीं गांव में शोक की लहर है। परिजनों ने युवक की मौत को महज सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है।

मिली जानकारी के अनुसार, टिंकू गणेश टप्पू स्थित साहू मोटर्स शोरूम में काम करते थे। रोज की तरह काम समाप्त करने के बाद वह घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए किशनगंज सदर अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

मृतक की भाभी रीता देवी ने बताया कि टिंकू रोज शोरूम जाते थे और काम खत्म होने के बाद घर लौटते थे। घटना वाली रात उन्होंने उस व्यक्ति को फोन कर टिंकू के बारे में जानकारी ली, जिसके पास टिंकू रहता था। इस पर बताया गया कि एकादशी पर्व के कारण सभी स्टाफ ने छुट्टी कर ली है और टिंकू शोरूम से निकल चुका है। वह पेट्रोल पंप के रास्ते घर जाएगा और संभव है कि घर पहुंच गया हो।

रीता देवी के अनुसार, करीब आधे घंटे बाद शोरूम संचालक का फोन आया कि टिंकू का एक्सीडेंट हो गया है और अस्पताल में उसका प्राथमिक उपचार कराया गया है। इसके बाद उनके पति और ससुर अस्पताल पहुंचे। उस समय टिंकू को बेहतर इलाज के लिए किशनगंज ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों का कहना है कि घटना की परिस्थितियां संदेह पैदा कर रही हैं। उन्हें आशंका है कि टिंकू की जानबूझकर हत्या की गई है और इसे सड़क हादसे का रूप दिया गया है। हालांकि, इस आशंका की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर घटना की वास्तविक सच्चाई सामने लाने की मांग की है।

घटना की सूचना मिलने पर रविवार दोपहर बहादुरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए किशनगंज सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बताया जाता है कि टिंकू की शादी कुछ वर्ष पहले ही हुई थी। उनके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। कम उम्र में परिवार के मुखिया की मौत से पत्नी, बच्चों और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजन अब पुलिस जांच के जरिए घटना की सच्चाई सामने आने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

शराब के नशे में हंगामा करने पर डीएम कार्यालय का बड़ा बाबू गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।



बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद शराब सेवन के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला किशनगंज जिला मुख्यालय का है, जहां शराब के नशे में हंगामा करने के आरोप में डीएम कार्यालय के जनरल सेक्शन में कार्यरत बड़ा बाबू अशोक सहनी (46) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम शहर के धरमगंज स्थित सरदार गोपाल स्कूल के समीप अशोक सहनी कथित तौर पर शराब के नशे में हंगामा कर रहे थे। उनके हंगामे से परेशान स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही किशनगंज थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक महेश कुमार यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्हें हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए अशोक सहनी के मुंह से शराब जैसी गंध आ रही थी। इसके बाद उन्हें सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा 308 एमजी/100 एमएल दर्ज की गई।

इसके बाद पुलिस ने शराब सेवन के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अशोक सहनी शहर के डुमरिया वार्ड संख्या-30 निवासी भुवनेश्वर सहनी के पुत्र हैं। वे समाहरणालय परिसर स्थित डीएम कार्यालय के जनरल सेक्शन में बड़ा बाबू के पद पर कार्यरत हैं।

इस संबंध में सदर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि शराब के नशे में हंगामा करने की सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। वहीं, एसडीपीओ-1 खुशरू सिराज ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। सरकारी कार्यालय के कर्मी की गिरफ्तारी के बाद यह मामला प्रशासनिक महकमे में भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बागबेड़ा-जुगसलाई नगर इकाई की घोषणा, 50 से अधिक युवाओं ने ली सदस्यता

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ



जमशेदपुर (झारखंड) 22 नवंबर 2026ः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) जमशेदपुर महानगर अंतर्गत बागबेड़ा-जुगसलाई नगर इकाई की घोषणा रविवार को बागबेड़ा स्थित लोहिया भवन, सिद्धू-कान्हू मैदान में कार्तिक झा के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस अवसर पर 50 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने परिषद की सदस्यता ग्रहण की।

इकाई घोषणा के दौरान ऋतिक मिश्रा को नगर मंत्री, सुमित कुशवाहा एवं गोविंदा यादव को नगर सहमंत्री, प्रीतम शर्मा को एसएफएस प्रमुख तथा विमल को एसएफडी प्रमुख का दायित्व सौंपा गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से देवी सिंह, अभिषेक कुमार एवं सौरभ ठाकुर सहित रवि साहिल, अभय, सौरभ सुतिया, हर्षित, योगेश कुमार, ऋषि, सोनू, अनुभव, आयुष, अंकित मिश्रा एवं कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कार्तिक झा ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव छात्रहित एवं राष्ट्रहित में कार्य करती आई है। बागबेड़ा-जुगसलाई क्षेत्र में नई इकाई का गठन विद्यार्थियों की समस्याओं को मजबूती से उठाने और युवाओं को सकारात्मक नेतृत्व प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, कार्यकताओं एवं नवसदस्यों ने सामूहिक रूप से वीर शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके साथ ही कार्यक्रम का विधिवत समापन हुआ।

नबीनगर के युवक की डेहरी में ट्रक से कुचलकर मौत, परिवार में मचा कोहराम

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)



नबीनगर (बिहार)नगर पंचायत क्षेत्र नबीनगर के एक युवक की डेहरी में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान पंकज कुमार गुप्ता, पिता प्रेमचंद प्रसाद गुप्ता के रूप में हुई है। घटना की खबर मिलते ही नबीनगर में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार पंकज कुमार गुप्ता डेहरी में एक किराना दुकान में काम करता था। वह रोज की तरह दुकान पर काम कर रहा था। इसी दौरान वह किसी काम से सड़क पार कर रहा था।

थबताया जा रहा है कि डेहरी में कोल डिपो के समीप सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार से आ रही ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पंकज की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को द।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पंकज की मौत की खबर जैसे ही नबीनगर स्थित उसके घर पहुंची, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। वहीं पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने कहा कि कोल डिपो के समीप अक्सर तेज रफ्तार वाहनों का आवागमन रहता है, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से इस क्षेत्र में स्पीड ब्रेकर लगाने और ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

पटना में उपचार के दौरान युवक की मौत के बाद आक्रोश रानीपुर-सुदर्शन पथ दो घंटे जाम

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के खाजेकला थाना क्षेत्र के रानीपुर-सुदर्शन पथ को रविवार को वाहन की टक्कर में घायल हुए युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। सड़क पर उतरे लोगों के अनुसार, बीते आठ नवंबर को मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के रानीपुर उपरि गली निवासी सोनू कुमार को रानीपुर जल्ला गली के पास एक तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजन आनन-फानन में उसे इलाज के लिए एनएमसीएच ले गए और बाद में बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। कई दिनों तक चले उपचार के बावजूद शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई। सोनू की मौत की खबर मिलते ही रविवार को परिजन और मोहल्ले के लोग आक्रोशित हो उठे और रानीपुर के पास सुदर्शन पथ पर उतर आए। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। लोगों ने सड़क जाम कर प्रशासन और संबंधित पक्ष से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। जाम के कारण चौकशिकारपुर से अगमकुंआ के बीच वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सड़क जाम की सूचना मिलते ही खाजेकला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। जाम हटाने को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच कुछ देर तक कहा-सुनी भी हुई। अंततः पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। करीब दो घंटे बाद सड़क जाम समाप्त हो सका, जिसके बाद सुदर्शन पथ पर वाहनों का परिचालन सामान्य हुआ। परिजनों ने बताया कि मृतक सोनू ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी असमय मौत से परिवार के सामने रोजी-रोटी और भविष्य का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। परिजन बिलखते हुए पूछ रहे थे कि अब परिवार का सहारा कौन बनेगा। वहीं, पुलिस का कहना है कि पूरे मामले में विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

पटना के अंकुरी गांव के पास नहर में पलटी तेज रफ्तार कार, चारों सवार सुरक्षित बचे

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत महबलीपुर ओपी क्षेत्र में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। यहां तेज रफ्तार से जा रही एक कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नहर में पलट गई। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कार में सवार सभी चारों लोगों को स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार अरवल से पटना की ओर आ रही थी। इसी दौरान महबलीपुर ओपी इलाके के अंकुरी गांव के पास वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक ने संतुलन खो दिया। देखते ही देखते कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के तुरंत बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही महबलीपुर ओपी की पुलिस टीम बिना देर किए घटनास्थल पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से तुरंत बचाव और राहत कार्य शुरू किया। दोनों के साझा प्रयास से नहर में गिरी कार के अंदर मौजूद चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद नहर मार्ग पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसके कारण कुछ समय के लिए इस मार्ग पर आवागमन भी बाधित रहा। बाद में स्थिति को सामान्य किया गया।

इस पूरे मामले को लेकर पालीगंज के महबलीपुर ओपी प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि अंकुरी गांव के पास नहर मार्ग पर कार गिरने की सूचना स्थानीय ग्रामीणों के माध्यम से मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ मिलकर राहत कार्य चलाया और कार सवार चारों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल पुलिस इस घटना के कारणों की छानबीन कर रही है।

पटना में बेमौसम बारिश से धान की फसलें गिरीं, किसान परेशान सरकार से आर्थिक सहायता की मांग

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश



पटना/ नवंबर महीने में चक्रवाती तूफान 'अकवान' के असर से हुई बेमौसम बारिश और तेज हवा ने किसानों की मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं। पटना जिले के ग्रामीण इलाकों में खेतों में पककर तैयार धान की फसल तेज हवाओं के कारण जमीन पर गिर गई है, जिससे भारी नुकसान की आशंका पैदा हो गई है। कटाई के मुहाने पर खड़े किसानों ने इस आपदा से हुए नुकसान के लिए सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है। शुक्रवार की शाम से रुक-रुककर हो रही बारिश ने फसल कटाई की तैयारी कर रहे किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई किसानों ने खेतों में धान की कटाई शुरू कर दी थी, लेकिन अचानक हुई बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया और कटी हुई फसल भीग गई। किसानों को डर सता रहा है कि यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ, तो खेतों में पड़ी फसल सड़ सकती है और धान के दानों पर दाग लगने से उसकी गुणवत्ता भी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। इस वर्ष खाद, बीज, कीटनाशक और मजदूरी पर बढ़ते खर्च के बावजूद किसानों ने बेहतर उपज की उम्मीद में धान की खेती की थी। तीन से चार महीने तक दिन-रात कड़ी मेहनत करने के बाद फसल पककर तैयार हुई थी। किसानों को उम्मीद थी कि अच्छी पैदावार से खेती की लागत निकल आएगी और परिवार की जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। लेकिन कटाई से ठीक पहले मौसम के बदले मिजाज ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। तेज हवा के कारण खेतों में खड़ी तैयार धान की फसल गिर गई है। वहीं, लगातार बारिश से खेतों में पानी और कीचड़ जमा हो गया है, जिससे खड़ी फसल की कटाई करना भी बेहद मुश्किल हो गया है। दूसरी ओर, जिन किसानों ने धान काट लिया था, उनके लिए भी भीगी हुई फसल को सुरक्षित बचाना बड़ी चुनौती बन गया है। किसानों को कहना है कि खेतों में गिरी धान की फसल को काटने और सुखाने में अब पहले से कहीं अधिक मेहनत और खर्च करना पड़ेगा। बारिश में भीगी कटी फसल के दाने काले पड़ सकते हैं, उन पर दाग लग सकते हैं और फसल के सड़ने की भी आशंका है। इससे धान की गुणवत्ता घटने के साथ बाजार में उचित कीमत न मिलने का खतरा है, जिससे किसानों को पैदावार कम होने और आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है।

पटना में सड़क हादसे में तीन महिला समेत चार की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के बाढ़ में एक शादी समारोह की खुशियां अचानक मातम में तब्दील हो गईं। अथमलगोला थाना क्षेत्र के सवनीमा पेट्रोल पंप के पास एक अनियंत्रित हाईवा ने स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में स्कॉर्पियो पर सवार सात लोगों में से तीन महिला समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए बाढ़ अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें पटना स्थित पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, बाढ़ थाना क्षेत्र के सिकंदरा गांव से बारात बख्तियारपुर के बेलथान गांव गई थी। शादी-विवाह की रस्में संपन्न होने के बाद बारात वापस सिकंदरा लौट रही थी। इसी दौरान अथमलगोला थाना क्षेत्र के सवनीमा पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार और अनियंत्रित हाईवा ने स्कॉर्पियो को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को अस्पताल भिजवाया और मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है और हादसे के बाद की स्थिति को संभालने में लगी है। इस दर्दनाक घटना की खबर जैसे ही सिकंदरा गांव पहुंची, पूरे गांव में कोहराम मच गया। जिस घर में शादी की शहनाई और खुशियों का माहौल था, वहां अचानक चीत्कार और मातम पसर गया। मृतकों और घायलों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग स्तब्ध हैं और इस हृदयविदारक घटना से हर कोई गमगीन है।

पटना के मनेर में ऑटो सवार युवक से बाइक सवार उचक्कों ने झपटा मोबाइल, फरार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के मनेर थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव के समीप बाइक सवार उचक्कों ने ऑटो पर सवार एक युवक का मोबाइल झपट्टा मारकर छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया। पीड़ित युवक ने मनेर थाने में अज्ञात उचक्कों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, बिहटा के नेउरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेउरा गांव निवासी साहिल कुमार ऑटो पर सवार होकर लोदीपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लोदीपुर गांव के समीप पीछे से तेज रफ्तार में आए बाइक सवार दो उचक्कों ने अचानक उनके हाथ में मौजूद मोबाइल पर झपट्टा मार दिया। इससे पहले कि युवक कुछ समझ पाते, उचक्के मोबाइल छीनकर बाइक से तेजी से फरार हो गए। अचानक हुई इस छिनतई की घटना से ऑटो सवार युवक घबरा गया और शोर मचाने लगा। युवक की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर जुटे और उचक्कों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आरोपित काफी दूर निकल चुके थे। घटना के बाद पीड़ित साहिल कुमार मनेर थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए लिखित आवेदन सौंपा। उन्होंने अज्ञात बाइक सवार उचक्कों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और छीने गए मोबाइल की बरामदगी की मांग की है। वहीं, पुलिस मामले की छानबीन कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।

लखनऊ में एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल, सीएम योगी की मौजूदगी में परखी गई आपातकालीन तैयारियां

- हवाई हमले से लेकर केमिकल अटैक तक का अभ्यास, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ ने दिखाया राहत-बचाव का दम
- ब्लैकआउट, बम धमाके और आगजनी का जीवंत प्रदर्शन, सुरक्षित शेल्टर में पहुंचाए गए नागरिक
- फायर सूट, अग्निशमन यंत्र और अस्थायी स्ट्रेचर से घायलों को बचाने के तरीके बताए

समाज जागरण

लखनऊ, 22 नवंबर। युद्ध जैसी आपात परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को परखने के लिए रविवार को लखनऊ पुलिस लाइन में नागरिक सुरक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से एयर रेड/ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज-2026 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आयोजित इस व्यापक मॉक ड्रिल में हवाई हमले, बम धमाके, आगजनी, इमारत ढहने, मलबे में लोगों के दबने, जहरीली गैस और रेडिएशन फैलने जैसी आपात स्थितियों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। अभ्यास के दौरान नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने समन्वित तरीके से राहत एवं बचाव अभियान चलाकर अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया।

मॉक ड्रिल की शुरूआत ब्लैकआउट और हवाई हमले के अलर्ट से हुई। सामान्य जनजीवन के बीच अचानक हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई। देखते ही देखते क्षेत्र में ब्लैकआउट हो गया और बम धमाकों की आवाज के साथ अलग-अलग स्थानों पर आग लगने तथा इमारतों के क्षतिग्रस्त होने का दृश्य तैयार किया गया। हमले की स्थिति में मौजूद नागरिक जमीन पर पेट के बल लेट गए और अपने कान एवं आंखों को हाथों से ढककर सुरक्षित रहने का अभ्यास करते दिखाई दिए। वहीं, कुछ लोगों को नजदीकी सुरक्षित शेल्टर और भवनों के बेसमेंट में पहुंचाया गया।

ब्लैकआउट और हवाई हमले से बचाव का दिया संदेश

मॉक ड्रिल के दौरान बताया गया कि ब्लैकआउट का मुख्य उद्देश्य दुश्मन के विमानों को नीचे स्थित रिहायशी इलाकों की पहचान करने से रोकना है। रेड अलर्ट जारी होने पर घरों की सभी लाइटें बंद करना और खिड़की-दरवाजों से दूर सुरक्षित स्थान पर रहना जरूरी है। अभ्यास के दौरान एयरफोर्स स्टेशन से सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम को हवाई हमला समाप्त होने का ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। नागरिक सुरक्षा के वार्डनों ने घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर भेजा, ताकि बचाव अभियान में कोई बाधा न आए और अतिरिक्त जनहानि की आशंका न रहे।

आग बुझाने के लिए दिखाए गए अलग-अलग तरीके

हवाई हमले के बाद घटनास्थल पर कई जगह आग लगने का दृश्य तैयार किया गया। नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों ने अलग-अलग प्रकार की आग बुझाने के तरीकों का प्रदर्शन किया। सूखी लकड़ियों में लगी आग को वाटर टाइप अग्निशमन यंत्र से कूलिंग मेथड के जरिए बुझाया गया। पेट्रोल के छोटे टैंकर में लगी आग को भीगे कंबल से ढककर ऑक्सीजन की आपूर्ति रोकने वाले स्मूथरिंग मेथड से नियंत्रित किया गया। वहीं, रासायनिक पदार्थ में लगी आग पर फोम टाइप एक्सटिंग्विशर का इस्तेमाल किया गया। रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडरों में आग लगने की स्थिति में भीगे कंबल और आसपास मौजूद ज्वलनशील वस्तुओं को हटाकर आग पर काबू पाने का तरीका दिखाया गया।

एक अन्य प्रदर्शन में नागरिक सुरक्षा के लखनऊ चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा फायर सूट पहनकर धुएं से भरे क्षेत्र में दाखिल हुए और वहां फंसे घायल व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज की टीम ने फायर टेंडर और होज पाइप की मदद से बड़ी आग पर काबू पाने का अभ्यास किया।

बिना उपकरण के घायलों को सुरक्षित पहुंचाने का प्रदर्शन

मॉक ड्रिल में बम धमाकों से घायल हुए लोगों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए उपलब्ध संसाधनों के इस्तेमाल का भी प्रदर्शन किया गया। नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों ने ह्यूमन क्रैडल यानी मानवीय पालना, पीठ पर उठाकर ले जाना, टू-हैंडेड सीट और मानवीय बैसाखी जैसे तरीकों से घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का अभ्यास किया।

सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए दो बांस के डंडों और मोटे कपड़े की सहायता से अस्थायी स्ट्रेचर तैयार किया गया। स्वयंसेवकों ने पहले घायल के सिर पर पट्टी बांधकर रक्तस्राव रोकने का अभ्यास किया और फिर उसे स्ट्रेचर पर लिटाकर मेडिकल कैंप तक पहुंचाया।

इमारत में फंसे लोगों को निकलाने के लिए अपनाए गए तरीके

अभ्यास के दौरान बम विस्फोट से इमारत का हिस्सा ढहने और बाहर निकलने का रास्ता मलबे से बंद होने का दृश्य भी तैयार किया गया। इसमें पहली और दूसरी मंजिल पर फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के तरीके दिखाए गए। एक प्रदर्शन में जाल और मोटे कपड़े की सहायता से बच्चे को ऊंचाई से सुरक्षित नीचे उतारा गया। वहीं, चोटिल व्यक्ति को नीचे लाने के लिए चेयर नॉट तकनीक का इस्तेमाल किया गया। रस्सी से विशेष प्रकार के दो फंदे बनाकर घायल को बैठी हुई स्थिति में सुरक्षित नीचे उतारने का प्रदर्शन किया गया, ताकि उसे अतिरिक्त चोट न पहुंचे।

इसके अलावा रेड अलर्ट के दौरान लॉक हुई कार में फंसे व्यक्ति को बाहर निकालने का अभ्यास किया गया। स्वयंसेवकों ने कार का शीशा तोड़कर दरवाजा खोला और घायल को बाहर निकाला। जांच में उसकी सांस और नाड़ी नहीं चलने की स्थिति प्रदर्शित की गई, जिसके बाद सीपीआर के जरिए जीवनरक्षक सहायता देने का अभ्यास किया गया। एंबुलेंस पहुंचने तक सीपीआर जारी रखने और मरीज को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रदर्शन किया गया।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने संभाला मोर्चा, मलबे में दबे लोगों की तलाश

मॉक ड्रिल के अगले चरण में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डायल-112, फायर सर्विसेज और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। सभी टीम कमांडरों ने इंसिडेंट कमांडर से घटना की जानकारी प्राप्त की और इसके बाद अपने-अपने राहत एवं बचाव अभियान की रूपरेखा तैयार की। टीमों ने सबसे पहले घटनास्थल को सुरक्षित किया, ताकि कोई अनधिकृत व्यक्ति वहां प्रवेश न कर सके। इसके बाद स्टेजिंग एरिया, कमांड पोस्ट, कम्युनिकेशन पोस्ट और मेडिकल पोस्ट स्थापित किए गए।

एनडीआरएफ की टीम ने आपदा के दौरान संचार व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपनी कम्युनिकेशन पोस्ट में क्यूडीए और एचएफ स्टेशन स्थापित किया। इसके माध्यम से आपात स्थिति में भी बचाव दलों के बीच संचार बनाए रखने की व्यवस्था बताई गई।

बहुमंजिला इमारत और मलबे में दबे लोगों को तलाशने के लिए फिजिकल, कैनाइन और टेक्निकल सर्च का प्रदर्शन किया। फिजिकल सर्च में जवानों ने आवाज लगाकर, मलबे पर हल्की चोट मारकर और पीड़ितों की प्रतिक्रिया सुनकर उनकी स्थिति का पता लगाने का तरीका दिखाया। इसके बाद प्रशिक्षित श्वान दस्ते ने मलबे में दबे लोगों की मौजूदगी का पता लगाने का अभ्यास किया। टेक्निकल सर्च में विक्टिम लोकेशन कैमरा, थर्मल इमेजिंग कैमरा और एकॉस्टिक सिस्मिक सेंसर जैसे उपकरणों की उपयोगिता बताई गई। पीड़ित की लोकेशन सुनिश्चित करने के बाद कटिंग उपकरणों की सहायता से मलबे में सुरक्षित रास्ता बनाकर उसे बाहर निकाला।

घायलों को रेड और यलो समेत अन्य जोन में बांटा गया

बड़ी दुर्घटना में एक साथ कई लोगों के घायल होने की स्थिति में प्राथमिकता के आधार पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए ट्रायज प्रक्रिया का प्रदर्शन भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग और एनडीआरएफ की मेडिकल टीम ने घायलों की स्थिति का आकलन कर उन्हें अलग-अलग रंगों के टैग दिए। लाल टैग उन घायलों के लिए निर्धारित किया गया, जिन्हें तत्काल उपचार की जरूरत है। पीला टैग गंभीर लेकिन कुछ समय तक इंतजार कर सकने वाले घायलों को दिया गया। हरा टैग मामूली चोट वाले और स्वयं चलने-फिरने में सक्षम लोगों के लिए निर्धारित किया गया, जबकि काला टैग ऐसे मामलों के लिए बताया गया, जिनमें व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो या उसके बचने की संभावना न हो। इसके बाद घायलों को उनकी स्थिति के अनुसार संबंधित मेडिकल जोन में भेजने का अभ्यास किया गया।

जहरीली गैस और रेडिएशन से निपटने का भी अभ्यास

मॉक ड्रिल में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर यानी सीबीआरएन आपात स्थिति से निपटने का विशेष प्रदर्शन किया गया। इसके तहत रिहायशी क्षेत्र में जहरीली गैस और रेडिएशन फैलने का परिदृश्य तैयार किया गया। एनडीआरएफ की सीबीआरएन टीम ने गैस मास्क, ब्रीदिंग ऑपरेटर सेट, ग्लव्स और गमबूट सहित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण पहनकर प्रभावित क्षेत्र में प्रवेश किया।

टीम ने गैस डिटेक्टर, पर्सनल डोजीमीटर और केमिकल डिटेक्शन पेपर की मदद से गैस की पहचान और उसकी मात्रा का पता लगाने की प्रक्रिया दिखाई। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्र को हॉट, वार्म और कोल्ड जोन में विभाजित किया गया। हॉट जोन को सबसे अधिक दूषित क्षेत्र, वार्म जोन को डीकंटैमिनेशन यानी शुद्धिकरण की प्रक्रिया वाला क्षेत्र और कोल्ड जोन को सुरक्षित क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया। सीबीआरएन टीम ने प्रभावित लोगों को स्ट्रेचर की सहायता से सुरक्षित बाहर निकालने और शुद्धिकरण की प्रक्रिया अपनाने का अभ्यास किया।

लूटकांड का 24 घंटे में खुलासा, एक आरोपित सहित चार विधि-विरुद्ध बालक गिरफ्तार

लूट की मोटरसाइकिल, चार मोबाइल, लॉकेट और नकदी बरामद

समाज जागरण

पारसनाथ दुबे, डेहरी (रोहतास)। रोहतास पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बिक्रमगंज थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना का महज 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में एक आरोपित सहित चार विधि-विरुद्ध बालकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लूट का सामान भी बरामद किया गया है।



पुलिस के अनुसार, बिक्रमगंज थाना कांड संख्या 693/26, दिनांक 21 नवंबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) में मामला दर्ज किया गया था। घटना की सूचना मिलने के बाद रोहतास पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और एक आरोपित कृष राज, पिता पिंटू सेठ, निवासी ढ़िबरा मोहल्ला, वार्ड संख्या-3, थाना बिक्रमगंज, जिला रोहतास को चार विधि-विरुद्ध बालकों के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने गिरफ्तार लोगों के पास से एक होंडा शाइन एसपी मोटरसाइकिल, एआई प्लस नोवा मोबाइल, रेडमी मोबाइल, पोको एम-6 मोबाइल, हनुमान जी का सोने जैसा लॉकेट, 2200 रुपये नकद तथा एक अन्य मोबाइल बरामद किया है।

रोहतास पुलिस के अनुसार, मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। बरामद सामान को उसके वास्तविक मालिक को सौंपने की प्रक्रिया भी की जाएगी। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से लूट की घटना का शीघ्र उद्भेदन हुआ है।

विकास वैभव के जन्मदिन पर बच्चों को बांटी गई शैक्षणिक सामग्री

गार्गी पाठशाला में केक काटकर मनाई खुशियां, पुस्तकें, पोशाक और स्कूल बैग पाकर खिले बच्चों के चेहरे

समाज जागरण

पारस नाथ दुबे, डेहरी (रोहतास)। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के रोहतास अध्याय की ओर से अभियान के मुख्य संरक्षक एवं बिहार कैडर के वर्ष 2003 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी विकास वैभव के 47वें जन्मदिन पर शनिवार को अमरा तालाब स्थित गार्गी पाठशाला में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर केक काटकर बच्चों के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा की गईं। साथ ही जरूरतमंद बच्चों के बीच पुस्तकें, पोशाक, स्कूल बैग सहित विभिन्न शैक्षणिक सामग्रियों का वितरण किया गया।



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सासाराम सदर अनुमंडल पदाधिकारी प्रिया रानी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-01 विप्लव कुमार उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों को शैक्षणिक सामग्री प्रदान कर उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी प्रिया रानी ने बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन की खुशियां मनाईं। अभियान की ओर से रामावतार राय ने उन्हें स्मृति चिह्न, पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। वहीं, गार्गी अध्याय की जिला मुख्य समन्वयक नूतन पांडेय ने गार्गी पाठशाला का प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्र देकर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं डिवाइन पब्लिक स्कूल, बिक्रमगंज के निदेशक अखिलेश कुमार सिंह ने की। आयोजन के संयोजक लेट्स इंस्पायर बिहार के शाहाबाद प्रभारी अश्वनी सिंह रहे, जबकि मंच संचालन रोहतास गार्गी अध्याय की जिला मुख्य समन्वयक नूतन पांडेय ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामावतार राय एवं मदन सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

वक्ताओं ने कहा कि विकास वैभव के जन्मदिन को शिक्षा और सामाजिक सेवा के कार्यों के माध्यम से मनाना सराहनीय पहल है। शिक्षा ही समाज में सकारात्मक बदलाव, समानता और आत्मनिर्भरता का सबसे सशक्त माध्यम है।

उल्लेखनीय है कि अमरा तालाब स्थित गार्गी पाठशाला में लंबे समय से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ ही समाज में सेवा, सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

आपदा से निपटने को हर जिले में तैयार होंगे प्रशिक्षित नागरिक, यूपी में एक लाख से अधिक सिविल डिफेंस स्वयंसेवक तैयार: सीएम योगी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रिजर्व पुलिस लाइंस में आयोजित एयर रेड-ब्लैक आउट मॉकड्रिल-26 कार्यक्रम में शामिल हुए
- 60 जिलों में गठित हो चुका है नागरिक सुरक्षा संगठन, 1.08 लाख से अधिक नागरिकों, विद्यार्थियों और सुरक्षा बलों को दिया गया प्रशिक्षण
- सीएम योगी बोले- संकट आने पर कुआं नहीं खोदा जाता, आपदा से पहले ही तैयारी जरूरी

समाज जागरण

लखनऊ, 22 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपदा, दुर्घटना या राष्ट्र के सामने किसी भी प्रकार का संकट आने पर नागरिक किंकर्तव्यविमूढ़ न रहें, बल्कि प्रशिक्षित और जागरूक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। इसके लिए प्रदेश में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। आपदा कभी बताकर नहीं आती और न ही कोई तिथि देखकर आती है। प्रत्येक नागरिक को संकट की परिस्थितियों से निपटने के लिए सजग, सतर्क और प्रशिक्षित रहना आवश्यक है। आपदा के समय सही निर्णय, समय पर सूचना और प्रशिक्षित प्रतिक्रिया अनेक लोगों की जान बचा सकती है। किसी भी संकट की स्थिति में एक जागरूक नागरिक फर्स्ट रिस्पॉन्डर (प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता) की भूमिका निभा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि वह साहसी होने के साथ अनुशासित और उचित प्रशिक्षण प्राप्त हो। नागरिक सुरक्षा की कार्यपद्धति के पीछे समाज और राष्ट्र के प्रति निष्काम सेवा तथा समर्पण की भावना होनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के अपने सामाजिक और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का निर्वहन करता है, तभी वह प्राकृतिक आपदा, मानवीय संकट या किसी अन्य विपत्ति के समय प्रभावी भूमिका निभा सकता है। ये बातें मुख्यमंत्री ने रविवार को लखनऊ रिजर्व पुलिस लाइंस में आयोजित एयर रेड-ब्लैक आउट मॉक एक्सरसाइज-26 के दौरान कही।

1962 से 2017 तक कुछ जिलों तक सीमित रहा नागरिक सुरक्षा संगठन

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के बाद देश में आम नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन किया गया था। हालांकि, उत्तर प्रदेश में वर्ष 1962 से लेकर 2017 तक यह संगठन केवल कुछ गिने-चुने जनपदों तक ही सीमित रहा। पिछले वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के पराक्रम और देश की सुरक्षा से जुड़ी परिस्थितियों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में नागरिक सुरक्षा संगठन का विस्तार करने का निर्णय लिया गया। वर्तमान में प्रदेश के 60 जनपदों में नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन हो चुका है। इन जिलों में जिलाधिकारी संगठन के नियंत्रक के रूप में कार्य कर रहे हैं। साथ ही सभी 60 जनपदों में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए हेड सायरन भी पहुंचाए जा चुके हैं। यह व्यवस्था युद्ध, प्राकृतिक आपदा और आंतरिक संकट जैसी परिस्थितियों में नागरिकों को समय रहते सतर्क करने में सहायक होगी।

एक लाख से अधिक स्वयंसेवक बने सुरक्षा की अतिरिक्त दीवार

सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश में अब तक 1,01,362 स्वयंसेवक नागरिक सुरक्षा के इस अभियान से जुड़ चुके हैं। ये स्वयंसेवक किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षा व्यवस्था को अतिरिक्त मजबूती देने के साथ समाज की सामूहिक शक्ति के रूप में काम करेंगे। आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि आपदा आने से पहले तैयारी करना। हमारी तैयारी ऐसी होनी चाहिए कि प्रदेश का कोई भी जनपद, गांव या नगर निकाय आपदा प्रबंधन की व्यवस्था से अछूता न रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक 1,08,627 नागरिकों, स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं, एनसीसी, एनएसएस कैडेट्स और होमगार्ड के जवानों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। प्रशिक्षण का स्तर ऐसा होना चाहिए कि स्वयंसेवक किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना करने में सक्षम हों और आपदा के कारण होने वाली जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके। सेना की गोरखा राइफल्स के अधिकारियों ने नागरिक सुरक्षा के मास्टर ट्रेनर्स को भी विशेष प्रशिक्षण दिया है।

मॉक ड्रिल से परखी जाएगी तैयारियों की हकीकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि मॉक ड्रिल केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि आपदा से निपटने की तैयारियों की वास्तविक परीक्षा है। इससे पता चलता है कि हमारी व्यवस्था कितनी तत्पर है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। आपदा के समय सही निर्णय, सही समय पर सूचना और प्रशिक्षित प्रतिक्रिया के माध्यम से बड़े नुकसान को टाला जा सकता है। लखनऊ में आयोजित मॉक ड्रिल जैसे अभ्यास प्रदेश के प्रत्येक जनपद में नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। इसके लिए अलग-अलग आपदाओं और परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास की कार्ययोजना तैयार करनी होगी। बाढ़, भूकंप, आगजनी, आतंकी घटनाओं और युद्ध जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अलग-अलग प्रकार के मॉक ड्रिल आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि संबंधित एजेंसियां और नागरिक हर स्थिति के लिए तैयार रहें।

पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और होमगार्ड के साथ होगा समन्वय

सीएम योगी ने कहा कि आपदा प्रबंधन की तैयारियों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, यूपी पुलिस, पीएसी और होमगार्ड के जवानों का नियमित प्रशिक्षण और आपसी समन्वय भी जरूरी है। इन सभी एजेंसियों को एक साथ अभ्यास करना चाहिए, जिससे वास्तविक संकट के समय राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए। प्रदेश में पर्व और त्योहारों की लंबी श्रृंखला के दौरान जब 25 करोड़ की आबादी उत्सवों में शामिल होती है, तब पुलिस और होमगार्ड के जवान पूरी तत्परता से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। इसी प्रकार बाढ़ या अन्य आपदा के समय पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पीएसी की फ्लड यूनिट और नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक मिलकर संकट का सामना करते हैं और नुकसान को न्यूनतम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नियमित अभ्यास से मजबूत होगा आम नागरिक का भरोसा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन व्यवस्था में व्यापक बदलाव देखने को मिला है। इससे आम नागरिक का विश्वास मजबूत हुआ है। इस विश्वास को और सशक्त बनाने के लिए मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आगे बढ़ाना होगा। आपदा आने के बाद तैयारी शुरू करने के बजाय पहले से ही संसाधनों, प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और समन्वित व्यवस्था को तैयार रखना होगा। संकट के समय कुआं नहीं खोदा जाता। इसलिए प्यास लगने से पहले ही तैयारी होनी चाहिए। प्रदेश सरकार का लक्ष्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई करते हुए जन-धन की हानि को रोका जा सके।

इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा के मंत्री धर्मवीर प्रजापति, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ. नीरज बोरा, अमरीश कुमार, उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव नागरिक सुरक्षा संयुक्ता समद्दार, डीजी नागरिक सुरक्षा अशोक कुमार आदि उपस्थित थे।

मां भलुनी भवानी मंदिर में चोरी, एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

चोरों ने गर्भगृह से माता के श्रृंगार के आभूषण उड़ाए, जांच के लिए एसआईटी गठित

समाज जागरण

पारसनाथ दुबे, डेहरी (रोहतास)। रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध मां भलुनी भवानी मंदिर में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देकर इलाके में सनसनी फैला दी। चोरों ने मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर माता की प्रतिमा के श्रृंगार में इस्तेमाल होने वाले आभूषण चोरी कर लिए।



घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक, रोहतास ने मंदिर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बिक्रमगंज के नेतृत्व में विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है।

पुलिस टीम मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मंदिर में चोरी की घटना से श्रद्धालुओं में नाराजगी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

बुलडोजर एक्शन से अपराधियों के हौसले पस्त, यूपी में अपराधों पर लगा लगाम

समाज जागरण

लखनऊ, 22 नवंबर। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था में आए बदलाव, अपराधियों और माफिया नेटवर्क पर कार्रवाई तथा बुलडोजर नीति के प्रभाव को लेकर रविवार को लखनऊ में गोमतीनगर के 1090 चौराहे पर रविवार को फ्रेंड्स ऑफ योगी द्वारा एक विशेष यूथ डायलॉग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 2017 से पहले और बाद की स्थिति की तुलना करते हुए योगी सरकार के निर्णायक नेतृत्व, अपराध नियंत्रण, अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई और तकनीक आधारित पुलिसिंग को बदलाव का आधार बताया गया।

2017 से पहले के अपराधी-राजनीतिक गठजोड़ पर उठे सवाल

संवाद में 2017 से पहले अपराधी-माफिया नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण के गठजोड़ पर चर्चा हुई। पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन ने कहा कि पुलिस की सक्रियता, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई और अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान से कानून का इकबाल मजबूत हुआ है। बुलडोजर कार्रवाई को अपराध व अवैध संपत्तियों के खिलाफ कठोर नीति का प्रतीक है। गुंडागर्दी पर सख्ती जरूरी है, ताकि अपराधियों में कानून का भय और समाज में स्पष्ट संदेश कायम हो।

कार्रवाई से अपराधियों का मनोबल टूटा

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई न्यायिक समीक्षा के दायरे में है और अधिकांश मामलों में उच्च न्यायालय व उच्चतम न्यायालय ने सरकार के एक्शन का समर्थन किया है। उन्होंने दावा किया कि कार्रवाई से अपराधियों का मनोबल टूटा है। 2016 के मुकाबले डकैती में 87% और हत्या में 43% की कमी आई है। योगी सरकार में प्रदेश की 25 करोड़ जनता सुरक्षित महसूस कर रही है।

सीएम योगी की मौजूदगी में अयोध्या से नेपाल के जनकपुर के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस का होगा शुभारंभ

समाज जागरण

अयोध्या, 22 नवम्बर। प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच सीधा रेल संपर्क स्थापित होने जा रहा है। भारत और नेपाल के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक रिश्तों को नई मजबूती देने वाली सरयू-कमला एक्सप्रेस का शुभारंभ 23 नवंबर को होगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अयोध्या दौरा प्रस्तावित है। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी रहेगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। अयोध्या में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कार्यक्रम में शामिल होने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। रेलवे के अधिकारी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

28 नवंबर से आम श्रद्धालु कर सकेंगे सफर

अयोध्या से जनकपुर धाम तक सीधी ट्रेन सेवा का उद्घाटन 23 नवंबर को होगा, जबकि 28 नवंबर से आम श्रद्धालु इस रेलसेवा में यात्रा कर सकेंगे। अयोध्या कैंट से जनकपुर धाम के बीच करीब 604 किलोमीटर की दूरी लगभग 19 घंटे में पूरी होगी। यात्रियों को रास्ते में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह रेलसेवा सप्ताह में एक दिन संचालित होगी। अयोध्या कैंट से प्रत्येक सोमवार और जनकपुर धाम से प्रत्येक शनिवार को ट्रेन रवाना होगी।

सोमवार शाम अयोध्या से जनकपुर के लिए प्रस्थान

गाड़ी संख्या 15596 अयोध्या कैंट से प्रत्येक सोमवार शाम 5:50 बजे रवाना होगी। अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शीशो, मधुबनी और जयनगर होते हुए मंगलवार दोपहर 12:40 बजे नेपाली समय के अनुसार जनकपुर धाम पहुंचेगी। रास्ते में गोरखपुर में रात 10:13 बजे, नरकटियागंज में मंगलवार रात 1:50 बजे, सीतामढ़ी में सुबह 4:42 बजे और जयनगर में सुबह 8:30 बजे आगमन होगा। वापसी में गाड़ी संख्या 15595 प्रत्येक शनिवार दोपहर 1:10 बजे नेपाली समय के अनुसार जनकपुर धाम से रवाना होगी। जयनगर, मधुबनी, शीशो, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर और अयोध्या धाम होते हुए रविवार सुबह 8:10 बजे अयोध्या कैंट पहुंचेगी।